THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 172 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु . 9, 2079 सोमवार, 5 सितंबर 2022

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

सीजेआई के छलके आंसू

नागपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के प्रधान न्यायाधीश उदय उमेश ललित ने एक वकील के रूप में अपने करियर की शुरूआत में महाराष्ट्र के नागपुर शहर में बिताए दिनों को याद किया और भावुक हो गए। उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में अपने सम्बोधन में उन्होंने सीजेआई के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अपने सर्वोत्तम ज्ञान और क्षमता के अनुसार सब कुछ करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि नागपुर में बोलते हुए उन्हें पुराने दिनों की याद आ रही है, जब उन्होंने कानूनी पेशे की अपनी यात्रा शुरू की थी।

टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री का निधन

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर डिवाइडर से टकराई मर्सिडीज कार, हादसे में दो लोगों की मौत, दो घायल

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया है। अहमदाबाद हाईवे पर मुंबई से सटे पालघर में यह हादसा हुआ। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, 54 साल के मिस्त्री की मर्सिडीज कार कासा के पास रोड डिवाइडर से टकराई थी। टक्कर के बाद मर्सिडीज के एयरबैग भी खुले, लेकिन मिस्त्री समेत दो लोगों की मौत हो गई। कार में कुल चार लोग सवार थे।

पुलिस ने मर्सिडीज कार में सवार लोगों की डीटेल जारी की है। इसके मुताबिक, एक्सीडेंट में साइरस मिस्त्री के साथ जहांगीर दिनशा पंडोले की भी जान चली गई है। वहीं, अनायता पंडोले (महिला) और दरीयस पंडोले घायल हुए हैं। इस बीच जानकारी यह भी आई कि हादसे का शिकार हुई मर्सिडीज कार को महिला ड्राइव कर रही थी, लेकिन पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की।

अस्पताल में मिस्त्री को मृत घोषित किया गया

पालघर के पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटिल ने बताया, मिस्त्री जिस कार में सवार थे, उसका नंबर एम-47-एबी-6705 है। एक्सीडेंट दोपहर करीब साढ़े तीन बजे अहमदाबाद से मुंबई के रास्ते में सूर्या नदी के पुल पर हुआ। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि बाकी दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने

बताया कि एक्सीडेंट की जानकारी मिलते ही मिस्त्री समेत सभी घायलों को कासा के अस्पताल ले जाया गया था, लेकिन वहां दो लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। बाकी दो घायलों का इलाज किया जा रहा है।

शिंदे, गडकरी और गोयनका समेत कई लोगों ने दी श्रद्धांजलि

साइरस मिस्त्री के निधन पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी समेत कई लोगों ने श्रद्धांजलि दी है। गडकरी ने लिखा, महाराष्ट्र के पालघर के पास एक सड़क दुर्घटना में टाटा संस के पूर्व अध्यक्ष साइरस मिस्त्री जी के दुर्भाग्यपूर्ण निधन के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। उनके परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें। ओम शांति।

एनसीपी की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, दिल दहला देने वाली खबर। मेरे भाई साइरस मिस्त्री का निधन हो गया। विश्वास नहीं हो रहा है। रेस्ट इन पीस साइरस। वहीं, आरपीजी एंटरप्राइजेज के अध्यक्ष हर्ष गोयनका ने भी मिस्त्री के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने लिखा.. एक दुर्घटना में साइरस मिस्त्री के निधन की चौंकाने वाली खबर के बारे में सुना। वह मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। उन्होंने शापूरजी पल्लोनजी ग्रुप को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लंदन से की इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट की पढ़ाई

साइरस पालोनजी मिस्त्री का जन्म 4 जुलाई 1968 को हुआ था। वो शापूरजी पालोनजी ग्रुप के प्रमुख पालोनजी मिस्त्री के छोटे बेटे थे। साइरस ने मुंबई के कैथेड्रल एंड जॉन कॉनन स्कूल से शुरूआती पढ़ाई की। इसके बाद वे सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए लंदन चले गए। उनके पास लंदन बिजनेस स्कूल से मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री भी थी।

साइरस ने 1991 में अपना फैमिली बिजनेस जॉइन किया था। उन्हें 1994 में शापूरजी पालोनजी ग्रुप का डायरेक्टर नियुक्त किया गया। उनके नेतृत्व में कंपनी ने भारत का सबसे ऊंचा रेसिडेंशियल टावर, सबसे लंबा रेलवे पुल और सबसे बड़े पोर्ट का निर्माण किया। पालोनजी ग्रुप का कारोबार कपड़े से लेकर रियल एस्टेट, हॉस्पिटेलिटी और बिजनेस ऑटोमेशन तक फैला हुआ है।

टाटा ग्रुप के छठे ग्रुप चेयरमैन थे साइरस मिस्त्री

दिसंबर 2012 को रतन टाटा ने टाटा सन्स के चेयरमैन पद से रिटायरमेंट ले लिया था। उसके बाद सायरस मिस्त्री को टाटा सन्स का चेयरमैन बनाया गया। टाटा के 150 साल से भी ज्यादा समय के इतिहास में साइरस मिस्त्री छठे ग्रुप चेयरमैन थे। वे टाटा सन्स के सबसे युवा चेयरमैन भी थे।

मिस्त्री परिवार की टाटा सन्स में 18 प्रतिशत हिस्सेदारी

साइरस के पिता पालोनजी मिस्त्री 2006 में टाटा ग्रुप के बोर्ड से रिटायर हुए थे, जिसके बाद साइरस मिस्त्री ने उनकी जगह ली थी। पालोनजी मिस्त्री टाटा ग्रुप के सबसे बड़े शेयर होल्डर थे। अब भी मिस्त्री परिवार की टाटा सन्स में 18.4 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। वे टाटा ट्रस्ट के बाद टाटा सन्स में दूसरे बड़े शेयर होल्डर्स हैं। >12

गुलाम नबी नई पार्टी बनाएंगे

कहा झंडा और नाम कश्मीरी तय करेंगे, कांग्रेस पर बोले हमें बदनाम करने वालों की पहुंच ट्वीट तक

जम्मू, 4 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस से अलग हुए गुलाम नबी आजाद ने रविवार को जम्मू में कहा कि वे अपनी नई पार्टी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का झंडा ऐसा होगा, जिसे हर धर्म का आदमी स्वीकार करे। पार्टी का झंडा और नाम कश्मीर की अवाम तय करेगी। कांग्रेस से इस्तीफे के बाद यह आजाद की पहली रैली है।

आजाद ने कांग्रेस हाईकमान में से किसी का नाम लिए बगैर कहा कि मेरी नई पार्टी बनाने से उनमें बौखलाहट है, लेकिन मैं किसी का बुरा नहीं चाहता हूं।

आजाद की पार्टी के 3 एजेंडे :

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा।

बाहरी आदमी जमीन न खरीदे।

नौकरी केवल जम्मू-कश्मीर के लोगों को मिले।

नई पार्टी पर और कांग्रेस पर क्या कहा...

नई पार्टी : अभी तक मैंने पार्टी का नाम तय नहीं किया है। झंडा और नाम कश्मीरी तय करेंगे। मेरी पार्टी को मैं हिंदुस्तानी नाम दूंगा, जिसे हर कोई समझ सके।

कांग्रेस : कांग्रेस हमने बनाई है, अपने खून-पसीने से बनाई है। कांग्रेस कम्प्यूटर और ट्विटर से नहीं बनी है। जो लोग हमें बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं, उनकी पहुंच केवल कम्प्यूटर और ट्वीट्स तक है। यही वजह है कि कांग्रेस अब जमीन पर कहीं नहीं दिखाई देती। वो लोग डिबेट में खुश रहें, उन्हें वही नसीब हो। हम बुजुर्गों, किसानों के साथ ठीक हैं। उन्हें उनकी बादशाहत मुबारक।

कांग्रेस के डीएनए वाले बयान पर दिया जवाब

कांग्रेस के कई नेता अब खुलकर गुलाम नबी के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। हाल ही में कांग्रेस ने आजाद के डीएनए पर सवाल उठाया था। पार्टी के एक नेता ने कहा था कि आजाद का डीएनए बदलकर मोदी-मय हो गया है। अब आजाद ने अपने डीएनए पर उठ रहे सवाल पर कांग्रेस पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अगर आप दूसरे राजनीतिक दलों के लोगों से मिलते हैं और उनसे बात करते हैं तो इससे आपका डीएनए बदल नहीं जाता है।

5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने संविधान से अनुच्छेद 370 और आर्टिकल 35ए को खत्म कर दिया। इसके बाद महबूबा मुफ्ती, फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला समेत सभी बड़े नेताओं को हिरासत में लेकर नजरबंद किया गया था, लेकिन गुलाम नबी इस वक्त भी आजाद थे।

फरवरी 2021 के बाद से गुलाम नबी आजाद लोकसभा और राज्यसभा किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं।

राहुल : हमारी यात्रा सच बताने के लिए

कहा आज दो हिंदुस्तान एक गरीबों और दूसरा उद्योगपतियों का

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। देश में बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रेस ने दिल्ली के रामलीला मैदान में हल्ला बोल रैली की। इसमें राहुल ने कहा कि देश में मीडिया, प्रेस और इंस्टीट्यूशन सरकार के दबाव में हैं। ऐसे में हमारे पास जनता के बीच जाकर सच बताने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। राहुल ने कहा कि देश के 10-15 अमीर लोग जो सपना चाहें, देख सकते हैं। गरीबों के साथ ऐसा नहीं है, लेकिन यह देश उद्योगपतियों का नहीं, गरीबों का है।

महंगाई और बेरोजगारी का डर देश में नफरत बढ़ा रहा

राहुल गांधी ने कहा, नफरत डर का एक रूप है। जिसको डर होता है, उसी के दिल में नफरत पैदा होती है। हिंदुस्तान में डर बढ़ता जा रहा है। भविष्य का डर, महंगाई का डर, बेरोजगारी का डर बढ़ता जा रहा है। इसके कारण हिंदुस्तान में नफरत बढ़ती जा रही है।

उन्होंने कहा कि नफरत से लोग बंटते हैं, देश बंटता है और कमजोर होता है। भाजपा और

संघ के नेता देश को बांटते हैं भय पैदा करते हैं। लोगों को डराते हैं और नफरत पैदा करते हैं। सवाल उठता है कि किसके लिए करते हैं और क्यों करते हैं। इस नफरत का फायदा किसको मिल रहा है। इसका पूरा फायदा हिंदुस्तान के दो उद्योगपति उठा रहे हैं।

नोटबंदी से गरीबों की जेब से पैसा निकला

मोदीजी ने नोटबंदी की। इससे गरीबों का फायदा हुआ? उन्होंने गरीबों की जेब से पैसा निकाला। गरीबों से कहा कि कालेधन के खिलाफ लड़ाई है। कुछ महीनों बाद आपने देखा कि आपकी जेब से निकाला गया लाखों करोड़ रुपए... देश के सबसे बड़े उद्योगपतियों का कर्जा माफ किया गया। किसान का कर्जा माफ नहीं करेंगे। किसानों के खिलाफ काले कानून लाएंगे। कहेंगे कि ये कानून उनके फायदे के लिए हैं। अगर किसान के फायदे के लिए हैं तो हिंदुस्तान में किसान क्यों इसके खिलाफ है।

किसानों ने नरेंद्र मोदीजी को अपनी शक्ति दिखा दी। मोदीजी को जब किसानों की शक्ति दिखी तो उन्होंने कानून रद्द कर दिया। यही बात जीएसटी के साथ हुई। कांग्रेस दूसरी जीएसटी लाना चाहती थी। भाजपा ने जीएसटी को बदला। पांच अलग-अलग टैक्स लगाकर जबरदस्त चोट छोटे दुकानदारों को दी।

विरोधियों को ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स से डराती है

रैली में राहुल बोले, अभी किसी ने कहा कि मोदीजी प्रधानमंत्री हैं। लेकिन, उन दो उद्योगपतियों के बिना, मीडिया के समर्थन के बिना मोदीजी प्रधानमंत्री नहीं हो सकते हैं। मीडिया हो, प्रेस हो, इंस्टीट्यूशन हों, सब पर सरकार दबाव डाल रही है। हमारी यात्रा की क्या जरूरत है, हमारे पास कोई और रास्ता नहीं है।

विजय माल्या की मुश्किलें बढ़ीं

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट सोमवार यानी आज अवमानना के मामले में भगोड़ा व्यवसायी विजय माल्या के खिलाफ सजा का एलान कर सकता है। बता दें कि माल्या किंगफिशर एयरलाइंस से जुड़े 9,000 करोड़ रुपये से अधिक के बैंक ऋण चूक मामले में एक अवमानना मामले में दोषी पाया गया है।

उस समय न्यायाधीश रहे यूयू ललित और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट की पीठ ने 10 मार्च 2022 को माल्या के खिलाफ अवमानना मामले में सजा पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने अवमानना कानून और सजा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर वरिष्ठ अधिवक्ता और न्याय मित्र जयदीप गुप्ता को सुना था और माल्या के वकील अंकुर सहगल को सजा के पहलू पर अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने का एक आखिरी मौका दिया था। पीठ ने अपने आदेश में कहा था कि भले ही वकील अंकुर सहगल ने प्रस्तुतियां पेश करने में असमर्थता व्यक्त की है, फिर भी हम उन्हें 15 मार्च 2022 तक एमिकस क्यूरी को एक अग्रिम प्रति के साथ अपना सबमिशन दाखिल करने का एक और अवसर प्रदान करते हैं।

कानून मंत्री ने पूर्व-एससी जज की टिप्पणी पर किया पलटवार

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी.एन. श्रीकृष्ण ने एक राष्ट्रीय दैनिक को दिए एक इंटरव्यू में अभिव्यक्ति की आजादी की कमी पर टिप्पणी की, जिस पर कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। न्यायमूर्ति श्रीकृष्ण ने कहा, आज चीजें बहुत खराब हैं। यह कबूल करना होगा। अगर मैं एक सार्वजनिक चौक पर खड़ा होकर कहूं कि मुझे प्रधानमंत्री का चेहरा पसंद नहीं है, तो कोई मुझ पर छापा मार सकता है, मुझे गिरफ्तार कर सकता है, मुझे बिना कारण बताए जेल में डाल सकता है। अब यह एक ऐसी चीज है जिसका हम सभी को नागरिक के रूप में विरोध करना चाहिए।

यूक्रेन युद्ध पर भारत का स्वतंत्र रुख

समस्या से दृढ़ता के साथ निपटने को विश्व ने सराहा : विदेश मंत्री

अहमदाबाद, 4 सितंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन युद्ध पर भारत के स्वतंत्र रुख और समझौतों का उल्लंघन करते हुए चीन द्वारा सीमा (वास्तविक नियंत्रण रेखा) के पास सैनिकों की तैनाती किये जाने के बाद उसके (भारत के) दृढ़ रुख की पूरे विश्व ने सराहना की है। भारतीय विदेश नीति : परिवर्तनकारी दशक विषय पर भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद में व्याख्यान देते हुए उन्होंने कहा कि यूक्रेन युद्ध पर स्वतंत्र रुख अपना कर भारत ने कई देशों की भावनाओं को व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की परिस्थितियों में देशों पर कोई एक पक्ष चुनने का भारी दबाव रहता है। उन्होंने कहा, यह कि हमने स्वतंत्र

रुख अपनाया है, यह कि हमने हमारे लोगों के कल्याण के दृष्टिकोण से जिन फैसलों को सही समझा, वही फैसला लिया है, इस बात की पूरी दुनिया ने सराहना की है।

जयशंकर ने कहा, दो साल पहले महामारी के बीच में चीन ने समझौते का उल्लंघन करते हुए हमारी सीमा के करीब सैनिक तैनात कर दिये। हम अपने रुख पर कायम रहे और दो साल से हम उस पर काम कर रहे हैं, कोई नरमी नहीं बरत रहे हैं और मुझे लगता है कि विश्व ने इसकी (हमारे रुख की) सराहना की है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक समुदाय ने देखा कि भारत जमीनी स्तर पर मजबूत और अपने हितों को सामने रखने में मुखर भी हो सकता है। जयशंकर ने कहा कि भारत ने जिस तरह से कोविड-19 महामारी और टीकों का प्रबंधन किया, डिजिटल भारत का उभर कर सामने आना, नवीकरणीय ऊर्जा हब के रूप में उसका उभरना, भारतीय अर्थव्यवस्था का फिर से पटरी पर लौटना, जैसे उसने यूक्रेन में फंसे अपने छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला और स्वच्छ भारत ने देश की छवि सुधारने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

नीतीश कुमार के पीएम बनने के सपनों पर ममता बनर्जी फेरेंगी पानी!

2024 में 'एकला चलो' की राह पर टीएमसी

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कल जनता दल युनाइटेड (जेडीयू) के प्रदेश और राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करने के लिए पटना स्थित पार्टी मुख्यालय पहुंचे थे। यहां उनके समर्थकों ने 'देश का प्रधानमंत्री कैसा हो, नीतीश कुमार जैसा हो' के नारे लगाए। इतना ही नहीं उनकी पार्टी ने अपने दफ्तर और पटना की सड़कों पर बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगवाए हैं, जिसके जरिए उनकी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा को जनता तक ले जाने की कोशिश की जा रही है।

इन बैनरों पर लिखा है- बिहार में दिखा, भारत में दिखेगा। हालांकि, बीजेपी से गठबंधन तोड़ने के बाद लगभग हर मौकों पर पत्रकारों ने उनसे पीएम कैंडिडेट को लेकर सवाल पूछे हैं और उन्होंने ऐसी संभावनाओं को खारिज कर दिया है। नीतीश खुद भले ही इसे इजहार नहीं कर रहे हों, लेकिन उनकी पार्टी उनकी सहमति के बिना ऐसा कोई कदम उठाएगी, इसकी संभावना नहीं के बराबर है। नीतीश कुमार ने शनिवार को पार्टी की बैठकों को संबोधित करते हुए कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव विपक्षी दल मिलकर लड़ें तो भाजपा 50 सीट का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि वह इसी अभियान में लगे हुए हैं। नीतीश कुमार ने विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से भी बात होने की बात कही। नीतीश कुमार की इस अपील का ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस बेखबर है। टीएमसी का कहना है कि 2024 का चुनाव अकेले लड़ेगी और बीजेपी को सत्ता से बेदखल करेगी। टीएमसी नेताओं ने कहा है कि उनकी पार्टी 2024 के लोकसभा चुनावों में अकेले उतरेगी और विपक्षी दलों को मिली सीटों की संख्या के आधार पर चुनाव के बाद गठबंधन पर विचार कर सकती है।

जबकि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके तेलंगाना समकक्ष के चंद्रशेखर राव ने हाल ही में 'भाजपा मुक्त भारत' के लिए क्षेत्रीय दलों के बीच एकता बनाने के तरीकों पर चर्चा की। तृणमूल कांग्रेस का दावा है कि उन्हें ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। टीएमसी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुखेंदु शेखर रे ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस को किसी भी तरफ से विपक्षी एकता का कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। टीएमसी नेता ने कहा, "ममता बनर्जी 2019 से विपक्षी नेताओं से केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट कदम उठाने का आग्रह कर रही थीं, लेकिन कुछ भी ठोस नहीं निकला। यही कारण है कि टीएमसी ने 2024 का लोकसभा चुनाव अकेले जाने का फैसला किया है। हां, चुनाव के बाद गठबंधन पर विचार कर सकते हैं। यह विपक्षी दलों द्वारा हासिल की जाने वाली सीटों की संख्या पर निर्भर करता है। हालांकि, टीएमसी केंद्रीय एजेंसियों के छापे और कार्रवाई को लेकर भाजपा के खिलाफ काफी मुखर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को आरोप लगाया था कि देश में भ्रष्ट लोगों के खिलाफ कार्रवाई के परिणामस्वरूप राष्ट्रीय राजनीति में एक नया ध्रुवीकरण हुआ है। कुछ राजनीतिक समूह खुले तौर पर भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करने वालों को बचाने के लिए संगठित होने की कोशिश कर रहे हैं। टीएमसी सांसद रे ने इसपर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा, सभी केंद्रीय एजेंसियों को विपक्ष शासित राज्यों के खिलाफ 'विपक्ष मुक्त-भारत' के भाजपा के एजेंडे को पूरा करने के लिए निर्देशित किया गया है। मध्य प्रदेश में व्यापमं घोटाले पर भाजपा का क्या रुख है जहां न केवल नौकरी चाहने वालों से हजारों करोड़ रुपये एकत्र किए गए, लेकिन इसके परिणामस्वरूप लगभग 100 लोगों की रहस्यमय स्थिति में मौत भी हुई है।" आपको बता दें कि जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने मुख्यमंत्री को विपक्षी दलों को एकजुट करने के लिए अधिकृत कर दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा देश के माहौल को खराब कर रही है। भाजपा के लोग प्रदेश में सांप्रदायिक एवं सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने का कार्य करेंगे, हम सभी को पंचायत स्तर तक पूरी सावधानी बरतनी है।

बैठक में पार्टी पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से कहा कि वे प्रधानमंत्री के सबसे योग्य उम्मीदवार हैं। देश आपका इंतजार कर रहा है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरे लिये पद महत्वपूर्ण नहीं है। न ही मेरी ऐसी कोई इच्छा है। मैं देशभर के विपक्षी दलों को एकजुट करने में लगा हूं। सबसे महत्वपूर्ण यही है। नेता का चयन सभी पार्टियां मिलकर ही करेंगी। नीतीश कुमार ने पार्टी पदाधिकारियों का आह्वान किया कि वे 2024 के चुनाव की तैयारी में जुट जायें। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव 2020 में भाजपा के षड्यंत्र से हमारी सीटें कम हो गईं। मैं स्वयं मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहता था, पर भाजपा के आग्रह पर तैयार हो गया। इसका कारण था कि शुरू से ही बिहार का विकास मेरी प्राथमिकता रही है।

भाजपा सरकार पर प्रियंका का हमला

कहा- उत्तराखंड में भर्ती घोटालों का विशाल रैकेट चल रहा

देहरादून, 4 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में विधानसभा सहित तमाम भर्तियों के विवाद में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के बाद अब पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी भाजपा सरकार पर हमला बोला है। शनिवार को अपने फेसबुक पेज में प्रियंका गांधी ने कहा कि उत्तराखंड में बड़े पैमाने पर हुए भर्ती घोटालों ने होनहार युवाओं को निराश किया है। उन्होंने आगे कहा कि एक तरफ, राज्य के अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और भ्रष्टाचार सामने आया है। वहीं, दूसरी ओर विधानसभा में हुई भर्तियों में भी भारी घोटाला सामने आया है। इसमें तमाम नेताओं के रिश्तेदारों और संबंधियों को बड़ी संख्या में पद बांटे गए। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि इन घोटालों की जांच में नेता, पुलिसकर्मी, सचिवालय के कर्मचारी, आउटसोर्सिंग कंपनी के कर्मचारी, कुछ युवा, कोर्ट के कर्मचारी और कोचिंग सेंटर से जुड़े लोगों की संलिप्तता सामने आई है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि उत्तराखंड में भर्ती घोटालों का कितना विशाल रैकेट चल रहा है।

युवाओं के भविष्य को अंधकार में डाल दिया: प्रियंका

इतने बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार ने एक बार फिर साबित किया है कि चाहे उत्तराखंड हो या उत्तर प्रदेश, भाजपा की सरकारें देशभर के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही हैं। लगातार हो रहे इन घोटालों ने योग्य और शिक्षित युवाओं को न सिर्फ निराश किया है, बल्कि उनके भविष्य को अंधकार में डाल दिया है।

टूट जाएंगे उर्मिला मातोंडकर के एमएलसी बनने के सपने

उद्धव की सिफारिशों के खिलाफ शिंदे; गवर्नर को चिट्ठी

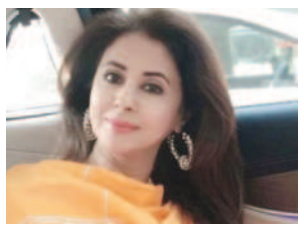

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड अदाकारा उर्मिला मातोंडकर के एमएलसी बनने के सपनों पर ग्रहण लगता दिख रहा है। ऐसा इसलिए कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को पत्र भेजकर कहा है कि उद्धव ठाकरे के सीएम रहते हुए राज्यपाल कोटे से विधान परिषद के लिए भेजे गए 12 नामों की सिफारिश रद्द की जाए। इस बात की पूरी संभावना है कि राज्यपाल जल्द ही नई सरकार को सूची रद्द करने का पत्र देंगे। इसके बाद शिंदे-भाजपा सरकार द्वारा नए सिरे से 12 नामों की सिफारिश की जाएगी। मुख्यमंत्री रहते हुए उद्धव ठाकरे ने जिन 12 नामों की सिफारिश गवर्नर कोश्यारी से की थी उनमें शिवसेना से उर्मिला मातोंडकर और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की तरफ से एकनाथ खडसे जैसे नाम शामिल हैं। आपको बता दें कि गवर्नर के पास लंबे समय से यह सिफारिश लंबित थी।

उद्धव ठाकरे की लिस्ट:

शिवसेना – अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर, विजय करंजकर, नितिन बानुगड़े पाटिल और चंद्रकांत रघुवंशी
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी – एकनाथ खडसे, राजू शेट्टी, यशपाल भिंगे और गायक आनंद शिंदे
कांग्रेस – रजनीताई पाटिल, सचिन सावंत, अनिरुद्ध वांकर, मुजफ्फर हुसैन

महाराष्ट्र में हाल में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद से ही राज्यपाल द्वारा विधान परिषद सदस्य के लिए नियुक्त किए जाने वाले 12 नामों पर नए सिरे विचार करने की चर्चा हो रही थी। उद्धव ठाकरे द्वारा भेजी गई सूची में स्वाभिमानी शेतकर संगठन के नेता और पूर्व सांसद राजू शेट्टी ने राज्यपाल ने भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात की थी। उन्होंने अनुरोध किया था कि उनका नाम सूची से हटा दिया जाए। कांग्रेस की रजनीताई पाटिल राज्यसभा में गईं। एकनाथ खडसे एमएलसी चुनाव में जीते थे। इसके अलावा शिवसेना सूची से चंद्रकांत रघुवंशी अब एकनाथ शिंदे समूह में हैं।

शिंदे गुट ने चार पर ठोका दावा

राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को जो अब नई सूची भेजी जाएगी उसमें भाजपा-शिंदे गुट के बीच बंटवारा होगा। भाजपा को नौ सीटें मिलने की संभावना है जबकि शिंदे समूह को तीन सीटें मिलने की संभावना है। हालांकि खबर है कि शिंदे गुट ने चार सीटों की मांग की है। भाजपा में दावेदारों की लंबी लिस्ट है। अब देखना दिलचस्प होगा कि भगवा खेमे से किसे विधान परिषद जाने का मौका मिलता है।

रेस्टोरेंट मामले में टिप्पणियों का ठीकरा कांग्रेस ने स्मृति ईरानी पर फोड़ा

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश, पवन खेड़ा और नेट्टा डीसूजा ने गोवा रेस्टोरेंट मामले में अपनी टिप्पणियों का ठीकरा केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और उनके परिवार पर ही फोड़ दिया है। इन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया है कि गोवा रेस्टोरेंट मामले में टिप्पणियां उन्होंने ईरानी और उनके परिवार द्वारा इस रेस्टोरेंट के कथित स्वामित्व या इससे संपर्क होने के बारे में समय-समय पर की गई स्वीकारोक्ति के आधार पर की थी। ईरानी ने हाईकोर्ट में इन नेताओं पर स्वयं और बेटी के खिलाफ झूठे और आधारहीन आरोप लगाने के आरोप में मानहानि का मामला दायर कर रखा है। इस बारे में हाईकोर्ट द्वारा जारी नोटिस के जवाब में तीनों नेताओं ने साझा लिखित बयान में दावा किया कि उन्होंने जनहित में 'निष्पक्ष टिप्पणी' की थी और विपक्ष की यह नैतिक और सांविधानिक जिम्मेदारी है कि वह सरकार को जवाबदेह बनाए।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ईरानी की याचिका कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है और मंत्री जानबूझकर कोर्ट के सामने मनगढंत तथ्य रख रही हैं। नेताओं ने कहा कि उन्होंने जो भी आरोप लगाए वह वादी(ईरानी) और उनके परिवार द्वारा रेस्टोरेंट के स्वामित्व या उससे संपर्क होने के बारे में समय-समय पर की गई स्वीकारोक्ति के आधार थे। बयान के अनुसार, ये स्वीकारोक्ति महीनों से सार्वजनिक मंचों पर उपलब्ध थी और वादी यदि निर्दोष थी तो उन्होंने इसे सही करने के लिए कभी कोई कदम नहीं उठाया।

राज बब्बर ने की पीएम मोदी की नीति की तारीफ तो भड़के कांग्रेस नेता

कहा- जो डर गया समझो मर गया

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में महंगाई के खिलाफ रविवार को हल्ला बोल रैली किया। इस दौरान राहुल गांधी के नेतृत्व में राज्य भर से नेता जुटे। वहीं कांग्रेस की इस मुहिम को पार्टी के वरिष्ठ नेता राज बब्बर ने एक ट्वीट करके पलीता लगाते का काम किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई 'जनधन योजना' की तारीफ में ट्वीट किया, जिस पर कई कांग्रेसी नेता भड़क गए। यूपी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू से सवाल किया तो उन्होंने कहा कि जो डर गया, वो समझो मर गया। अजय कुमार लल्लू ने कहा, 'देश में महंगाई चरम पर है। आटा-तेल हर वस्तु पर जीएसटी लग गई है। यहां तक कि व्यक्ति को टॉयलेट यूज करने पर भी टैक्स देना पड़ रहा है। ऐसे में जो केंद्र सरकार की नीतियों का समर्थन कर रहा है, वह समझ लो डर गया और जो डर गया वह समझो मर गया।'

राज बब्बर का ट्वीट

लल्लू ने इसके साथ ही कहा कि इस समय लोगों को आमजन के साथ खड़े होने की जरूरत है। केंद्र सरकार के खिलाफ, उनकी नीतियों के खिलाफ मोर्चा खोलने की जरूरत है।

गुलाम नबी आजाद पर जवाब देने से बनाई दूरी

वहीं कांग्रेस के मीडिया सेल के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि हल्ला बोल रैली से भाजपा घबराई हुई है। उन्होंने कहा, 'अमूमन रैली के बाद प्रतिक्रिया आती है, लेकिन बीजेपी 24 घंटे पहले प्रेस कांफ्रेंस कर लोगों का ध्यान भटका रही है। राहुल गांधी के नेतृत्व में रामलीला मैदान पूरा भर गया।' वहीं गुलाम नबी आजाद की जम्मू रैली को लेकर सवाल को पवन खेड़ा ने टाल दिया। उन्होंने कहा अब वह कांग्रेस में नहीं हैं।

यात्रा से पहले हल्ला बोल

कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा से पहले रविवार को दिल्ली में शक्ति प्रदर्शन किया है। यहां के रामलीला मैदान में महंगाई पर 'हल्ला बोल' रैली आयोजित की गई है, जिसमें देशभर से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बुलाया गया है। रैली में भीड़ को देखते हुए पुलिस ने भी खास इंतजाम किए हैं।

इसरो ने नई तकनीक का किया प्रदर्शन

मंगल और शुक्र मिशन के लिए काफी अहम

बेंगलुरू, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 'इन्फ्लेटेबल एरोडायनामिक डिसेलेरेटर' (आईएडी) की एक ऐसी नई तकनीक का शनिवार को सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया, जो मंगल और शुक्र सहित भविष्य के कई मिशन में उपयोगी साबित हो सकती है। इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) द्वारा बनाए और विकसित किए एक आईएडी का 'थुंबा इक्वेटोरियल रॉकेट प्रक्षेपण केंद्र' (टीईआरएलएस) से 'रोहिणी' परिज्ञापन रॉकेट से सफलतापूर्वक प्रायोगिक प्रक्षेपण किया गया। इसरो के अनुसार, आईएडी को शुरू में मोड़ा गया और रॉकेट के पेलोड बे के अंदर रखा गया। उसने बताया कि लगभग 84 किलोमीटर की ऊंचाई पर आईएडी को फुलाया गया था और यह रॉकेट के पेलोड हिस्से के साथ वायुमंडल में नीचे उतरा। उसने बताया कि इसे फुलाने की प्रणाली इसरो के तरल प्रणोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी) ने विकसित की है।

कई अहम मिशनों में हो सकता है इस्तेमाल

आईएडी ने वायुगतिकीय कर्षण के माध्यम से पेलोड के वेग को व्यवस्थित रूप से कम कर दिया और यह अपने अनुमानित मार्ग पर चला। अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा, 'आईएडी में रॉकेट के खर्च चरणों की वसूली समेत अंतरिक्ष क्षेत्र में कई प्रकार से इस्तेमाल किए जाने की अपार संभावना है। इसे मंगल या शुक्र पर पेलोड उतारने और मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए अंतरिक्ष पर ठिकाना बनाने के क्षेत्र में इस्तेमाल किए जाने की काफी संभावनाएं हैं।'

'रोहिंग्या प्रवासी बांग्लादेश पर बड़ा बोझ'

पीएम शेख हसीना बोलीं- भारत ही कर सकता है समाधान

ढाका, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने रोहिंग्या प्रवासियों को देश पर एक "बड़ा बोझ" बताया है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि इस मुद्दे पर हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय से लगातार बात कर रहे हैं ताकि रोहिंग्या प्रवासियों की वतन वापसी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि भारत इस मुद्दे को हल करने में एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है। एएनआई के साथ बातचीत में बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने स्वीकार किया कि बांग्लादेश में लाखों रोहिंग्याओं की मौजूदगी ने उनके शासन के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी थीं। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि, रोहिंग्या प्रवासियों की मौजूदगी हमारे लिए एक बड़ा बोझ है। चूंकि भारत एक बड़ा देश है इसलिए वहां उन्हें समायोजित किया जा सकता है। लेकिन हमारे देश में 11 लाख रोहिंग्या हैं। हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय और अपने पड़ोसी देशों के साथ भी विचार-विमर्श कर रहे हैं, उन्हें भी कुछ कदम उठाने चाहिए ताकि वे घर वापस जा सकें। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने मानवीय पहलू को ध्यान में रखते हुए विस्थापित समुदाय की देखभाल करने की कोशिश की है। मानवीय आधार पर हम उन्हें आश्रय देते हैं और सब कुछ प्रदान करते हैं लेकिन इस कोरोना महामारी के दौरान, हमने सभी रोहिंग्या समुदाय का टीकाकरण किया।

'रोहिंग्या प्रवासियों को स्वदेश लौटना चाहिए'

पीएम शेख हसीना ने कहा कि, रोहिंग्या प्रवासी कब तक यहां रहेंगे? वे शिविरों में रह रहे हैं। कुछ लोग नशीले पदार्थों की तस्करी या कुछ हथियारों के टकराव, महिला तस्करी में लिप्त हैं और ये घटनाएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इसलिए जितनी जल्दी वे स्वदेश लौटते हैं यह हमारे देश के लिए और म्यांमार के लिए भी अच्छा है। पीएम शेख हसीना ने कहा कि, इसलिए हम उन्हें स्वदेश भेजने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं। हम उनके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय, जैसे आसियान या यूएनओ और अन्य देशों के साथ चर्चा कर रहे हैं। बांग्लादेश की प्रधान मंत्री ने कहा कि उनके देश ने रोहिंग्याओं को शरण देने की पेशकश की थी जब वे कई तरह की परेशानियों का सामना कर रहे थे। लेकिन अब उन्हें अपने देश वापस जाना चाहिए। मुझे लगता है कि भारत एक पड़ोसी देश के रूप में इसमें एक बड़ी भूमिका निभा सकता है।

यात्री के पेट में मिले कोकीन के 87 कैप्सूल, तीन दिन में उगला

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई एयरपोर्ट पर कोकीन तस्करी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां, घाना से एयरपोर्ट पहुंचे एक यात्री के पेट में कोकीन के 87 कैप्सूल मिले हैं। यात्री भारत में कोकीन की तस्करी करने की कोशिश कर रहा था। कोकीन की कीमत करोड़ों रुपए बताई गई है। एयरपोर्ट पर जांच अधिकारियों को चकमा देने के लिए उसने कोकीन की 87 कैप्सूल को अपने पेट में छिपाकर कर रखा था। शुरुआती जांच में सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने संदेह होने पर जब अस्पताल में जांच करवाई तो यात्री की पोल खुल गई।

कोकीन की कीमत करोड़ों में

सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि यात्री के पास से बरामद 1300 ग्राम कोकीन की कीमत 13 करोड़ रुपए है। घटना 28 अगस्त की है, जब मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पर, यात्री पर संदेह होने के बाद उसे रोका गया और उसे एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया। मुंबई कस्टम्स-3 के ट्विटर हैंडल से किए गए एक ट्वीट में कहा गया है है कि यात्री घाना से मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचा और संदेह होने पर उसे सीमा शुल्क अधिकारियों ने रोका।

कैप्सूल को उगलने में लगे तीन दिन

तलाशी के दौरान, अधिकारियों को उसके सामान से कुछ नहीं मिला, लेकिन जांच में पता चला कि उसके पेट में 87 कैप्सूल हैं, जिनमें कोकीन छिपाकर लाई गई है। आरोपी को एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने तीन दिनों में ये कैप्सूल उगले। सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि यात्री को मादक पदार्थ रोधी कानून के तहत गिरफ्तार किया गया और मामले की जांच जारी है।

यदि भांग के पौधे के शीर्ष पर फूल या फल न हो तो

इसे गांजा नहीं माना जा सकता-मुंबई हाईकोर्ट का फैसला

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बंबई उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि यदि भांग का पौधा बिना फूल का है या शीर्ष पर फल नहीं रहा है तो इसे गांजा की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। इसी आधार पर बंबई हाईकोर्ट ने मादक पदार्थ की व्यावसायिक मात्रा रखने के आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तारी से पहले जमानत दे दी।

फैसले में कहा गया कि शीर्ष पर बिना फूल या फल के जब्त भांग का पौधा 'गांजा' के दायरे में नहीं आता है। न्यायमूर्ति भारती डांगरे की एकल पीठ ने 29 अगस्त को पारित आदेश में यह भी कहा कि आरोपी के आवास से नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा जब्त किए गए पदार्थ और रासायनिक विश्लेषण के लिए एनसीबी द्वारा भेजे गए नमूने में भी अंतर है। दरअसल, हाईकोर्ट कुणाल कादू द्वारा दायर गिरफ्तारी से बचने के लिए जमानत की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कुणाल के खिलाफ एनसीबी ने नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थों के तहत अपराधों के लिए विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था और इसमें उसपर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई थी। एनसीबी ने अप्रैल 2021 में कादू के घर से तीन पैकेट में हरे पत्तेदार पदार्थ बरामद किया था जिसका वजन 48 किलो था। एनसीबी ने आरोप लगाया था कि यह हरे पत्तेदार पदार्थ गांजा है और कुणाल के घर से बरामद 48 किलोग्राम पदार्थ व्यावसायिक मात्रा के दायरे में आता है। न्यायमूर्ति डांगरे ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत गांजा की परिभाषा को स्पष्ट करते हुए कहा, "गांजा भांग के पौधे के शीर्ष पर फूल या फलने वाला पदार्थ है और जब फूल या फलने वाले पदार्थ शीर्ष पर नहीं होते हैं तो पौधे के बीज और पत्तियों को इस दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह निहित है कि यदि बीज और पत्ते शीर्ष पर एक साथ फल या फूल रहे हैं तो यह गांजा है लेकिन जब बीज और पत्ते एक साथ नहीं फलते तो इसे गांजा नहीं माना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि वर्तमान केस में एनसीबी ने कहा है कि उसने आरोपी के घर से हरे पत्तेदार पदार्थ को बरामद किया है और इसमें पौधे के शीर्ष पर फूल और फलने का जिक्र नहीं है।

टीएमसी सांसद का विवादित बयान

अगर ममता बनर्जी को 'चोरों की रानी' कहा, तो पीठ पर घूंसा खाने के लिए तैयार रहो

कोलकाता, 4 सितंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस सांसद सौगत रॉय ने एक बार फिर से विवादित बयान दिया है। उन्होंने विपक्षी नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा है कि वे पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी के खिलाफ अस्वीकार्य भाषा का इस्तेमाल बंद कर दें। इसके बावजूद अगर वे ऐसा करते हैं तो उन्हें टीएमसी कार्यकर्ताओं के गुस्से का शिकार होना पड़ेगा। उत्तरी कोलकाता में एक बैठक को संबोधित करते हुए टीएमसी सांसद ने कहा, विपक्षी दल भाजपा, कांग्रेस और माकपा अगर पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी को निशाना बनाती हैं, तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

राइफल और 30 कारतूस के साथ सीआईएसएफ गार्ड लापता

तारापुर परमाणु ऊर्जा स्टेशन में था तैनात

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के तारापुर परमाणु ऊर्जा स्टेशन पर तैनात विमानन सीआईएसएफ गार्ड लापता हो गया है। वह अपनी राइफल और 30 कारतूस के साथ लापता हुआ है। तारापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाशी के लिए टीम गठित कर दी गई है। अधिकारी ने बताया लापता जवान की तलाश शुरू कर दी है। उसकी उम्र 35 साल थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जवान की पहचान मनोज यादव के तौर पर हुई है। उसके लापता होने को लेकर पालघर थाने में गुमशुदगी शिकायत दर्ज कराई गई। उन्होंने कहा कि कॉलोनी में यादव अकेले रहते थे और अन्य कर्मियों को लगा कि कुछ समय बाद वह लौट आएंगे, लेकिन वहीं नहीं लौटे। उन्होंने कहा कि इस विषय की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई और पुलिस व केंद्रीय एजेंसियां यादव की तलाश कर रही हैं।

सीआईएसएफ जवान की तालाब में डूबने से मौत

दूसरी तरफ, मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में सीआईएसएफ के एक जवान किरनताल की तालाब में डूब जाने से मौत हो गई। जवान तालाब के समीप अपने साथियों के साथ पिकनिक मनाने गया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जिला मुख्यालय से लगे हुए किरनताल गांव में स्थित तालाब में यह हादसा हुआ। सीआईएसएफ का जवान जितेंद्र कुमार जाट अपने साथियों सहित पिकनिक मनाने गया था और तालाब में नहाने के दौरान गहरे पानी में डूब जाने के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद उसका शव निकाला। मृतक सीआईएसएफ जवान स्थानीय उमरिया कोल मांइस में सुरक्षा गार्ड के पद पर पदस्थ था।

सुविचार: क्रोध से बदले की भावना बढती है और भयंकर परिणाम होते हैं।

रक्तदान एक महत् कार्य : राज्यपाल

ब्लड बैंक द्वारा लोगों की जान बचाने के लिए मेगास्टार चिरंजीवी की सराहना की

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने आज कहा कि रक्तदान कोई छोटा काम नहीं बल्कि नेक काम है। एक हाउस सर्जन के रूप में अपने दिनों को याद करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने परिवार के सदस्यों को देखा है, जो अपने प्रियजनों की जान बचाने के लिए रक्तदान करने के लिए आगे नहीं आए। उन्होंने राजभवन में मेगास्टार चिरंजीवी के स्वामित्व वाले चिरंजीवी ब्लड बैंक की ओर से 50 से अधिक बार रक्तदान करने वाले सभी लोगों को 'चिरू भद्रथ' जीवन बीमा कार्ड वितरित करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग रक्तदान करते हैं, उनके शरीर में ताजा रक्त प्राप्त होता है। उन्होंने अपने ब्लड बैंक की ओर से इतने लोगों की जान बचाने के लिए मेगास्टार चिरंजीवी की सेवाओं की सराहना की। यह देखते हुए कि, वे राजभवन की ओर से कई रक्तदान शिविर भी लगा रहे हैं, उन्होंने कहा कि उन्होंने उन लोगों तक पहुंचने के लिए एक ऐप विकसित किया है, जिन्हें रक्त की आवश्यकता है। उन्होंने मेगास्टार चिरंजीवी से उनके ऐप का हिस्सा बनने और उनके ब्लड बैंक की सेवाओं का विस्तार करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, चिरंजीवी ने कहा कि उन्होंने वर्ष 1998 में रक्त की कमी के कारण कई लोगों की मृत्यु को देखने के बाद अपना ब्लड बैंक स्थापित किया। यह देखते हुए कि उनके कई प्रशंसक हैं, जो उनके लिए कुछ भी कर सकते हैं, उन्होंने कहा कि उन्होंने सेट किया। अपने ब्लड बैंक को जरूरतमंद लोगों के साथ अपने प्रशंसकों के प्यार को साझा करने के लिए। उन्होंने कहा कि उनके ब्लड बैंक में लगभग 2,000 से 3000 लोग अपना रक्त अक्सर दान करते हैं और उन्होंने कहा कि वह उन रक्तदाताओं की मदद करने के लिए जीवन बीमा योजना लेकर आए हैं।

उन्होंने खुलासा किया कि वह जल्द ही एक अस्पताल का निर्माण करेंगे और उन्होंने कहा कि उन्होंने अब तक दाताओं से 9.3 लाख यूनिट रक्त एकत्र किया है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा एकत्र किए गए कुल रक्त में से 70 प्रतिशत गरीब और जरूरतमंद लोगों को दिया गया, जबकि शेष 30 प्रतिशत निजी अस्पतालों को दिया गया।

एससीसीएल लिखित परीक्षा के लिए 77,907 उम्मीदवार उपस्थित हुए

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) द्वारा रविवार को राज्य के आठ जिलों में जूनियर सहायक के 177 रिक्त पदों को भरने के लिए आयोजित लिखित परीक्षा में 77,907 उम्मीदवारों ने भाग लिया।

एससीसीएल के निदेशक (कार्मिक) एस. चंद्रशेखर ने कहा कि हॉल टिकट डाउनलोड करने वाले कुल 90,928 उम्मीदवारों में से 77,906 उम्मीदवारों ने 79 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की। उन्होंने कहा कि मंचेरियल जिले में सबसे अधिक 89 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई, जबकि सबसे कम 64 प्रतिशत उपस्थिति आदिलाबाद जिले में दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि लिखित परीक्षा की कुंजी सोमवार को जारी की जाएगी और इसे एससीसीएल की वेबसाइट https://scclmines.com/ पर उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और उनकी पत्नी शोभा ने रविवार को प्रगति भवन में आयोजित गणेश पूजा और होम में भाग लिया।

श्री वीर तेजाजी नम: श्री गणेशाय नम: श्री महादेवाय नम:
जाट समाज वीर तेजाजी नवयुवक मंडल के तत्वावधान मे
वीर तेजाजी महाराज का भव्य जागरण
आज भादवा सुदी दशम सोमवार 5 सितम्बर रात्रि 9.15 बजे से
: शुभस्थल : वीर तेजाजी मंदिर, डॉलफिन होटल के पीछे, भोनगिरी
सायं 7 बजे से भोजन-प्रसादी
: निवेदन :
समाज बन्धुओ व भक्तो से निवेदन है समयपर पधारकर दर्शन, भजनो व महाप्रसादी का लाभ लेवे
: भजन गायकार : सम्पत दाधिच
जाट समाज बन्धुओं से निवेदन है कल दि.06.09.2022 को अपने प्रतिष्ठान बंद रख, सपरिवार पधारकर पूजा-अर्चना, प्रात: 11.30 बजे से आयोजित महाप्रसादी का लाभ लेवे।
निवेदक: जाट समाज वीर तेजाजी नवयुवक मंडल के सदस्यगण
कोषाध्यक्ष- धर्माराम कड़वा 9246287586 सहकोषाध्यक्ष- रामनिवास पिचकिया 7627054910
P.Solankey

कैब चालक पर हमला, धार्मिक नारे लगाने को कहा

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक कैब चालक पर कुछ लोगों के समूह ने कथित रूप से हमला किया और दूसरे समुदाय से जुड़े धार्मिक नारे लगाने को कहा। चंद्रयणगुट्टा के लतीफुद्दीन ने पुलिस को बताया कि वह नरसिंगी के अलकापुरी में एक यात्री को लेने आया था, जब तीन मोटरसाइकिलों पर सवार छह लोगों ने कथित तौर पर उसका पीछा किया और उसे पकड़ लिया। मुझे कार से बाहर खींचकर, उन्होंने मुझ पर हमला किया और मुझे अपने धर्म के नारे लगाने के लिए कहा। मैं कार को पीछे छोड़कर मौके से भाग गया। मेरे वाहन को उन्होंने बड़े-बड़े पत्थरों से क्षतिग्रस्त कर दिया।

लतीफुद्दीन ने रविवार दोपहर एमबीटी पार्टी के प्रवक्ता अमजेदुल्ला खान के साथ नरसिंगी थाने में संपर्क किया और लिखित शिकायत की। नरसिंगी पुलिस ने कहा कि पुलिस को सुबह करीब 4.23 बजे डायल 100 से सूचना मिली और एक टीम ने तुरंत मामले की जांच की, शिकायत की और मामला दर्ज किया गया।

एनकेएस यूथ एसोसिएशन हैदराबाद द्वारा महाप्रसाद का आयोजन

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनकेएस यूथ एसोसिएशन हैदराबाद द्वारा ऑटोनगर में भगवान गणेश जी महाराज का महाप्रसाद का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सर्व प्रथम गणेश जी की पूजा-अर्चना पंडित मोहित त्रिपाठी द्वारा की गई। एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरजीत सिंह ने पूजा-अर्चना की गई। उसके बाद एलबी नगर विधायक डी.सुधीर रेड्डी और पी. ईश्वरम्मा, अध्यक्ष कर्मनघाट हनुमान मंदिर के. सत्यनारायण, वनस्थलीपुरम पुलिस स्टेशन के सीआई कृष्ण यादव, डी. श्रवण कुमार, कांग्रेस नेता एनके सिंह, मनोहर सिंह, बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य प्रबंधक विनय कुमार, नंद किशोर सिंह, भरत लाल मानसिंह, आदित्य सिंह, सूरज सिंह, एच. श्रीनिवास राव, वीसी दुबे, जीजी तिवारी, एनके अग्रवाल, एसएस यादव, संदीप कुमार दीपावली, सुनील सोलंकी, वेंकट रत्नम, राजशेखर शर्मा, निखिल कुमार, प्रशांत, सभी ने भगवान गणेश जी की पूजा अर्चना की। सभी अथितियों का स्वागत किया गया।

श्री गणेशाय नम:
एक शाम श्री बाबा रामदेवजी महाराज के नाम जागरण
(कलश यात्रा एवं होम पूजन)
: शुभस्थल : परम् पूज्य संत श्री सुधांसुजी महाराज अमृत धाम आश्रम नारसिंगी हैदराबाद
: कार्यक्रम :
आज भादवा सुदी दशम सोमवार 5 सितम्बर
भजन संध्या - रात्रि 9.15 बजे से
महाप्रसादी - सायं 7.15 बजे से रात्रि 11.30 बजे तक
कल भादवा सुदी ग्यारस मंगलवार 6 सितम्बर
कलश-यात्रा - प्रात: 7.15 बजे से 9.15 बजे तक
होम-पूजन प्रात: 10.15 बजे से मध्यान् 1.15 बजे तक
महाप्रसादी प्रात: 11.15 बजे से मध्यान् 2.15 बजे तक
छत्तीस कोम समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन है समयपर सपरिवार पधारकर दर्शन, भजनों, महाप्रसादी व कार्यक्रम का लाभ लेवे
:आयोजक: श्री मेघवाल समाज तेलंगाना
9963700495, 7730930538, 8758920654, 9010728274, 9928803844
P.Solankey

श्री उज्जैनी महाकाली फ्रेंड्स एसोसिएशन द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में भाग लेते हुए रामदेव बाबा मित्र मंडल के अध्यक्ष गज्जूभाई कोलरीया, आयोजक डी.उमाशंकर, टी. संतोष, आनंद ओझा, बी.संतोष, ललित देवे, एस. गौरीशंकर, जगदीश उपाध्याय, सुनील कुमार, पी. शिवकुमार।

केबीआर पार्क में आयोजित गणेश पूजा में भाग लेते हुए अग्रवाल समाज के राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, विठ्ठलदास, रामू अग्रवाल, समाजसेवी गोपाल बलदेवा, राहुल सिंघल, डॉ. बी. सत्यनारायण, पी. रविंदर राव, पी अशोक, माया गुप्ता व अन्य।

अग्रवाल समाज लकड़ी का पुल शाखा द्वारा सावन की सैर संपन्न

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज लकड़ी का पुल शाखा द्वारा सावन की सैर का आयोजन ट्रांसग्रीन फील्ड्स रिसॉर्ट्स, मोइनाबाद में किया गया।

सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेनजी की पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसमें चेयरमैन विजय कुमार अग्रवाल, शाखा पदाधिकारी जयकुमार अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, अर्जुनलाल अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य रमेश कुमार अग्रवाल, सुनील कुमार अग्रवाल एवं शाखा के सदस्य कमलचंद अग्रवाल, मुकेशचंद मोदी, मुकेश अग्रवाल और उनके पारिवारिक सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

केंद्र सरकार द्वारा हैदराबाद लिबरेशन डे मनाने का फैसला स्वागतयोग्य : पंकज अग्रवाल

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अशोक फाउंडेशन संस्थापक पंकज कुमार अग्रवाल ने आजादी के एक साल बाद मुस्लिम शासक निज़ाम मीर उस्मान अली खान की हैदराबाद रियासत भारत देश में विलय की याद में तेलंगाना में भव्यता के साथ हैदराबाद लिबरेशन डे मनाने के फेसले को स्वागतयोग्य बताया।

भारत को आजादी 15 अगस्त 1947 को मिली, परंतु तब भी हैदराबाद रियासत निजाम के सत्ताधीन थी। लगभग एक साल बाद 17 सितंबर 1948 को लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा (तेलंगाना, महाराष्ट्र, कर्नाटक) को ऑपरेशन पोलो (सैन्य कार्यवाही) के माध्यम से मुस्लिम शासक निज़ाम मीर उस्मान अली खान से हैदराबाद कि जनता को मुक्ति दिलवा कर हैदराबाद को भारत में विलय करवाया था। हैदराबाद लिबरेशन डे के उपलक्ष्य में केन्द्र सरकार 75वें मुक्ति दिवस को जोर शोर से मनाने का फेसला स्वागतयोग्य बताते हुए पंकज कुमार अग्रवाल ने कहा कि हैदराबाद की मुक्ति के लिए अपना जीवन बलिदान करने वालों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

गोविन्द राठी 50वां रामायण मेला का प्रधान संयोजक मनोनीत

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज के महामंत्री एवं सामाजिक भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता गोविन्द राठी को पुनः 50वां रामायण मेला का प्रधान संयोजक राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल ने सर्वसम्मति से मनोनीत किया। कमल नारायण अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार गोविन्द राठी को प्रधान संयोजकत्व में विगत कई वर्षों से रामायण मेला की सफलता व्यापक और विगत में उत्तरोतर अभी वृद्धि हो रही है। सितंबर 26 से अक्टूबर 5 तक नुमाईश मैदान में राजस्थानी प्रगति समाज एवं एक्जिबिशन सोसाईटी द्वारा आयोजित होने वाले 50वां रामायण मेला का दायित्व श्री राठी को सौंपा गया। गोविन्द राठी ने राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष, एक कार्यकरणी समिति के सदस्य एवं रामायण मेला के पदाधिकारी एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वे पूर्ण निष्टा के साथ साथियों सहित 50वां रामायण मेला को अभुतपूर्ण बनाने का प्रयास करेंगे। गोविन्द राठी ने आगे कहा कि रामायण मेला की अगली बैठक में अलग अलग समितियों का गठन किया जाएगा।

।।जय बाबा री।। ।।श्री गणेशायनम:।। जय बाबा री।।
श्री बाबा रामदेव नवयुवक मित्र मण्डल अलवाल के तत्वावधान मे
एक शाम श्री बाबा रामदेवजी के नाम
विशाल जागरण
: शुभस्थल : श्री बाबा रामदेव मन्दिर मच्छा बोलारम
: मुख्यअतिथि : श्री टीलसिंहजी रावत अध्यक्ष रावत राजपूत समाज
-----: कार्यक्रम :-----
आज, 5 सितम्बर 2022 सोमवार
भादवा सुदी दशमी
सायं 5.15 बजे से महाप्रसादी
सायं 6.15 बजे से जागरण
YouTube LIVE SRS Rajasthani
-----: भजन गायकार : ----- सतीश मालिया अमित नागौरी
: निवेदन : बाबा रामदेवजी के भक्तों से निवेदन है कि कार्यक्रम में सपरिवार पधारकर बाबा रामदेवजी की दशमी पर दर्शन, भजनों व महाप्रसादी का लाभ लेवे।
---------- : निवेदक : ----------
श्री बाबा रामदेव नवयुवक मित्र मण्डल अलवाल के समस्त सदस्यगण
9989446571, 9440562127, 9948509611, 9849822031, 9948406506, 9848593735, 9491417851, 9908185995, 9652127551, 9963775264, 9440340651
P.Solankey

शिवपाल के भाजपा में आने के सवाल पर केशव बोले

वैकेंसी या नो वैकेंसी जैसी कोई बात नहीं, अगर इच्छा जताएंगे तो पार्टी विचार करेगी

प्रयागराज, 4 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने शिवपाल यादव और ओमप्रकाश राजभर को लेकर बड़ा बयान दिया है। प्रयागराज में इन दोनों नेताओं के भाजपा में शामिल होने से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा, पार्टी में वैकेंसी या नो वैकेंसी का कोई सवाल नहीं है। अगर वह इच्छा जताएंगे तो पार्टी उस पर विचार करेगी। पार्टी आलाकमान यह तय करेगा कि जो लोग बीजेपी में आना चाहते हैं, उन्हें लिया जाए या नहीं। फिलहाल, अभी शिवपाल ने भाजपा में आने की बात नहीं कही है।

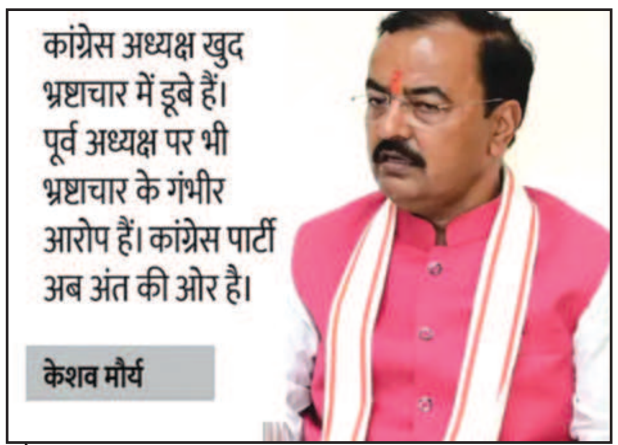

खबर में आगे बढ़ने से पहले पोल में हिस्सा ले सकते हैं

दरअसल, विधानसभा चुनाव के बाद से शिवपाल और राजभर सपा प्रमुख अखिलेश यादव से नाराज हैं। दोनों नेता लगातार अखिलेश के विरोध में बयान दे रहे हैं। यहां तक की अखिलेश ने चिट्ठी लिखकर चाचा शिवपाल और राजभर को पार्टी छोड़ देने की बात कह दी थी।

कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं

डिप्टी सीएम ने महंगाई के खिलाफ होने वाले कांग्रेस की हल्ला बोल रैली पर भी पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खुद भ्रष्टाचार में डूबे हैं। पूर्व अध्यक्ष पर भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस पार्टी अब अंत की ओर है। कांग्रेस का अब कोई भविष्य नहीं है। कांग्रेस ने देश को नुकसान पहुंचाने का काम किया है।

उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस धीरे-धीरे खत्म होने की ओर है। कांग्रेस की रैली करने से बीजेपी सरकार पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। कांग्रेस में इन दिनों भगदड़ मची हुई है। भ्रष्टाचार ने इस देश को खोखला करने का काम किया है। कांग्रेस भ्रष्टाचार की जनक रही है।

निजी मदरसों का सर्वे सुरक्षा के लिए जरूरी

केशव ने आगे कहा कि निजी मदरसों का सर्वे इसलिए किया जा रहा है, ताकि किसी गलत हरकत का पता चल सके। नीति बनाकर मदरसों का आधुनिकीकरण किया जा सके। मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों को अच्छा डॉक्टर-इंजीनियर बनाया जा सके। मदरसों में कमियों को दूर किया जा सके।

ओवैसी मुसलमानों को गुमराह कर रहे हैं

असदुद्दीन अवैसी के सवाल पर डिप्टी सीएम ने कि वह मुसलमानों की बेहतरी नहीं देख सकते। सरकार सब को आगे बढ़ाना चाहती है। इसी वजह से मदरसों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। ओवैसी को मुसलमानों की भलाई से कोई मतलब नहीं है। वह सिर्फ मुसलमानों को भड़काने का काम करते हैं। उनका वोट हासिल करने का काम करते हैं। उन्होंने न तो हैदराबाद के मुसलमानों के लिए कुछ किया है और न ही देश में कुछ किया है।

अखिलेश ने पिता की कुर्सी छीनी चाचा की बेइज्जती की

केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर बोले–विपक्ष के पास केवल नेता, 80% जनता मोदी के साथ

लखनऊ, 4 सितंबर (एजेंसियां)। अखिलेश यादव ने पिता मुलायम की कुर्सी छीनी। 2022 के विधानसभा चुनाव में चाचा शिवपाल की बेइज्जती की। सिर्फ 1 सीट दी। चुनाव में हार मिलने के बाद चाचा को पार्टी से अलग करने के लिए लेटर तक लिख दिया। ये कहना है मोदी सरकार में शहरी कार्य राज्यमंत्री कौशल किशोर का।

उन्होंने कहा, 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष के साथ सिर्फ नेता हैं। 80% जनता मोदी को पीएम बनते हुए देखना चाहती है। उन्होंने योगी सरकार के लिए कहा कि आप देखिए, यूपी में हथियार बनाने की पहल योगी ने की। हमारे नशा मुक्ति अभियान को आगे बढ़ाते हुए मादक पदार्थ के खिलाफ बड़ा अभियान यूपी में चल रहा है।

सीएम योगी का यह फैसला बहुत सराहनीय है। यह देश का पहला ऐसा राज्य होगा, SCR बना रहा है। इससे लखनऊ के

अगल-बगल के जिले में विकास और तेजी से होगा। हर व्यक्ति चाहता है कि यूपी की राजधानी में उसका घर हो। तभी राजधानी में कॉर्पोरेट घराने की कंपनियां भी आएंगी। रही बात सफल होने की। तो इसमें कोई संदेह नहीं है। जिस तरीके से दिल्ली NCR बनने के बाद लोग बसना शुरू हुए थे। वैसे ही यूपी में भी लोग बसेंगे। इससे बाराबंकी, हरदोई, उन्नाव जैसे जिलों में भी सुविधाएं बढ़ेंगी।

मैंने अपना बेटा खोया है। इसके बाद मैंने संकल्प लिया कि पूरे देश में नशा मुक्ति अभियान चलाया जाएगा। नशे की उत्पत्ति सबसे पहले कोलकाता में हुई थी। अंग्रेजों को हम लोगों ने सैकड़ों साल लड़ाई लड़ करके भगा तो दिया। मगर, उनका लाया हुआ नशा आज भी हमारे आसपास मौजूद है। नीतीश कुमार के साथ केवल नेता हैं। 80% जनता मोदी जी के साथ है, क्योंकि उनके साथ मोदी जी लगातार खड़े हैं। सब उनके साथ काम कर रहे हैं। उनको मुफ्त में अनाज दे रहे हैं, घर दे रहे हैं। जब RJD का साथ छोड़कर नीतीश ने भाजपा के साथ सरकार बनाई थी। तब लालू यादव ने कहा था कि पलटू राम हैं। वह पलटू राम कैसे पलटा नहीं खाते। 2024 में मोदी की सरकार बनेगी। यूपी में हम लोग 75 से ज्यादा सीटें जीतेंगे।

पहले अखिलेश यादव ने पिता मुलायम की कुर्सी छीनी। फिर 2022 के चुनाव में चाचा शिवपाल की बेइज्जती करके पार्टी से अलग किया। शिवपाल यादव 2024 में खुद को अलग मान रहे हैं। इसलिए वह यदुकुल जन जागरण अभियान निकाल रहे हैं। मगर, जिस तरीके से केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार लगातार सबके लिए काम कर रहे हैं। उससे सबसे ज्यादा प्रभावित यादव भाजपा के साथ हैं। 2014 के चुनाव से लेकर अब तक के चुनावों में 92% ओबीसी, 90% दलित समाज के लोगों ने भाजपा को वोट दिया।

गाजियाबाद में एक करोड़ की अफीम जब्त

5 तस्कर गिरफ्तार, झारखंड से दिल्ली लाकर 6 राज्यों में सप्लाई करते थे

गाजियाबाद, 4 सितंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद पुलिस ने झारखंड से तस्करी कर लाई गई पांच किलो अफीम बरामद की है। इस मामले में एक महिला सहित पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि अंतरराष्ट्रीय मार्केट में इस अफीम की कीमत एक करोड़ रुपए है।

पकड़े गए आरोपी श्याम बिहारी निवासी अलीगंज बरेली, विनोद गुप्ता निवासी लातेहार झारखंड, गवेंद्र निवासी आंवला बरेली, देवेंद्र निवासी अलापुर बदायूं और एक महिला हैं। इनसे पांच किलो अफीम व तस्करी में इस्तेमाल ईको कार मिली है। गाजियाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने कविनगर थाना क्षेत्र में डायमंड फ्लाईओवर से सभी को गिरफ्तार किया है।

ग्रेजुएट रिक्शेवाला विनोद है गैंग सरगना

एसपी सिटी निपुण अग्रवाल ने बताया, मुख्य अभियुक्त विनोद है। ग्रेजुएट पासआउट विनोद पूर्व में ईरिक्शा चलाता था। ज्यादा आमदनी नहीं होने की वजह से इसने मादक पदार्थों की तस्करी शुरू कर दी। झारखंड स्थित रांची से ये गैंग पूरे उत्तर भारत में अफीम की तस्करी करता है। किसी को शक न हो, इसलिए गैंग में कुछ महिलाएं भी साथ रहती हैं। पूछताछ में आरोपियों ने अफीम की सप्लाई गाजियाबाद, बरेली, अलीगढ़, गाजियाबाद, दिल्ली आदि शहरों में करने की बात कुबूली है।

छह राज्यों में सप्लाई की बात कुबूली

एसपी सिटी ने बताया कि यह गैंग ऑन डिमांड सप्लाई करता है। माल लोड होते ही उसके डिलीवर होने तक पूरे गैंग के मोबाइल बंद रहते हैं, ताकि किसी की लोकेशन ट्रेस न होने पाए। आज ये गैंग दिल्ली तक माल को ट्रेन से लाया और फिर ईको गाड़ी में रखकर इसकी सप्लाई करने बरेली जनपद जा रहा था। ये गिरोह दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान तक अफीम की सप्लाई करता है। एक अन्य आरोपी श्याम बिहारी ने बताया, मैं आठवीं तक पढ़ा हूं और बरेली के फैजुल्लापुर में जूते-चप्पल की दुकान करता हूं।

संजय सिंह बोले- मैं यूपी के 50 बदहाल स्कूल दिखाऊंगा

लखनऊ में कहा– 5 सितंबर से एक हफ्ते सेल्फी विथ स्कूल अभियान चलाएगी आप पार्टी

लखनऊ, 4 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा,₹ अगले पांच सितंबर से 1 सप्ताह तक सेल्फी विद स्कूल अभियान चलाएंगे। यूपी के 50 बदहाल स्कूलों का हाल दिखाएंगे। भाजपा की स्कूल की दशा एमसीडी स्कूल जब देखेंगे तो कई स्कूल भूत का महल बना दिखाई पड़ा।

भाजपा शासित राज्य में तमाम सरकारी स्कूल 25,777 के करीब बंद है। लखनऊ के गोमती नगर कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए संजय सिंह ने कहा, सोनभद्र में छोटे-छोटे बच्चों को मिड डे मील में नमक रोटी दी गई।

कन्नौज में शिकायत करने पर शिक्षक ने बच्चे को मारपीट कर लाल कर दिया

संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा, उत्तर प्रदेश में आज भी स्कूल में भैंस जाकर गोबर करती हैं। सोनभद्र में छोटे-छोटे बच्चों को मिड डे मील में नमक रोटी दी गई। देवरिया का भी यही हाल रहा। कन्नौज में तो शिक्षक ने बच्चे से शिकायत की तो मारपीट कर उसे लाल कर दिया गया। शिक्षा का हाल इतना बेहाल है कि तिमाही परीक्षा होनी है बच्चों को 50% किताब अभी तक नहीं मिली है।

5 सितंबर से एक सप्ताह तक सेल्फी विथ स्कूल अभियान चलाएगी आम आदमी पार्टी

राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने कहा,₹ पार्टी के लोगों से अपील है। जहां मिड डे मील का खाना खराब हो वहां का वीडियो व फोटो पार्टी को भेजिए। आम आदमी पार्टी के द्वारा व्हाट्सएप नंबर 8382928009 पर यह वीडियो फोटो भेजा जा सकता है। 5 सितंबर को 1 हफ्ते तक सेल्फी विथ स्कूल अभियान आम आदमी पार्टी चलाएगी।

पार्टी रिकॉर्ड नेशन का काम देखने वाले दिनेश पटेल का नंबर दिया गया है। 50 स्कूल की बदहाली आम आदमी पार्टी दिखाएगी। यूपी में निकाय चुनाव नवंबर दिसंबर में प्रस्तावित है। पार्टी अपना अभियान चलाकर निकाय चुनाव की चयन समिति बनाई जा रही है।₹

निकाय चुनाव की अध्यक्षता सभाजीत करेंगे

संजय सिंह ने कहा, निकाय चुनाव को लेकर समिति की घोषणा की गई है। इस समिति की अध्यक्षता सभाजीत और सर्वजीत सदस्य करेंगे। प्रत्याशियों के चयन का जिम्मा समिति के अलावा प्रकोष्ठ के प्रवक्ता भी करेंगे।

प्रकोष्ठ के प्रवक्ता के तौर पर नए प्रवक्ता बनाए गए हैं। जिनका नाम विकास शर्मा, मुकेश सिंह, इंद्रजीत सोनकर, सुशील पटेल, प्रिंस सोनी, कीर्ति द्विवेदी भाजपा के स्वप्रेश सोनी जिला संयोजक आम आदमी पार्टी में शामिल हुए है।

बीजेपी के पूर्व विधायक रामनरेश रावत का निधन

लखनऊ, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा के पूर्व विधायक राम नरेश रावत का निधन हो गया। वो काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। उनका इलाज लखनऊ के पीजीआई में चल रहा था। शुक्रवार को लीवर ट्रांसप्लांट कराने के लिए परिजनों के साथ दिल्ली गए थे। वहीं इलाज के दौरान उन्होंने आखिरी सांस ली। पूर्व विधायक राम नरेश रावत मूलत बाराबंकी के राम नगर के रहने वाले थे। वर्तमान में बाराबंकी मुख्यालय पर ही इनका आवास है। साल 2017 में रायबरेली की बछरावां विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी ने इनको टिकट दिया था। कांग्रेस प्रत्याशी साहब शरण को हराकर बछरावां विधानसभा पर पहली बार विधायक बने थे।

'2024 में बीजीपी 50 सीटों पर सिमटेगी'

सीएम बोले– इसी अभियान में लगा हूं; बीजेपी बोली– सीरियसली ना लें

पटना, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में सत्ता से बाहर होने के बाद बीजेपी और जेडीयू लगातार एक-दूसरे पर मुखर हैं। जेडीयू के प्रदेश और राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भी भाजपा का मसला छाया रहा। मुख्यमंत्री से लेकर JDU के राष्ट्रीय अध्यक्ष तक बीजेपी पर ही हमलावर रहे हैं। शनिवार को प्रदेश कार्यकारिणी और राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी रणनीतियों की चर्चा भी हुई तो बीजेपी को लेकर ही हुई। सीएम नीतीश कुमार ने साफ कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 50 सीटों पर सिमट जाएगी, अगर सभी विपक्षी दल मिलकर चुनाव लड़ें। मैं इसी अभियान में लगा हुआ हूं। मुख्यमंत्री के इस बयान को बीजेपी ने हास्यास्पद दावा बताते हुए कहा कि इसे सीरियसली लेने की ज़रुरत नहीं है। वहीं सुशील मोदी ने कहा कि जेडीयू 2 सीटों पर सिमट जाएगा।

बीजेपी की साजिश के कारण घटी सीटें- सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के लोग प्रदेश में सांप्रदायिक एवं सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने का कार्य करेंगे, हम सभी को पंचायत स्तर तक पूरी सावधानी बरतनी है। विधानसभा चुनाव 2020 में भाजपा के षड्यंत्र से हमारी सीटें कम हो गई, मैं स्वंय मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहता था पर उनके आग्रह पर तैयार हो गया। क्योंकि शुरू से ही बिहार का विकास मेरी प्राथमिकता रही है।

साल 2005 में मुझे बिहार की सेवा करने का मौका मिलने के बाद से शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और पानी के साथ हर क्षेत्र में कार्य किए गए हैं। सीएम नीतीश कुमार ने अपने विकास के काम गिनाने के साथ कहा कि हमलोग समाज सुधार अभियान के तहत बाल-विवाह और दहेज-प्रथा के उन्मूलन और नशा-मुक्ति के लिए निरन्तर अभियान चला रहे हैं।

28 साल में भी अपने पैर पर खड़ा नहीं हो पाया जेडीयू- संजय जायसवाल

50 सीट वाले बयान पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने कहा कि जिस पार्टी को 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में 50 सीट भी हासिल नहीं है। दूसरे राज्यों की तो बात छोड़िए पड़ोस के झारखंड में एक भी विधायक नहीं है।

जो पार्टी 28 वर्षों में अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो सकी। 2014 में जब अकेले कोशिश की तो 40 में 36 सीट पर जमानत जब्त हो गई थी। उसके नेता भाजपा जैसी बड़ी राष्ट्रीय पार्टी को 50 सीटों में समेटने का हास्यास्पद दावा कर रहे हैं। इन नेता को अब न सीरियसली लेने की जरूरत है और न जनता ले रही है।

इधर सुशील मोदी ने कहा कि अगले आम चुनाव में जेडीयू 2 सीटों पर सिमट जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार के चुनाव में बीजेपी और पीएम मोदी के कारण उन्हें 16 सीटों पर जीत मिली है। एनडीए से अलग होने पर जदयू के कई नेता- कार्यकर्ता नाराज हैं। विधायक भी दबाव और मजबूरी में नीतीश कुमार के साथ हैं।

वहीं, बैठक में शामिल JDU के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि हमारी पार्टी तीन राज्यों में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल है। अगले साल हम राष्ट्रीय पार्टी बन जाएंगे।

डैम में डूबी 120 साल पुरानी मस्जिद

नवादा में 30 सालों से डूबी थी; पहले सिर्फ दिखता था गुंबद

नवादा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। नवादा में 3 दशक से पानी में डूबी मस्जिद पूरी तरह से दिखने लगी है। 120 साल पुरानी ये मस्जिद डैम में डूबी हुई थी। पानी का स्तर कम होने पर 30 सालों बाद ये पूरी तरह से दिखने लगी है। पहले इसका सिर्फ गुंबद ही दिखाई देता था।

मस्जिद दिखने की खबर सुन विभिन्न इलाकों से मुस्लिम परिवार अपने सगे संबंधित के साथ इस मस्जिद का दीदार करने डैम के किनारे पहुंचने लगे। शनिवार को यह मस्जिद कौतुहल का विषय बना रहा। कई युवा हाथ में चप्पल लेकर कीचड़ में घुसकर मस्जिद के नजदीक देखने पहुंचे। मस्जिद का नजर आना कौतूहल का विषय भले बना हो, लेकिन डैम के घटते पानी ने इलाके के लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

आरजेडी नेता अनिल सहनी की विधायकी जाएगी

एलटीसी घोटाला में पाए गए दोषी, अब राजद के विधायको की संख्या घटकर 78 हो जाएगी

पटना, 4 सितंबर (एजेंसियां)। आरजेडी को एक और धक्का लगा है। मुजफ्फरपुर के कुढ़नी से विधायक अनिल सहनी को सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने एलटीसी घोटाले में शनिवार को 3 साल की सजा सुनाई।बता दें कि इससे पहले मोकामा के विधायक अनंत सिंह को सजा होने के बाद उनकी विधायकी जा चुकी है। राजद कोटे से मंत्री बने अनंत सिंह के खास कार्तिक कुमार को मंत्री पद छोड़ना पड़ा, वे अब फरार चल रहे।

29 अगस्त को दोषी करार

कोर्ट ने सहनी को 29 अगस्त को दोषी करार दिया था। सीबीआई ने बिना किसी यात्रा के भत्ते के भुगतान के लिए जाली ई टिकट और फर्जी बोडिंग पास मामले में दोषी करार दिया था। यह 23.71 लाख की धोखाधड़ी का मामला है। सहनी तब जदयू से राज्य सभा के सदस्य थे। अभी वे राजद के विधायक हैं।

21 अगस्त 2013 को मामला दर्ज

इस एलटीसी घोटाले के मामले में 21 अक्टूबर 2013 को सीबीआई ने मामला दर्ज किया था। उन पर दो लाख रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है। कोर्ट से उन्हें जमानत मिल गई है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार 2 साल से अधिक की सजा होने पर सदस्यता खत्म हो जाती है।

3 सितंबर को दोषसिद्ध

अब आगे बिहार विधान सभा से उन्हें दोषसिद्धि की तिथि 3 सितंबर से विधान सभा की सदस्यता से हटाया जाएगा। बता दें कि अभी राजद के विधायकों की संख्या 79 है। उनको हटाए जाने के बाद यह संख्या घटकर 78 हो जाएगी। हालांकि राजद इसके बाद भी सबसे बड़ी पार्टी राज्य में बनी रहेगी। दूसरी सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के विधायकों की संख्या 76 है। विधान सभा में रिक्त सीट बढ़कर तीन हो जाएगी। भाजपा के सुबाष सिंह के निधन से दूसरी सीट रिक्त हुई है। पहली सीट अनंत सिंह को सजा से रिक्त है। अनिल सहनी अगले छह साल तक चुनाव भी नहीं लड़ पाएंगे।

राजद और जदयू दोनों चुप हैं- प्रेमरंजन पटेल, भाजपा प्रवक्ता

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ने कहा है कि अनिल सहनी जब नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के राज्य सभा सदस्य थे तब यह आरोप लगा था। बिना यात्रा किए यात्रा भत्ता संसद से लेने का आरोप था। सीबीआई ने जांच की है। जदयू ने उन्हें पार्टी से निकाला था लेकिन राजद ने भ्रष्टाचारी को ही लाकर टिकट देकर विधायक बनाया। आज आरोप साबित हो गया फिर भी राजद ने पार्टी से नहीं निकाला है। जदयू और राजद दोनों मिलकर भ्रष्टाचार को छिपाने में लगे हैं। इस मामले में जदयू भी चुप है।

बांका में लगेगा रोजगार मेला, 300 युवक-युवतियों का होगा चयन

10 से लेकर 17 हजार तक की ऑन द स्पॉट मिलेगी नौकरी

बांका, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बांका के बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए अच्छी खबर है। यहां पर रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इसमें युवाओं को ऑन द स्पॉट नौकरी मिलेगी। कई प्राइवेट कंपनियां रोजगार मेले में अपना स्टॉल लगाएगी। 300 से अधिक पदों पर बहाली होगी। 10 हजार रुपए से लेकर 17 हजार रुपए तक की ऑन द स्पॉट नौकरी मिलेगी।<दरअसल, रोजगार पाने हेतु इच्छुक शिक्षित युवक/युवतिओं

10, 12, आईटीआई, डिप्लोमा, बीबीए समेत स्नातक पास पास को निजी कंपनी में नौकरी पाने का सुनहरा अवसर श्रम संसाधन विभाग, बिहार, पटना सरकार द्वारा जॉब कैंप लगाकर प्रदान की जा रही है। सभी उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि जिला नियोजनालय, बांका में दिनांक 9 सितंबर, समय 11:00 बजे पूर्वाहन से 3:00 अपराहन तक नियोजक कंपनी द्वारा अपने अधीनस्थ कुल 300 रिक्त विभिन्न पदों के विरुद्ध नियुक्ति हेतु योग्य उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। उक्त जॉब कैंप में केवल निजी क्षेत्र की कंपनियां रहेंगी। रिक्ति एवं नियुक्ति की शर्तों तथा चयन के मापदंड के लिए नियोजक स्वयः जिम्मेदार होंगे। नियोजनालय मात्र एक सुविधा प्रदाता के रूप में कार्यरत रहेगा। उम्मीदवारों को दो प्रति में अपना बायोडाटा, मार्कशीट की छायाप्रति, आधार कार्ड एवं रंगीन फोटो के साथ आयोजित जॉब कैंप में भाग ले सकते हैं। उक्त जॉब शिविर में कुल 300 पदों पर युवाओं की नियुक्ति की जाएगी। सैलरी 10,500 से 17000 तक दिया जाएगा तथा जॉब का लोकेशन पैन इंडिया नोएडा, हरियाणा, हरिद्वार एवं कोलकाता में हो सकता है।

रोहतास में आरजेडी नेता की गोली मारकर हत्या

सुबह खेत में खाद डलवा रहे थे, अपराधी आए...प्रणाम किया... फिर नजदीक से दाग दी दो गोली

सासाराम, 4 सितंबर (एजेंसियां)। रोहतास में रविवार की सुबह अपराधियों ने एक राजद नेता की गोली मारकर हत्या कर दी। करगहर थाना क्षेत्र के नीम डिहरा गांव में पूर्व प्रखण्ड प्रमुख विजेंद्र यादव को सुबह-सुबह अपराधियों ने गोली मार दी। पूर्व प्रमुख की हत्या की बात क्षेत्र में आग की तरह फैली और मौके पर बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल, सासाराम भेजने की तैयारी में है।

पहले प्रणाम किया, फिर फायरिंग कर दी

स्थानीय लोगों के अनुसार सहदैया नदी के किनारे नीम डिहरा गांव में पूर्व प्रमुख अपने खेत में खाद डलवा रहे थे। तभी अपाची बाइक पर दो लोग पहुंचे। उन लोगों ने प्रमुख को प्रणाम किया, फिर नजदीक से फायरिंग कर दी। प्रमुख को दो गोली लगी और मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देकर बाइक सवार वहां से भाग निकले, लोगों ने बताया कि दोनों अपराधियों ने अपने चेहरे को गमछे से बांध रखा था।

पांच साल पहले भी हुआ था हमला

बताते हैं कि विजेंद्र सिंह पर पांच साल पहले भी करगहर बाजार में सेमरी मोड़ के पास हमला हुआ था, लेकिन वो बाल-बाल बच गए थे।

पत्नी भी रही है जिला परिषद सदस्य

पूर्व प्रमुख के करगहर स्थित निवास पर हत्या की खबर से कोहराम मच गया है, परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है, वहीं करगहर में भारी अक्रोश है। बताते है कि विजेन्द्र सिंह की क्षेत्र में राजनीतिक रूप से अच्छी पकड़ थी, उनकी पत्नी भी एक बार जिला पार्षद रही है।

भाजपा नेता सीमा चाहती थी घरेलू सहायिका को वाराणसी के आश्रम में छोड़ना

रांची, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की निलंबित नेता सीमा पात्रा अपनी आदिवासी घरेलू सहायिका सुनीता खाखा को वाराणसी के एक आश्रम में छोड़कर आने की योजना बना रही थी। पात्रा पर खाखा को कई वर्षों तक कथित तौर पर बंधक बनाकर रखने और प्रताड़ित करने आरोप है। झारखंड पुलिस में दर्ज कराई गई मूल शिकायत के अनुसार सुनीता खाखा के ''चलने फिरने या खुद चलकर शौचालय जाने में समक्ष नहीं'' होने के बावजूद पात्रा उसे वाराणसी के एक आश्रम में ले जाकर वहां छोड़ने की योजना बना रही थी। पात्रा के बेटे आयुष्मान के दोस्त और एक सरकारी अधिकारी विवेक आनंद बास्के ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर 29 वर्षीय आदिवासी

नेता सीमा पात्रा

आदिवासी सुनीता खाखा

युवती को पुलिस ने बचाया था। बास्के ने कहा कि ''आयुष्मान ने मुझे बताया था कि सुनीता को वाराणसी के एक आश्रम में छोड़ने या कंबल में लपेटकर एक सुनसान जगह पर फेंकने की योजना थी।'' बास्के ने यह भी दावा किया कि सीमा पात्रा ने अपने बेटे आयुष्मान को मानसिक अस्पताल में भर्ती कराने की कोशिश की थी। प्राथमिकी के अनुसार, प्रताड़ित घरेलू सहायिका के उत्पीड़न की भयानक तस्वीरें आयुष्मान पात्रा द्वारा भेजे जाने के तुरंत बाद, सीमा पात्रा अपने बेटे (आयुष्मान) को मानसिक रूप से विक्षिप्त बताकर स्थानीय पुलिसकर्मियों की मदद से उसके हाथों में हथकड़ी डलवाकर बलपूर्वक केंद्रीय मनोरोग संस्थान (सीआईपी) में ले गई थी। इस घटनाक्रम की सूचना मिलने पर जब बास्के अस्पताल पहुंचे, तो आयुष्मान ने पात्रा पर सुनीता को अपना पेशाब पीने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया, और उनसे घरेलू सहायिका को बचाने का अनुरोध किया। पात्रा परिवार के चालक रंजीत कुमार सिंह ने बाद में बास्के से कहा कि ''आयुष्मान भैया ने जो कुछ भी बताया वह सच है।'' बास्के ने बताया कि सीआईपी के चिकित्सकों ने कहा कि आयुष्मान को तत्काल उपचार की आवश्यकता नहीं है, उन्होंने उसे अगले सप्ताह अस्पताल लाने को कहा। हालांकि उनकी मां उसे किसी अन्य मनोरोग संस्थान ले गई और वहां भर्ती करा दिया। इसके बाद, बास्के ने फैसला किया कि अब पुलिस के पास जाकर घरेलू सहायिका को बचाने के साथ-साथ अपने दोस्त आयुष्मान को भी छुड़ाने का समय है क्योंकि उन्हें लगा कि उसकी मानसिक स्थिति पूरी तरह से ठीक है। बास्के ने बताया कि सुनीता को बचाने के पहले प्रयास में जब चालक ने सुनीता को एक रिश्तेदार से संपर्क करने के लिए अपना फोन दिया था तो उसे कॉल बीच में ही काटना पड़ा क्योंकि सीमा पात्रा को इसके बारे में पता चल गया था और वह गुस्से में आ गई थी। उन्होंने कहा, ''मैं आयुष्मान और उनके पिता महेश्वर पात्रा दोनों के लिए चिंतित था क्योंकि चालक रंजीत की सूचना के अनुसार उन्हें बालकनी में भी नहीं जाने दिया जाता था। मैंने एक अर्जी में मामले के जांच अधिकारी से सीमा पात्रा की बेटी को सह-आरोपी बनाने का अनुरोध किया है, क्योंकि वह सुनीता को दिल्ली ले गई थी, वहां भी उसे अमानवीय यातना दी गई थी।''

विधानसभा बैकडोर भर्तियों पर स्पीकर ऋतु खंडूड़ी की सख्ती

बीजेपी-कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष असहज

देहरादून, 4 सितंबर (एजेंसियां)। विधानसभा में बैकडोर भर्ती को लेकर मचे बवाल के बीच, सबकी निगाह अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी के निर्णय पर टिकी हुई थी। जनता जनरल खंडूडी की बेटी से कड़क फैसले की उम्मीद कर रही थी। शनिवार को ऋतु ने अपना फैसला सुनाया तो यह तेवर और तासीर के अनुसार जनरल खंडूड़ी के करीब ही था। उन्होंने बिना झिझक विधानसभा के सबसे बड़े अधिकारी के कार्यालय को अपने सामने सील कर, अपना सियासी भी ग्राफ बढ़ा दिया है। ऋतु खंडूडी ने मीडिया के सामने अपना लिखित बयान पढ़ा। जिसमें उन्होंने कहा कि उत्तराखंड विधानसभा प्रदेश का सर्वोच्च सदन है, इसकी गरिमा को बनाए और बचाए रखना उनका दायित्व और कर्तव्य भी है। साथ ही जोर देकर कहा कि कि वो प्रदेशवासियों खासकर युवा वर्ग को यह आश्वस्त करना चाहती हैं कि सबके साथ न्याय होगा। सदन की गरिमा को सर्वोच्च स्थान पर रखते हुए, ऋतु ने कहा कि इसे बनाए रखने के लिए वो किसी भी कठोर निर्णय लेने से नहीं हटेंगी। विधान सभा परिसर लोकतंत का मंदिर है। अध्यक्ष होने के नाते उन्हें किसी भी प्रकार की अनियमितता एवं अनुशासनहीनता स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दतिया में विधवा महिला से गैंगरेप

दतिया, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के दतिया में एक विधवा महिला से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपियों ने महिला को दोनों बच्चों को जान से मारने की धमकी देकर उसका शोषण किया और गैंगरेप का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद महिला के परिजनों को इसकी सूचना मिली, जिसके बाद कोतवाली में मामले की शिकायत दर्ज की गई। वारदात के बाद दोनों आरोपी फरार हैं फिलहाल पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार 26 वर्षीय महिला के पति की जनवरी में मृत्यु हो गई थी। वह ससुराल के घर में अपने दो बच्चों के साथ रहती है। 30 जुलाई की रात को 10 बजे महिला घर पर दोनों बच्चों के साथ सो रही थी। तभी किसी ने दरवाजे पर दस्तक दी। महिला ने पूछा की कौन है। परिचित होने के कारण दरवाजा तो गेट पर शुभम पुत्र करणजू दांगी निवासी सिंधवारी और भूपेंद्र पुत्र महेंद्र दांगी निवासी बम्होरी बराना जिला टीकमगढ़ खड़े थे।

दिल्ली के बच्चों में तेजी से फैल रहा है टोमैटो फ्लू

रोजाना मिल रहे चार केस

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में बच्चों में टोमैटो फ्लू यानी हैंड फुट और माउथ डिजीज (एचएफएमडी) का संक्रमण बढ़ रहा है। एम्स, सफदरजंग और आरएमएल जैसे बड़े अस्पतालों के डॉक्टरों का कहना है कि वे हर रोज ओपीडी में ऐसे मामले देख रहे हैं। आरएमएल अस्पताल के त्वचा रोग विभाग के डॉक्टर भावुक धीर ने बताया कि ओपीडी में आने वाले रोजाना 100 बच्चों में से तीन से चार इस बीमारी से संक्रमित मिल रहे हैं। टोमैटो फ्लू से घबराने की बात नहीं है क्योंकि इस बीमारी से पीड़ित 95 से अधिक घर पर ही ठीक हो रहे हैं।

बच्चों को अधिक खतरा पर वयस्क भी सावधान रहें

यह बीमारी आमतौर पर पांच साल से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करती है। इसके मामले मिलने की वजह से दिल्ली के कई स्कूल बंद हो चुके हैं। यह एक संक्रामक बीमारी है। जहां कई बच्चे एक साथ रहते हैं वहां इसके फैलने की आशंका अधिक होती है। हालांकि इससे वयस्कों को भी सावधान रहने की जरूरत है। यह फ्लू वयस्कों को भी संक्रमित कर सकता है।

क्या है टोमैटो फ्लू

आरएमएल के डॉक्टर भावुक धीर ने बताया कि टोमैटो फ्लू कोई अलग बीमारी नहीं है बल्कि हैंड, फुट एंड माउथ डिजीज का ही एक प्रकार है। यह बीमारी कॉक्ससेकी वायरस ए16 (एक गैर पोलियो एंटरोवायरस) के कारण होती है, जो अत्यधिक संक्रामक होता है। यह बीमारी नाक, गले, फफोले से तरल पदार्थ और फेको-ओरल मार्ग से फैलती है।

एमपीसीए के कार्यक्रम में नीचे बैठे कैलाश को हाथ पकड़ मंच पर ले गए सिंधिया

दूसरी बार दिखी जुगलबंदी

इंदौर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश की राजनीति में इन दिनों ज्योतिरादित्य सिंधिया और कैलाश विजयवर्गीय के बीच नई जुगलबंदी देखने को मिल रही है। एमपीसीए के कार्यक्रम में मंच से नीचे बैठे बीजेपी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को हाथ पकड़कर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मंच ले गए और अपने साथ बैठाया। इसके बाद एमपी की राजनीति में कई तरह की अटकलें शुरू हो गई हैं। कुछ दिन पहले भी ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने बेटे को लेकर कैलाश विजयवर्गीय के घर गए थे। वहीं, विजयवर्गीय को लेकर एमपी की राजनीति में नई

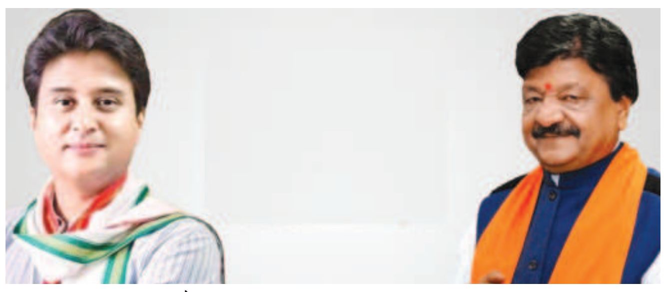

चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कहा जा रहा है कि पार्टी 2023 के पहले उन्हें प्रदेश में कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है।

कभी एक दूसरे के विरोधी थे विजयवर्गीय और सिंधिया

कैलाश विजयवर्गीय और ज्योतिरादित्य सिंधिया कभी एक दूसरे के बड़े विरोधी थे। लेकिन सिंधिया के बीजेपी में शामिल होने के बाद दोनों के बीच संबंध सुधरने शुरू हो गए हैं। सिंधिया केंद्रीय मंत्री बनने के बाद पहली बार इंदौर आने पर विजयवर्गीय से मिलने उनके घर गए थे। इसके बाद कुछ दिन पहले भी सिंधिया बेटे महाआर्यमन के साथ विजयवर्गीय के घर पहुंचे और उनके यहां खाना भी खाया। मीडिया से बात करते हुए सिंधिया ने कहा था कि यह पारिवारिक मित्रता है। पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी, विजयवर्गीय के मार्गदर्शन में काम करुंगा। सिंधिया के बयान के कई राजनीतिक मायने निकाले गए थे।

संगठन में बदलाव की अटकलें

नगर निगम चुनाव के बाद से ही प्रदेश संगठन में बदलाव की चर्चा तेज है। जानकारों का कहना है कि बीजेपी प्रदेश संगठन में बड़े स्तर पर बदलाव हो सकता है। इसमें बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष को बदलने को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि पार्टी की तरफ से इस तरह की चर्चाओं को गलत बताया जा रहा है।

रणजी टीम को किया सम्मानित

इंदौर में शाम को एमपीसीए के कार्यक्रम में मध्यप्रदेश टीम के पहली बार रणजी ट्राफी जीतने पर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर करीब साढ़े चार करोड़ रुपये के पुरस्कार बांटे गए। चार करोड़ रुपये का चेक रणजी ट्रॉफी चैंपियन मध्यप्रदेश टीम और कोच को दिया गया। वहीं, प्रत्येक चयनकर्ता को साढ़े सात लाख रुपये दिए गए हैं। इस अवसर पर पूर्व भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान अनिल कुंबले, बीसीसीआई के पूर्व सचिव संजय जगदाले, एमपीसीए के अध्यक्ष अभिलाष खांडेकर समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

आप सरकार का फैसला पोस्ट करने पर विवाद

भड़की महिला सरपंच ने रिटायर्ड कमांडों को गालियां निकाल धमकाया; कॉल रिकॉर्डिंग वायरल

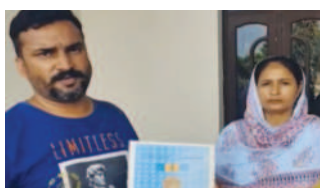

चंडीगढ़, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार का फैसला वायरल करने पर संगरूर की महिला सरपंच भड़क गई। महिला सरपंच ने रिटायर्ड कमांडों को कॉल कर गालियां निकाली। बहस होने पर धमकी देने के लिए कमांडों के घर तक पहुंच गई। यह फैसला सरकारी कामकाज में अब महिला सरपंच के पति, पिता या बेटों को अहमियत नहीं दी जाएगी। महिला सरपंच को ही अब सरकारी मीटिंग में आना होगा। कमांडों की शिकायत पर पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

पिस्टल लेकर आई थी सरपंच : रिटायर्ड कमांडो

रिटायर्ड कमांडो गुरप्रीत सिंह ने कहा कि सरपंच ने लगातार गालियां निकाली। इसके बाद 6-7 बंदे लेकर घर आ गई। मेरी पत्नी से गाली-गलौज की। घर के भीतर आकर सरपंच ने पिस्टल भी निकाली। सरपंच ने पत्नी को धमकी दी कि तेरे पति को मार दूंगा।

मुझे टॉर्चर कर रहा था, मुझे भड़काकर कॉल रिकॉर्ड की : सरपंच

गांव खनाल कलां की सरपंच गुरशरण कौर ने कहा कि गुरप्रीत सिंह बार-बार एक ही पोस्ट को शेयर कर मुझे टॉर्चर कर रहा था। उसने मुझे उलटे-सीधे शब्द कहकर भड़काया। फिर कॉल कर मेरी बातों को रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद उसे वायरल कर मुझे बदनाम कर रहा है।

पत्नी ने पति को प्रेमिका के साथ रंगेहाथ पकड़ा, रंग में भंग पड़ने पर दोनों ने मिलकर महिला को पीटा

गुना, 4 सितंबर (एजेंसियां)। गुना जिले में पति को उसकी प्रेमिका के साथ रंगे हाथों पकड़ना एक पत्नी को मंहगा पड़ गया। चोरी पकड़ने जाने के बाद महिला के पति ने अपनी प्रेमिका के साथ मिलकर पत्नी की बुरी तरह से पिटाई कर दी, मारपीट की घटना में पत्नी बुरी तरह से घायल हो गई। महिला ने अपने पति औ उसकी प्रेमिका के खिलाफ कोतवाली पुलिस में शिकायत की है। जानकारी के अनुसार शहर के कोल्हूपुरा में रहने वाली 34 वर्षीय महिला की शादी 2009 में हुई थी। उसकी दो बेटियां हैं। महिला अक्सर बीमार रहती है। महिला का पति उसे आये दिन मारता है। महिला को कुछ दिन पहले पता चला कि उसके पति का तलैया मोहल्ले में रहने वाली एक महिला से प्रेम संबंध है। दोनों के बीच लंबे समय से रिश्ता है और पति अक्सर उसी महिला के साथ रहता है। महिला को शक था कि शुक्रवार को भी उसका पति उसी दूसरी महिला के घर पर पहुंचा है, जिसके बाद वह अपनी बहन और भाभी को साथ लेकर तलैया में रहने वाली महिला के घर पहुंची। महिला का पति प्रेमिका के घर पर ही आपत्तिजनक स्थिति में मिला।

मुरुघा मठ के संत शरणारू की जमानत पर सुनवाई आज

मेडिकल ग्राउंड पर बेल के लिए किया अप्लाई; दो नाबालिगों के यौन उत्पीड़न का आरोप

चित्रदुर्ग, 4 सितंबर (एजेंसियां)। यौन उत्पीड़न के आरोपी मुरुघा मठ के संत शिवमूर्ति मुरुघा शरणारू की जमानत की अर्जी पर सुनवाई चित्रदुर्ग जिला अदालत में सोमवार को होगी। शरणारू समेत सभी चार आरोपियों की जमानत याचिका पर शनिवार को डाली गई थी, जिस पर अदालत ने सरकारी वकील की आपत्ति सोमवार तक मांगी है। सूत्रों के अनुसार, मेडिकल ग्राउंड पर संत की जमानत के लिए आवेदन किया गया है। फिलहाल, पुलिस द्वारा चित्रदुर्ग कस्बे के डीएसपी कार्यालय में शरणारू से पूछताछ की जा रही है। इससे पहले शुक्रवार को जिला सत्र अदालत ने मुरुघा मठ के मुख्य पुजारी शिवमूर्ति मुरुघा शरणारू को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था। वह 5 सितंबर तक पुलिस हिरासत में रहेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने बेंच से 5 दिनों की हिरासत की मांग की थी। सीने में दर्द की शिकायत के बाद संत को जिला अस्पताल ले जाया गया था।

बिना बताए अस्पताल ले जाने पर कोर्ट ने जताई नाराजगी

शरणारू पर मठ के स्कूल में पढ़ने वाली 2 नाबालिग लड़कियों के यौन उत्पीड़न का आरोप है। कर्नाटक पुलिस ने शरणारू को गुरुवार को गिरफ्तार किया था, लेकिन शुक्रवार को उन्हें सीने में दर्द के बाद हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। डिस्ट्रिक्ट सेशन कोर्ट जज कोमला ने लिंगायत संत को अदालत में

जानकारी दिए बिना अस्पताल में भर्ती कराने पर नाराजगी जताई थी। साथ ही उन्हें अस्पताल से सीधे कोर्ट लाने का आदेश जारी किए थे, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें व्हील चेयर पर कोर्ट में पेश किया था।

सीने में दर्द की शिकायत के बाद से हॉस्पिटल में एडमिट

शिवमूर्ति मुरुघ शरणारू को सीने में दर्द की शिकायत के बाद जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती करवाया गया। डॉक्टर्स का कहना है कि शरणारू की ईसीजी रिपोर्ट में हार्ट प्रॉब्लम सामने आई है, इसलिए उन्हें आगे की जांच के लिए हॉस्पिटल में ही रहना होगा।

पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज

शिवमूर्ति मुरुघा शरणारू पर नाबालिगों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। पीड़ित लड़कियों ने न्याय की मांग करते हुए मैसूर में 'ओदानदी' एनजीओ से संपर्क किया था। उन्हें 26 अगस्त को मैसूर में बाल कल्याण समिति के सामने पेश किया गया और उसी रात मुरुघा शरण समेत 5 के खिलाफ कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

मठ के स्कूल में पढ़ती हैं पीड़ित

आरोप लगाने वाली किशोरियों का कहना है कि वे मठ की ओर से संचालित स्कूल में पढ़ती हैं, उनकी उम्र 15 और 16 साल है। संत ने उनका साढ़े तीन साल से अधिक समय तक यौन शोषण किया। पीड़ित 24 जुलाई को हॉस्टल से निकलीं और 25 जुलाई को कॉटनपेट पुलिस स्टेशन पहुंचीं। इसके बाद 26 अगस्त को उन्होंने मैसूर के नजराबाद पुलिस स्टेशन में लिंगायत संत के खिलाफ

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह	में	सिंह...	04-48 बजे
चंद्र-	धनु	में	कन्या	06-55 बजे
मंगल	वृष	में	तुला -	09-00 बजे
बुध-	कन्या	में	वृश्चिक	11-10 बजे
गुरु-	मीन	में	धनु---	13-24 बजे
शुक्र-	सिंह	में	मकर-	15-30 बजे
शनि-	मकर	में	कुंभ -	17-21 बजे
राहु-	मेष	में	मीन...	18-58 बजे
केतु-	तुला	में	मेष--	20-34 बजे
			वृष--	22-19 बजे
			मिथुन..	00-20 बजे
			कर्क...	02-23 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल- पूर्व -काच मे मुंह देखकरे घर से निकले
तिथि- नवमी - **08-28** तक उपरान्त, दशमी
मास - भाद्रपद शुक्ल पक्ष ,सोमवार, **05 Sep**
नक्षत्र -मूल - **20 -05** - तक उपरान्त, पूर्वाषाढा
योग - प्रीति - **11- 27** - तक उप- आयुष्मान
करण- कौलव-**08 -28** - तक,उप- तैतिल
विशेष:- श्रीचंद्र नवमी
व्रत -त्योहार - अदुख: नवमी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
07:37 से
09:09 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत.	06:06 - 07:37	शुभ	चंचल.	18:26 - 19:53	शुभ
काल.	07:37 - 09:09	अशुभ	रोग.	19:53 - 21:20	अशुभ
शुभ.	09:09 - 10:42	शुभ	काल.	21:20 - 22:47	अशुभ
रोग	10:42 - 12:15	अशुभ	लाभ.	22:47 - 00:15	शुभ
उत्पात	12:15 - 13:47	अशुभ	उत्पात	00:15 - 01:42	अशुभ
चंचल	13:47 - 15:20	शुभ	शुभ.	01:42 - 03:09	शुभ
लाभ	15:20 - 16:53	शुभ	अमृत	03:09 - 04:37	शुभ
अमृत	16:53 - 18:23	शुभ	चंचल.	04:37 - 06:06	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — आज चलते हुए सावधान रहें। हलकी खरोचें आ सकती हैं। न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं। आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा। सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं।यात्रा शुभ है।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी। आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी। सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं। आपको अच्छा लगेगा। आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा। आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं। आज कुछ अलग ना सोचें,इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा। कोई भी काम करने से पहले ये मूल्याकंन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं।आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है।अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें।आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है।अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा।दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं।आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं।आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज आप किसी दूसरे शहर में रहने वाले से या विदेश में किसी से संपर्क स्थापित करेंगे।यह आपके करियर के लिए फायदेमंद होगा।अपने मेल देख लें क्योंकि मेलबॉक्स में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। विदेश में रह रहा कोई मित्र आपको साथ काम करने के लिए आमंत्रित कर सकता है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे।आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी उनके बारे में चिंता ना करें।आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योंकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी। आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) — आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं।अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें।पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें। आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी। इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है आप उर्जा और प्रेरणा से भरे हैं।आपके दिमाग में नयी योजनायें आती रहेंगी जिन्हें आप आसानी से कार्यान्वित भी कर पायेंगे।आपकी समस्या आज यही रहेगी की आपके दिमाग में आज लगातार नए विचारों की बाढ़ सी आती रहेगी।आप अपने आसपास के सभी लोगों को भी अधिक प्रेरित कर पायेंगे।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — इस समय आपके जीवन में अजीब ही घटनाएँ हो रही हैं।जिससे भी आप मिलते हैं,आपके मन में उसी के लिए कोमल भावनाएं पैदा हो जाती हैं ,विशेषत विपरीत लिंग को आप बहुत आकर्षित करेंगे। साथ ही आप उस काम के बारे में भी जागरूक रहेंगे जो आपको दूसरों के लिए घर और कार्यस्थल पर करना है।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — आज आप खुद को उलझन में फंसा हुआ महसूस करेंगे। अपना भला चाहने वाले लोगों से उन चीजों के बारे में भी खुलकर बात करें,जो आपको परेशान कर रही हैं। अनिश्चितत्ता के बादल एक सप्ताह में छंट जायेंगे।किसी परिजन या अन्तरंग दोस्त का साथ मिलेगा।बोलते हुए सावधान रहें।किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — आप फिलहाल अपने जीवन की केन्द्रीय समस्या को सुलझाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। ऐसा भी संभव है कि आप इसे सुलझाने के लिए अपनी सामजिक और वित्तीय जिम्मेदारियों से भी छुट्टी ले लें। हालाँकि आपको यह भी समझना है कि आपके जल्दी मचने से इस समस्या का स्थायी समाधान नही निकलेगा।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

अंबाला में 2 बच्चों को लेकर पिता फरार

तलाशने के लिए दिनरात भटक रही महिला; बोली- रोऊं नहीं तो क्या करूं, चौकी इंचार्ज ने दुर्व्यवहार किया

अंबाला, 4 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला जिला निवासी एक पिता अपने 2 मासूम बच्चों को लेकर फरार हो गया। महिला अपने बच्चों और पति की तलाश के लिए दिन रात भटक रही है। अंबाला सिटी के मोती नगर निवासी महिला ने पुलिस को शिकायत देकर पति व बच्चों की तलाश करने की गुहार लगाई है। मोती नगर निवासी काजल ने बताया कि वह सेक्टर-45 चंडीगढ़ में पेशेंट केयर का काम करती है। गुरुवार को वह चंडीगढ़ में थी। दोपहर करीब 2 बजे उसके पति वेदपाल सिंह ने फोन किया और कहा कि वह ढाई साल के बेटे और 4 माह की बेटी को लेकर बहुत दूर चला गया है। आज के बाद तुम्हें नहीं मिलूंगा।

सास और पति का दोस्त कर रहा गुमराह

काजल ने बताया कि वह कॉल सुनकर तुरंत अफरा-तफरी में अंबाला पहुंची। यहां आकर पता चला कि पति अपने दोस्त राजेश के पास गया है। वह राजेश के घर भी गई, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद पता चला कि उसका पति अपनी मां के पास गांव नकटपुर गया है। वह वहां भी गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला। आखिर में पता चला कि राजेश ने उसे अपने किसी दोस्त के पास अंबाला के सेक्टर-10 में ही ठहराया हुआ है, लेकिन सास व राजेश दोनों उसे गुमराह कर रहे हैं।

आरोप; चौकी इंचार्ज ने की अभद्रता

महिला ने कहा कि मैं अपने बच्चों के पीछे रोऊं नहीं तो क्या करूं? घर में किसी तरह की कोई लड़ाई व कहासुनी नहीं थी। पुलिस भी 2 दिन से उसके पति व बच्चों का पता नहीं निकाल पाई है। आरोप लगाया कि चौकी नंबर-2 इंचार्ज ने उसे अभद्रता की।

6 साल पहले की थी लव मैरिज

काजल ने बताया कि 6 साल पहले उसने वेदपाल से लव मैरिज की थी। उस वक्त वेदपाल गाड़ी चलाता था और वह कपड़े की दुकान पर लगी हुई थी। शादी के बाद से उसका पति घर जमाई बनकर रह रहा था। खुद न कमाई करता था और न करने देता था। मां बीमार रहती है। छोटा भाई 6 हजार रुपए कमाता है। 6 हजार रुपए की कमाई में बताएं क्या-क्या करें।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 5 सितंबर, 2022

रेलवे के जन विरोधी फैसले

रघु ठाकुर

भारतीय रेलवे क्रमशः निजी रेलवे और कॉरपोरेट रेलवे में तब्दील हो रही है। सत्ता के ऊपर के केन्द्रों से क्रमशः रेलवे का अंग भंग किया जा रहा है। सरकारी रेलों को बंद कर और यह कहकर की यह घाटे में चल रही हैं, उनके नाम पर निजी मालिकों की रेल गाड़ियां चलाई जा रही हैं। माल ढुलाई के क्षेत्र में तो स्थिति यह है कि अधिकांश माल गाड़ियां अडानी-अम्बानी के नाम लिखे डिब्बों की चल रही हैं। रेल अफसरों का तंत्र गुलाम मानसिकता का है और वह पुनः मालिकों की भाषा और इशारे को बेहतर समझता है। जिस प्रकार आम तौर पर सामान्य जीवन में हम लोग वी.आई.पी. या वी.वी.आई.पी. महानुभावों को देखते हैं कि हर जगह उन्हें प्राथमिकता से विशेष प्रवेश मिलता है। कभी-कभी तो उन्हें अलग दरवाज़े निश्चित कर दिये जाते हैं जहां से केवल वही गुजर सकते हैं।

राज्य या केन्द्र के मंत्रालयों में जनता की लिफ्ट अलग होती है। और मंत्री तथा अफसरों की लिफ्ट अलग होती है। संसद में सांसदों के प्रवेश द्वार और मंत्रियों के प्रवेश द्वार अलग-अलग होते हैं, तथा आम आदमी या दर्शक को तो संसद में प्रवेश करना स्वर्ग में प्रवेश के समान होता है। भारत के हवाई अड्डों पर वी.वी.आई.पी. लोगों के लिये ना केवल अलग प्रवेश द्वार होते हैं, बल्कि अलग बैठक खाने जिन्हें वी.आई.पी. लोंज कहते हैं, बनाये गये हैं उसी प्रकार रेलवे के विशेषतः बड़े-बड़े रेलवे स्टेशन पर भी विशिष्ट और अतिविशिष्ट जनों के कक्ष अलग होते हैं। जो वातानुकूलित होते हैं। उनमें प्रवेश करना भी कठिन होता है। कौन विशिष्ट है और कौन नहीं इसका निर्णय उप स्टेशन अधीक्षक करते हैं। मंत्री ओर विधायक तो छोड़िये अगर उनके परिजनों के साथ 10, 20 हुल्लड़बाजों की टीम आती है, तो वह भी वी.आई.पी. होते हैं। और अगर कभी हम जैसे सामान्य लोग पहुंच जाये तो पहले उप अधीक्षक या चाबी के मालिक कर्मचारी के समक्ष सिद्ध करना पड़ता है की अंदर प्रवेश करने के अधिकार की पात्रता है। यहां तक की मंदिरों में दर्शन करने वाले भक्तों में भी पद और पैसे के आधार पर फर्क किया जाता है। आम कहावत है की भगवान सबके हैं और सब भगवान के हैं, परन्तु यह जमीनी सच नहीं है। ज़मीनी सच तो यह है कि भगवान पर पहला अधिकार सत्ताधीशों का फिर अफसरों का फिर पैसे वालों का ही होता है, बेचारे गरीब तो एक कि.मी. दूर से ही दर्शन कर अपने आप को धन्य मान लेता है। रेलवे में भी यह स्थिति न केवल यात्रियों में बल्कि रेल गाड़ियों में भी है। अगर अडानी, अम्बानी की रेल गाड़ियां जा रही हों तो शायद केवल राजधानी एक्सप्रेस को छोड़कर बकाया सब गाड़ियों को रोक दिया जाता है और अडानी, अम्बानी की माल गाड़ी को निकाला जाता है।

रेलवे बोर्ड और रेल मंत्रालयों को न केवल आजाद भारत की सरकारों में बल्कि साम्राज्यवादी ब्रिटिश हुकूमत में भी विशेष महत्व दिया था और इसीलिये रेल बजट आम बजट से पृथक होता था। परन्तु श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने पृथक रेल बजट की परंपरा को ही समाप्त कर आम बजट में शामिल कर दिया और एक प्रकार से भारतीय रेलवे को उन गुलाम नौकरशाहों के अधीन कर दिया जिनका मूल सिद्धांत ही होता है वालों को हाँ और नीचे वाले को ना। अब स्थिति यह है कि रेल के बड़े-बड़े तकनीकी जानकार उन अफसरों के सामने गिड़-गिड़ाने को लाचार होते हैं। जो रेल और रेल की तकनीक के बारे में कुछ भी नहीं जानते। भारत सरकार की नीति यह लगती है कि क्रमशः नीचे से रेल सुविधायें समाप्त करो और इसके लिये आम जन की उपयोग वाली रेलों को बंद करो जो भारतीय रेलवे देश के करोड़ों किसानों, मजदूरों, छात्रों, बेरोजगारों, की जरूरत की पूर्ति के लिये बनाई थी अब वह केवल बड़े और विशिष्ट तबके के लिये मुनाफे तथा मुनाफे की कंपनी में तब्दील की जा रही है।

पिछले दिनों अलग-अलग रेल मंडलों के द्वारा उन गाड़ियों की सूची अखबारों में छापी गई है, जो रेल के अधिकारियों के मुताबिक घाटे में चल रही हैं, जबकि इससे बड़ा झूठ कोई दूसरा नहीं हो सकता। उदाहरण के लिये भोपाल रेल मण्डल की रानी कमलापति जबलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस भोपाल-दमोह, राज रानी एक्सप्रेस सहित पश्चिम रेलवे जोन की ग्यारह रेल गाड़ियों को घाटे में बताया जा रहा है। यह भी खबर छपी है की भोपाल-दमोह राज्य रानी एक्सप्रेस को साल भर में 45-65 लाख रूपये का तथा जबलपुर इंटरसिटी पर साल में 40-55 लाख रूपये का घाटा हो रहा है। एक तो यह आंकड़ा निकालने वाले यह भूल गये हैं कि वर्ष 2020 और 2021 कोरोना काल का समय था जिसमें सारे देश की रेल गाड़ियां बंद थी। जब गाड़ियां चली ही नही तो घाटा कहां से हुआ? राज्य रानी एक्सप्रेस में दमोह से भोपाल के बीच यात्रा करने वालों की संख्या उसकी क्षमता से कम से कम देढ़ गुना ज्यादा होती है फिर घाटा कहां से हुआ? दरअसल होता यह है कि जो 6 डिब्बे डी श्रेणी वाले बैठकी आरक्षित यात्रियों के होते हैं, उनका आम तौर पर यात्री आरक्षण नहीं करा पाते और वह सामान्य टिकिट लेकर इन डिब्बों में भर जाते हैं।

नियम यह है कि इन यात्रियों से 15 रू. का बैठक शुल्क लिया जाता है। परन्तु पूरी रेल में केवल एक टी.टी. होता है। और वह पहले ए.सी. कोच की जांच करता है जिसमें उसे लगभग डेढ़ से दो घण्टे लग जाते हैं। फिर वह उन सामान्य शुल्क वाले डिब्बों में जाता है और बमुश्किल 1-2 डिब्बों की जांच कर पाता है। या टिकिट बना पाता है उसे हर बैठने वाले यात्री की रसीद काटना होती है। इसमें काफी समय लगता है। परिणामस्वरूप 15-15 रू. वाली रसीदें नहीं कट पाती। हम लोगों ने कई बार जबलपुर रेल मण्डल के अधिकारियों को सुझाव दिया कि इन सामान्य बैठक वाले डिब्बों में 15-15 रूपये के कूपन टी.टी.ई. को उपलब्ध कराये जायें जो जल्दी दिये जा सकें। इसको लेकर हमारे बुन्देलखण्ड सर्वदलीय नागरिक संघर्ष मार्चो ने खुद धरने दिये ज्ञापन दिये और माँग की। अधिकारियों ने हमें आश्वस्त किया की एक सप्ताह में कूपन छपवाकर दे दिये जायेंगे परन्तु आज आठ साल में भी कूपन नहीं छप सके। मण्डल के अधिकारी रेल राजस्व की गणना केवल आरक्षित टिकिटों पर करते हैं। शाम 05:55 पर जब भोपाल-दमोह राजरानी एक्सप्रेस रवाना होती है तब लगभग 5-6 रेल गाड़ियां बीना की और जाती हैं। और यात्री सामान्य टिकिट लेकर राज्य रानी में बैठते हैं उनकी गणना नहीं हो पाती। मालवा एक्सप्रेस, पातालकोट एक्सप्रेस, दक्षिण एक्सप्रेस, जैसी अनेकों रेल गाड़ियां हैं जो लगभग इसी समय चलती हैं। एम.एस.टी. वाले यात्री भी अमूमन इसी गाड़ी से घर वापस जाते हैं जिनकी संख्या प्रतिदिन सेंकड़ों में होती है, और वह किराया अग्रिम भुगतान कर चुके होते हैं, परन्तु इसका भी विवरण नहीं रहता।

रेल विभाग के आंकड़ें पूर्णतः गलत हैं। किसी भी एक दिन स्वतः जोनल महाप्रबंधक या मण्डल प्रबंधक बगैर घोषणा के इन गाड़ियों में आकर वस्तु स्थिति को देखें तो उन्हें पता लग जायेगा कि यह गाड़ियां घाटे में नहीं मुनाफे में चल रही है। मैंने स्वतः इन गाड़ियों में 20 से 25 तक रेल कर्मचारियों को ए.सी. चेयर कार मेंयात्रा करते देखा है जो अपनी ड्यूटी पर आते-जाते हैं आखिर वह भी तो रेल की आय ही है।

मैं भारत सरकार के इस जन विरोधी षड़यंत्र के प्रति आमजन को आगाह करना चाहता हूँ की ऐसे ही झूठे आंकड़े निकालकर पत्रकारों, वरिष्ठ जनों, महिलाओं की रियायतें समाप्त की गईं। बगैर बेडरोल दिये उसका शुल्क वसूला गया और झूठा प्रचार यह किया जाता है कि रेल यात्रियों की यात्रा में सरकार या रेल मंत्रालय को घाटा हो रहा है। यह याद रखना होगा की रेल यात्री सब धर्म सब जातियों के होते हैं, और उनकी समस्या राष्ट्रीय समस्या है। तथ्य यह है कि भारत सरकार आम जनता की रेल गाड़ियों को बन्द करना चाहती है और उसके लिये यह नकली तथ्य व आंकड़े गढ़े जा रहे हैं।

एलजी और सीएम में टकराव

वीके सक्सेना दिल्ली के उपराज्यपाल जैसी गरिमामय पद पर हैं तो अरविंद केजरीवाल भी मुख्यमंत्री पद की शोभा बढ़ा रहे हैं। लेकिन दुर्भाग्य से दोनों के बीच जिस तरह का टकराव चल रहा है उससे औपचारिक बैठकों तक में स्थिति सुधरती नहीं दिखाई दे रही है। ऐसे में सवाल लाजमी है कि इससे राष्ट्रीय राजधानी में रह रहे लोगों का भला कैसे संभव है? ऐसे में दोनों को ही अहम त्याग कर दिल्ली के निवासियों की बेहतरी के लिए काम करना चाहिए। सबसे दुखद घटना शुक्रवार को दिखी जब दोनों के बीच होने वाली साप्ताहिक बैठक महज इसलिए टाल देनी पडी कि सीएम अरविंद केजरीवाल गुजरात के दो दिनी दौरे पर चले गए। इसलिए उपराज्यपाल के साथ होने वाली बैठक में वे शामिल नहीं हो सके। इसे तब महज संयोग माना जा सकता था लेकिन जब लगातार तीसरी बार हर सप्ताह होने वाली बैठक में वे शामिल नहीं हो रहे हैं तो यह बताने के लिए काफी है कि दोनों के बीच कई मुद्दों पर टकराहट किस हद तक पहुंच गई है। जाहिर है केजरीवाल ने इसे अहम की लडाई बना ली है। ऐसे में सवाल है कि अगर उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच होने वाली बैठक का मकसद राजधानी दिल्ली में सरकार चलाना और शासन का सहज रूप से कामकाज सुनिश्चित किया जाना है तो इसमें निजी आग्रहों की जगह क्यों दी जानी चाहिए। वहीं, अगर बैठकें नहीं हो पाने की वजह कोई दुराग्रह, तनाव या टकराव नहीं है तो क्या इसे शासन चलाने के लिए जरूरी कामों की प्राथमिकता सूची में कम महत्त्व का माना जा रहा है? बीते काफी समय से उपराज्यपाल और केजरीवाल सरकार के बीच जमकर खींचतान चल रही है। इसकी वजह केवल तकनीकी बाध्यताएं नहीं है। दिल्ली में 'आप' की सरकार की ओर से कई नेता यहां के विकास को बाधित करने के आरोपों के साथ उपराज्यपाल को भी कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करते रहे हैं। जबकि उपराज्यपाल की ओर से कुछ तकनीकी आधार के चलते सरकारी कामकाज से संबंधित फाइलों पर सवाल उठा कर रोका जा रहा है। हाल ही में उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार की ओर से भेजी गई सैंतालीस फाइलों को महज इसलिए वापस भेज दिया कि उन पर संवैधानिक मानदंडों के मुताबिक मुख्यमंत्री के हस्ताक्षर नहीं थे। इस बीच, दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े विवाद ने आग में घी का काम किया। यह टकराव अब एक सार्वजनिक बहस का विषय बन चुका है। इसके बाद बात और आगे तब बढ़ गई जब उपराज्यपाल ने दिल्ली के मुख्य सचिव से यहां के सरकारी स्कूलों में कक्षाओं के लिए अतिरिक्त कमरे बनाने से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों के मामले में भी रिपोर्ट तलब कर ली। इन मसलों पर घिरी 'आप' सरकार बुरी तरह तिलमिलाई हुई है। इस वजह से उसने भी उपराज्यपाल पर चौदह सौ करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाते हुए दावा किया कि जब वे खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष के पद पर पदस्थ थे, उस दौरान यह घोटाला हुआ था। इस आरोप के बाद दोनों पक्षों के बीच टकराव ने जो शक्ल अख्तियार कर लिया है, उसमें मामला अब जल्द शांत होता नहीं दिख रहा है। इसका असर अब राज्य के सामान्य कामकाज पर भी पड़ने लगा है। पिछले कई हफ्तों से जिस तरह उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच साप्ताहिक बैठकें रद्द होने का जो क्रम चल रहा है, उसका पूरा नुकसान दिल्ली के आम नागरिकों को ही होने वाला है। बता दें कि दिल्ली के मुख्यमंत्री आए दिन दिल्ली को देश के सभी राज्यों से अलग और विशेष चेहरा देने का दावा करते रहते हैं। अरविंद केजरीवाल के लिए यहां के विकास और लोगों के हित प्राथमिक हैं या आपसी खींचतान के बीच पलता कोई अहम? वहीं, उपराज्यपाल के सामने भी अगर कोई बड़ी बाधा नहीं है तो उन्हें भी टकराव या तनाव के बजाय जनहित में दोनों पक्षों के बीच सौहार्द के हालात बनाते हुए अपने पद की गरिमा को कायम रखने की जरूरत है, ताकि दिल्ली और यहां के लोगों के लिए एक बेहतर शासन और विकास सुनिश्चित किया जा सके। जिससे दिल्ली एक बार फिर विकास के पथ पर दौड सके।

बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाने की जरूरत

प्रियंका 'सौरभ'

भाषा जनगणना के अनुसार भारत में 19,500 भाषाएँ या बोलियाँ हैं, जिनमें से 121 भाषाएँ हमारे देश में 10,000 या उससे अधिक लोगों द्वारा बोली जाती हैं। 2020 में जारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में क्षेत्रीय भाषा या मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने की पुरजोर वकालत की गई है। व्यक्ति के निर्माण में मातृभाषा का बहुत शक्तिशाली प्रभाव होता है। एक बच्चे की अपने आस-पास की दुनिया की पहली समझ, अवधारणाओं और कौशलों की शिक्षा और अस्तित्व की उसकी धारणा, उसकी मातृभाषा से शुरू होती है जो उसे सबसे पहले सिखाई जाती है। जब कोई व्यक्ति अपनी मातृभाषा बोलता है, तो हृदय, मस्तिष्क और जीभ के बीच सीधा संबंध स्थापित हो जाता है। जैसे-जैसे अधिक से अधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं, भाषाई विविधता पर खतरा बढ़ता जा रहा है। विश्व स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत आबादी के पास उस भाषा में शिक्षा तक पहुंच नहीं है जो वे बोलते या समझते हैं। हालाँकि, स्कूल और उच्च शिक्षा में शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषाओं का उपयोग स्वतंत्रता-पूर्व के समय से ही किया जाता रहा है, दुर्भाग्य से, अंग्रेजी में अध्ययन करने के इच्छुक लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसने अंग्रेजी भाषा द्वारा शासित एकभाषी शिक्षण संस्थानों का दबदबा बढ़ा दिया है और एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहा है जो संवेदनशील, न्यायसंगत और न्यायसंगत नहीं है। अन्य सभी मातृभाषाओं पर अंग्रेजी के प्रभुत्व की प्रकृति छात्रों की शक्ति, स्थिति और पहचान से जुड़ी है। विभिन्न मातृभाषाएं बोलने वाले छात्र एक शैक्षिक संस्थान में अध्ययन करने के लिए एक साथ आते हैं जहां वे स्कूल और उच्च शिक्षा दोनों स्तरों पर बिना किसी कठिनाई के एक-दूसरे के साथ बातचीत करते हैं। फिर भी उन्हें एक विदेशी भाषा के माध्यम से एक भाषा में पढ़ाया जा रहा है जिससे सभी छात्र संबद्ध नहीं हो पाते हैं। पूरी प्रक्रिया ने मातृभाषाओं की अज्ञानता और छात्रों में अलगाव की भावना को जन्म दिया है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन, प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, भारत में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या में 2003 और 2011 के बीच आश्चर्यजनक रूप से 273% की वृद्धि हुई है। उनके माता-पिता सोचते हैं कि वे ठीक-ठीक जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं और क्यों? उनका मानना है कि अंग्रेजी का ज्ञान नौकरी की सुरक्षा और ऊर्ध्वगामी गतिशीलता की कुंजी है, और वे आश्वस्त हैं कि उनके बच्चों के अवसरों में उनकी अंग्रेजी शब्दावली के सीधे अनुपात में वृद्धि होगी। वे सही हैं, लेकिन उन्हें यह समझने की जरूरत है कि अंग्रेजी जानने से अच्छी नौकरी पाने में बहुत मदद मिलती है, लेकिन केवल तभी जब अंग्रेजी अर्थपूर्ण हो, अन्य सभी चीजों में समझ और बुनियादी ज्ञान के साथ बच्चे सीखने के लिए स्कूल जाते हैं। अधिकांश भारतीय स्कूलों में इस्तेमाल की जाने वाली अंग्रेजी किसी भी चीज़ को वास्तविक रूप से सीखने की अनुमति नहीं देती है। भारत की प्राथमिक शिक्षा रटकर सीखने, खराब प्रशिक्षित शिक्षकों और धन की कमी के लिए कुख्यात है (भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का केवल 2.6% शिक्षा पर खर्च करता है; चीन 4.1 खर्च करता है और ब्राजील 5.7 पर भारत के दोगुने से अधिक है)। शिक्षा की भाषा के रूप में अंग्रेजी इसे बदतर बना देती है - विकास की दृष्टि से, यह एक आपदा है। बच्चे के दृष्टिकोण से स्कूल पर विचार करें।

ज्यादातर बच्चे छोटे होते हैं जब वे घर से निकलते हैं। अपने जीवन में पहली बार, उन्हें कई घंटों के लिए एक अजीब वातावरण में बड़ी संख्या में अन्य बच्चों के साथ सामना करना पड़ता है जिन्हें वे नहीं जानते हैं। उन्हें शांत बैठना चाहिए, चुप रहना चाहिए और केवल आदेश पर ही बोलना चाहिए। शिक्षक, जो एक अजनबी भी है, उम्मीद करता है कि बच्चे पूरी तरह से नई अवधारणाओं में महारत हासिल करेंगे: पढ़ना और लिखना; जोड़ना और घटाना; प्रकाश संश्लेषण; एक शहर और राज्य और देश के बीच का अंतर। अन्य देश अपने बच्चों के साथ ऐसा नहीं करते - चीन, फ्रांस, जर्मनी, हॉलैंड या स्पेन आदि। शिक्षा की भाषा बस एक वाहन, व्याकरण और शब्दों का एक सहज प्रवाह होना चाहिए, जिसे हर कोई अर्थ और परिभाषा के लिए पहेली किए बिना समझ सके। देश को अपनी अगली पीढ़ी के नेताओं की जरूरत है ताकि वे अपने क्षेत्र में पूरी तरह से महारत हासिल कर सकें ताकि वे दवा का अभ्यास कर सकें, पुल बना सकें, प्लंबिंग लगा सकें और सोलर लाइटिंग सिस्टम डिजाइन कर सकें। और बच्चे दूसरी, तीसरी और चौथी भाषाएँ सभी अच्छे समय में सीख सकते हैं। लेकिन यह तभी होगा जब वे युवा प्रेमपूर्ण भाषा के रूप में बड़े होंगे, उन्हें खतरा महसूस नहीं होगा और इससे उन्हें आंका जाएगा। हमें उनकी जरूरत है कविता और गीत और उपन्यास लिखने के लिए। हमें चाहिए कि वे अपनी मातृभाषा पर गर्व महसूस करें, न कि क्षमाप्रार्थी और लज्जित हों जैसे कि उनकी सफलता इस बात पर आधारित है कि वे कितनी अंग्रेजी जानते हैं। बुनियादी स्तर पर, शिक्षार्थियों द्वारा साक्षरता और संख्यात्मकता की समझ सुनिश्चित करना वाणिज्य की भाषा पर जोर देने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1953 में शिक्षा में स्थानीय भाषाओं का उपयोग शीर्षक वाली एक रिपोर्ट में, दो पहलू सामने आए। एक, इसकी पुनरावृत्ति कि स्कूल की उम्र के हर बच्चे को स्कूल जाना चाहिए और शिक्षण का सबसे अच्छा माध्यम छात्र की मातृभाषा है। और दूसरा, इसका जोर इस बात पर है कि सभी भाषाएं, यहां तक कि तथाकथित आदिम भाषाएं, स्कूली शिक्षा के लिए माध्यम बनने में सक्षम हैं; कुछ केवल दूसरी भाषा के लिए एक सेतु के रूप में, जबकि अन्य शिक्षा के सभी स्तरों पर।

हिंदी दुर्दशा देखी न जाई

डॉ राजाराम त्रिपाठी

सितंबर का महीना हिंदी भाषा के लिए महत्वपूर्ण है, कुछेक यह भी कह सकते हैं कि पूरा महीना क्यों? बस हिंदी-पखवाड़ा के पन्द्रह दिन ही महत्वपूर्ण है। वैसे ज्यादातर तो यही कहेंगे कि अजी छोड़िए भी जहमत 15 दिनों की, सितंबर की केवल 14 तारीख ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह देश इसी दिन हिंदी दिवस मनाने की औपचारिकता निभाता है । इस महीने भर हिंदी के सभी शुभचिंतक हिंदी भाषा की दुर्दशा पर

रोवहु सब मिलि के आवहु भारत भाई;

हा! हा! हिंदी/भारत दुर्दशा न देखी जाई

के तर्ज पर अनवरत टेसुए बहाएंगे। हिंदी की दशा-दिशा पर रुदालिओं की अश्रु विसर्जन प्रतियोगिताएं होंगी। शानदार हिंदी पखवाड़े मनाएंगे, हिंदी पर सेमिनार, कॉन्फ्रेंस, सम्मेलन होंगे। मंच सजेंगे, फ्लैक्स लगेंगे, शाल, श्रीफल, गुलदस्तों के दनादन लेन-देन होंगे, लंबे-लंबे उबाऊ भाषण होंगे, चाय समोसे मिठाई से गम ग़लत करेंगे। कुछ अति आशावादी वैश्विक हिंदी के लहराते गगनचुंबी परचम के गुणगान करेंगे। विदेशों में कहां-कहां हिंदी पढ़ी और पढ़ाई जा रही है इस पर गाल बजाएंगे। विश्व में चीन की मंदारिन भाषा के बाद दूसरे नंबर की सबसे ज्यादा पढ़ी तथा बोली जाने वाली भाषा का दर्जा , हिंदी द्वारा हासिल करने की उपलब्धि पर अपनी पीठ थपथपाऐंगे।

ये सभी शूरवीर हिंदी पखवाड़ा तथा यह महीना खत्म होते न होते हिंदी को अगले साल के हिंदी-दिवस, हिंदी-पखवाड़े तक के लिए उसके हाल पर रोता बिलखता छोड़कर, सब अपनी अपनी राह पकड़ेंगे। आजकल प्रायः कहा जाता है कि हिंदी भाषा का पूरे विश्व में बहुत तेजी से विकास हो रहा है , इसे कई देशों के विश्वविद्यालयों में पढ़ाया जाने लगा है, हिंदी कई देशों में यह बहुसंख्यक प्रवासी भारतीयों की बोले जाने वाली प्रमुख भाषा है वगैरह वगैरह। पर हकीकत यही कि धीरे-धीरे यह भाषा अपने ही देश में सुनिश्चितत मृत्यु की और अग्रसर हो रही है। मुझे ध्यान में आता है कि भारत की आजादी के बाद, शुरुआती तीस- चालीस वर्षों में गणित, विज्ञान, इंजीनियरिंग,चिकित्सा आदि सभी तकनीकी विषयों की शिक्षा, स्कूलों कालेजों में इसकी पढ़ाई विशुद्ध रूप से हिंदी में देने का गंभीर प्रयास किया गया था। बड़ी मेहनत से तकनीकी शब्दों की प्रमाणिक शब्दावलियां बनाईं गई, शब्दकोश बने। हिंदी में इन तकनीकी विषयों की उच्च पढ़ाई हेतु पाठ्यक्रम तथा पुस्तकें तैयार की गई। इन तकनीकी विषयों को छात्र धीरे धीरे अपनी भाषा हिंदी में पढ़ने भी लगे थे। तकनीकी विषयों को हिंदी भाषा में पढ़कर प्रतियोगी परीक्षाओं में भी प्रतिभागियों ने सर्वोच्च स्थान भी प्राप्त किया। हिंदी सही मायने में राष्ट्रभाषा बनने की ओर अग्रसर थी, पर जाने क्या हुआ कि बड़े रहस्यमई तरीके से धीरे-धीरे पहिया उलटी दिशा में घूमने लगा। धीरे धीरे तकनीकी विषयों की हिंदी पाठ्यक्रम तैयार करने वाली वह कमेटियां विलुप्त होने लगीं। हिंदी के तकनीकी विषयों के पाठ्यक्रम भी विश्वविद्यालयों से गायब होने लगे, और आज इक्का-दुक्का अपवादों को छोड़कर ये लगभग पूरी तरह से समाप्त हो गए। किसी समय बड़ी ही मेहनत तथा लगन से हिंदी भाषा में तैयार की गई चिकित्सा विज्ञान , अभियांत्रिकी , भौतिक विज्ञान, रसायन गणित, जीव विज्ञान,पादप प्रौद्योगिकी तथा अन्य तकनीकी विषयों के स्नातक तथा स्नातकोत्तर एवं शोध हेतु पुस्तकें या तो विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी में घुन खा रही हैं या फिर कभी कभार सड़क किनारे पटरी की रद्दी की दुकानों में दिखाई दे सकती हैं। यह सवाल हमें अपने आप से पूछना चाहिए कि क्या आजादी के बाद सचमुच हम ने हिंदी के विकास के लिए ईमानदारी से कुछ किया भी है ? हिंदी के इस अधोगति,महापतन, इस दुरावस्था के कौन कौन से कारण हो सकते हैं? हिंदी पखवाड़े के पन्द्रह दिन तक सारे हिंदी विशेषज्ञ, भाषाविद, साहित्यकार इसी महत्वपूर्ण बिंदु पर ही तो अपना और श्रोताओं का माथा फोड़ते रहते हैं, पर ना सही कारण ढूंढ पाए ना उसका सटीक निदान। मेरा मानना है की आजादी के बाद हिंदी के राजभाषा के रूप में जरूरी विकास हेतु पर्याप्त दृढ राजनैतिक इच्छाशक्ति की कमी तथा सहज मार्ग के अनुसरण की सहज प्रवृत्ति को भी इसका प्रमुख कारण कहा जा सकता है।

जब अंग्रेज यह देश छोड़ रहे थे तो शासन की सर्वमान्य भाषा अंग्रेजी थी, और जहां जो जैसा चल रहा है,उसे वैसे ही चलने देना उस समय सबसे सहज सरल मार्ग था, जिसका अनुसरण किया गया। 70 के दशक के बाद धीरे धीरे पूरे देश में बेहतर और रोजगारमूलक शिक्षा के नाम पर कुकरमुत्ते की तरह उग आए पब्लिक स्कूलों, कालेजों को भी अंग्रेजी को हिंदी पर निर्णायक बढ़त दिलवाने का बड़ा श्रेय जाता है।

राधाकृष्णन जयंती पर फिर 'वही' सवाल

डॉ.रामकिशोर उपाध्याय

पांच सितंबर को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर होने वाले समारोहों (शिक्षक दिवस) में सारा देश उन्हें याद करेगा। उन्होंने 05 दिसंबर, 1953 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कहा था-'देश की योग्यतम प्रतिभाओं को शिक्षक-व्यवसाय में खींचने का हर संभव प्रयत्न किया जाना चाहिए।' क्या आज समाज की योग्यतम प्रतिभाएं इस ओर आकृष्ट हो रही हैं ? क्या कारण हैं कि महंगे कॉन्वेंट विद्यालयों में शिक्षित और कोटा, दिल्ली आदि में लाखों रुपये देकर इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थी समस्त विकल्प समाप्त होने पर ही शिक्षक बनना पसंद करते हैं । नई पीढ़ी शिक्षक के रूप में करियर बनाने के प्रति अधिक आकर्षित क्यों नहीं नहीं है ? बेरोजगारी की मार से कराहते हुए उच्च शिक्षित भले ही भृत्य की नौकरी करने के लिए विवश और तत्पर हों किन्तु किसी समय में समाज का सर्वाधिक सम्माननीय समझे जाने वाले इस कार्य में उनकी अभिरुचि नहीं हैं । मुझे शिक्षक ही बनना है ऐसा सोचने वाले कितने युवा हैं ? जब योग्यतम लोग शिक्षा के क्षेत्र में नहीं आएंगे तो शिक्षा की गुणवत्ता कैसे सुधरेगी ? सातवां वेतनमान लागू होने का बाद विद्यालय और महाविद्यालयों में पढ़ाने वाले अध्यापकों व प्राध्यापकों को बहुत ही सम्मानित और पर्याप्त वेतन मिलने लगा है। किन्तु फिर भी तुलनात्मक रूप से कम वेतन वाले प्रशानिक पदों का आकर्षण अधिक क्यों है ? यह अत्यंत विचारणीय प्रश्न हैं । समाज को योग्य शिक्षक कैसे मिलें ? इस पर विचार और उपचार किए बिना शिक्षक दिवस का आयोजन एक रस्म-पूर्ति से अधिक नहीं है । यह माना जा सकता है कि शिक्षकों के प्रति शासकीय अधिकारियों का व्यवहार भी संतोषजनक नहीं होता। पर शिक्षक की गरिमा को सर्वाधिक क्षति यदि किसी ने पहुंचाया है तो वह निजी (प्राइवेट) शैक्षणिक संस्थाएं हैं। निजी विद्यालय में तीन-चार हजार रुपये में पढ़ाने वाले शिक्षक से लेकर प्राचार्य और निजी महाविद्यालयों के प्राध्यापक और निदेशक तक को संस्था प्रमुखों द्वारा जिस प्रकार अपमानित और शोषित किया जाता है (अपवाद छोड़कर) उसे न तो लिखा जा सकता है और न हीं बिना भोगे समझा जा सकता है । संभवतः एक कारण यह भी है कि शिक्षक भी अपने बच्चों को शिक्षकीय व्यवसाय से नहीं जोड़ना चाहते । आज का यक्ष विषय यह है कि समाज को अच्छे शिक्षक और पर्याप्त शिक्षक कैसे मिलें । युवाओं के मन में इंजीनियर, डॉक्टर और प्रशासनिक सेवा की भांति शिक्षक बनने की ललक कैसे जागृत हो ?यह तो सर्वविदित तथ्य है कि देश के लगभग सभी प्रदेशों की शासकीय और निजी संस्थाओं में छात्र संख्या के अनुपात में शिक्षकों की भारी कमी है । एक अनुमान के अनुसार इस समय देश भर के विद्यालयों में शिक्षकों के लगभग दस लाख पद रिक्त हैं । लगभग सभी विश्वविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक और प्राध्यापकों के अनेकों पद रिक्त हैं । जब पढ़ाने के लिए पर्याप्त शिक्षकों की उपलब्धता ही नहीं है तो योग्य शिक्षकों की भर्ती की कल्पना तो और भी कठिन काम है ।

तेल का खेल

डॉ. सुरेश कुमार

तेलूराम जी को किसी ने उनके नाम से छेड़ दिया। छेड़ा तो छेडा तेल का महत्व पूछ लिया। अब वह दुनिया भर को यह बताते-बताते थक गए हैं कि भोजन बनाने और घर जलाने वाले तेल में जमीन आसमान का अंतर होता है। अक्सर लोग यही अंतर करने के चक्कर में तेलूराम से उनका तेल निकालने से कभी नहीं चूकते थे। जब-जब बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़तीं तेलूराम का ब्लड प्रेशर ऊपर-नीचे होने लगता। ऐसा नहीं है कि खाद्य तेल की कीमतें बढ़ने पर उनका तेल नहीं निकलता। निकलता जरूर, लेकिन निकालने वाली पत्नी होती इसलिए थोड़ा निश्चिंत रहते। हालात तो पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों से खराब हो जाती। तेलूराम को कभी-कभी लगता कि सरकार पेट्रोल-डीज़ल की कीमतें उनका नाम देखकर बढ़ाती है। इसी तेल की चिंता में आज तक उनकी तबियत भारत की खड्डु-मड्डु सड़कों की तरह हो गयी है।

पता नहीं कब कीमतें सपाट हो जायेंगी और कब पाताल तक ले जायेंगी। तेलूराम तेल का नाम सुनते ही नाक-भौं सिकोड़ने लगते हैं। खासकर जब भी पेट्रोल बंक के सामने से गुजरते तो उनका तेल बंक में और उनका राम धरती के अंक में समा जाता। जब तक बंक पार नहीं कर जाते तब तक अपने नाम से तेलू को राम से जोड़े रखने का वही प्रयास करते जो एक अल्पमत की सरकार अपने विधायकों को बचाए रखने का प्रायस करती है। वे एक तरह से पेट्रोल-डीज़ल की बढ़ती-चढ़ती कीमतों को बताने वाले चौराहे का घंटा हों। जो भी आता दाम पूछने के बहाने उनके नाम का घंटा बजा जाता। कभी-कभी अपने नाम को लेकर तेलूराम अपने दादा-परदादा को कोसने से कभी नहीं चूकते। कई लोगों को तो यह भी संदेह हुआ कि दुबई के कुँआपति इन्हीं के नाम से अपना मनमाफिक तेल निकालते हैं। वह अपनी शिकायत लेकर किसी के पास जा भी नहीं सकते हैं। देश में पहले से ही बेरोजगारी, महंगाई, कमजोर अर्थव्यवस्था और पड़ोसी देश की लाल आँखें देश का तेल निकाल रही हैं। ऐसे में वह अपनी शिकायत लेकर पहुँचेंगे तो उन्हें देश विरोधी कह कर उनके गले में पाकिस्तान, बंग्लादेश, नेपाल के तेल की कीमतों वाला बोर्ड लटका देंगे। जब भी देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ती हैं तब-तब पड़ोसी देश की कीमतों वाली व्हाट्सपिया सुरसुरी सरकार के नाक में दम करने का काम करती हैं।

ऐसे में तेलूराम को खुद को राष्ट्रभक्त साबित करने के चक्कर में पेट्रोल-डीज़ल की बढ़ी कीमतों का ठीकरा अपने सिर फोड़ देश की राष्ट्रभक्ति में अपना योगदान देने से कभी नहीं चूकते थे।

एक दिन तेलीराम को कुछ लोगों ने सलाह दी कि अपना नाम बदल लें। बहुत कुछ सोचने के बाद अपना नाम राष्ट्रवादी तेलूराम रख लिया।

क्यों गणेश जी ने की थी दो शादियां

गणपति बप्पा की पूजा से बुद्धि, ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। इसके अलावा ऐसी भी मान्यता है जो गणेश उत्सव में बप्पा की सच्चे मन से आराधना करता है उसका हर काम जल्द से जल्द हो जाता है। इसके अलावा गणपति की उपासना से सारे सकंट खत्म हो जाते हैं। अब आज हम आपको बताने जा रहे हैं आखिर क्यों गणपति के दो विवाह हुए थे?

पौराणकि कथा के अनुसार एक बार गणेश जी को तपस्या में लीन देखकर तुलसी जी उन पर मोहित हो गईं। तुलसी जी ने गणपति के सामने शादी का प्रस्ताव रखा लेकिन गणेश जी ने खुद को ब्रह्मचारी बताते हुए शादी करने से इनकार कर दिया। गणपति की बात सुनकर तुलसी जी क्रोधित हो गईं और उन्होंने गजानन को श्राप दे दिया कि तुम्हारे दो विवाह होंगे।

वहीं एक दूसरी कथा के अनुसार भगवान गणेश की शरीर की बनावट के चलते उनसे कोई शादी करने को तैयार नहीं था। गणपति देवी-देवताओं के विवाह में विघ्न डालने लगे। गणपति के इस व्यवहार के चलते देवतागण अपनी परेशानी लेकर ब्रह्माजी के पास पहुंचे।

ब्रह्माजी ने अपनी दो मानस पुत्रियों रिद्धि और सिद्धि को गणेश जी से शिक्षा लेने के लिए उनके पास भेज दिया। जब गणेश जी के समक्ष किसी के विवाह की सूचना पहुंचती,रिद्धि और सिद्धि उनका ध्यान भटका देती।

सभी विवाह बिना विघ्न के संपन्न हो गए, लेकिन जब इस बात का पता गणेश जी को लगा तो वो रिद्धि और सिद्धि पर क्रोधित होकर उन्हें श्राप देने लगें। तब ब्रह्मा जी ने गणपति के सामने रिद्धि-सिद्धि से विवाह का प्रस्ताव रखा।

गणेश जी ने इसे स्वीकार कर लिया। इस तरह गणपति की दो पत्नियां हुईं। गणपति की रिद्धि-सिद्धि से दो संतान हुई, जिनका नाम शुभ और लाभ रखा गया। पौराणक मान्यताओं के अनुसार गणेश जी को आमोद और प्रमोद दो पोते हैं।

श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपती मंदिर,पुणे

श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपती को पुणे शहर के गौरव का उच्चतम स्थान माना जाता है । हर साल भारत भर के और देश विदेशों के अनगिनत भक्त इस भगवान के दर्शन पाने के लिये आते हैं ।हर साल भारत भर के और देश विदेशों के अनगिनत भक्त इस भगवान के दर्शन पाने के लिये आते हैं ।यह मंदिर भक्तों के आदर और भक्ती का स्थान तो है ही, पर इतना ही नहीं, बल्कि समाज-सेवा और संस्कृति-संवर्धन के लिए प्रयत्नशील रही हुई एक महत्त्वपूर्ण संस्था के रूप में भी लोग इसे जानते हैं ।

इतिहास- इस मंदिर के पीछे एक बहुत बडी और वैभवशाली परंपरा रही है । कई साल पहले अपना इकलौता बेटा प्लेग में खोने के बाद श्रीमंत दगडूशेठ और उनकी पत्नी लक्ष्मीबाई, इन दोनों ने इस गणेश मूर्ती की स्थापना की थी । उसके बाद अब हर साल ना केवल श्री दगडूशेठ का परिवार बल्कि आसपास के सभी लोग भाव-भक्ती से और बडे जोश के साथ गणेशोत्सव मनाते रहे ।

तब अपनी जवान उम्र में तात्यासाहेब गोडसे इस गणेश-उत्सव के एक उत्साही कार्यकर्ता थे । बाद में जब लोकमान्य तिलकजी ने आजादी के संघर्ष में लोगों को इकट्ठा करने के लिये गणेशोत्सव को सार्वजनिक उत्सव का रूप दिया तब दगडूशेठ गणपती को सर्वाधिक लोकप्रियता का सम्मान प्राप्त हुआ । १९५२ में दगडूशेठ हलवाई गणपती मंदिर उत्सव के अनुशासन की जिम्मेदारी तात्यासाहेब और उनके मित्र-परिवारपर आ पडी । तात्यासाहेब के मार्गदर्शन में उसके सहयोगी मामासाहेब रासणे, श्री. शंकरराव सूर्यवंशी और श्री. के. डी. रासणे इन लोगो ने यह जिम्मा खूब अच्छी तरह निभाया और उसके बाद यह सिलसिला कभी रुका ही नहीं । उदार दानी व्यक्ती और भक्त मंदिर के दान-पात्र में बहोत उदारता के साथ अपना दान देते रहे ।

तब तात्यासाहेब और उनके मित्र-परिवार ने सोचा, कि इस निधी से अपनेही बांधवोंकी सेवा करने से बढकर ईश्वरसेवा और क्या हो सकती है? इस ध्येय से प्रेरित इन युवकों ने उत्सव के कार्य की व्याप्ती परंपरा प्राप्त पूजा विधी के आगे ले जाकर सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के क्षेत्र में कदम रखा । मंदिर में किये जानेवाले धर्मकार्य तो पूरे तामझाम से होते ही रहे, पर इन्होंने अपने राज्य के सामाजिक और राजनैतिक प्रश्नों की ओर भी अपना ध्यान मोडा।

महत्व- यह मंदिर माहाराष्ट्र के सुंदर नगर पुणे में है। वैसे तो यहां आप साल के किसी भी महीने में आ सकते हैं, मगर गणेश उत्सव के समय इस मंदिर में भक्तों की रौनक और आलीशान सजावट देखते ही बनती है।

मुख्य भक्त- दगड़ूसेठ नाम का एक प्रसिद्ध हलवाई था, जिसने इस मंदिर का निर्माण कराया था। तब से इस मंदिर को दगड़ूसेठ हलवाई के नाम से ही भक्तों ने पुकारना शुरू कर दिया था।

प्रतिमा- दगड़ूसेठ हलवाई गणपति मंदिर में भगवान गणेश की 7.5 फीट ऊंची और 4 फीट चौड़ी प्रतिमा रखी गई है। इस प्रतिमा के केवल चेहरे पर ही 8 किलो सोने का काम किया गया है। इस प्रतिमा के में गणपति के दोनों कान सोने के हैं। प्रतिमा को 9 किलो से भी अधिक वेट का मुकुट पहनाया गया है। देश में मौजूद सभी गणेश प्रतिमाओं में से यह प्रतिमा बेहद खूबसूरत है और इस मंदिर में गणेश जी को हैवी सोनी की ज्वेलरी से सजाया गया है।

इन 5 राशियों के लिए काल बने हैं शनि देव

कलियुग के न्यायाधीश यानि दंडाधिकारी की उपाधि प्रदान की। अब बात करें वर्तमान समय में शनि की साढ़े साती किन राशियों पर चल रही है और शनि की ढैय्या किन राशियों पर चल रही है तो उनके नाम कुछ इस प्रकार हैं।

शनि की साढ़ेसाती किन किन राशियों पर हैं-

धनु राशि

मकर राशि

कुंभ राशि

शनि की ढैय्या किन किन राशियों पर हैं-

मिथुन राशि

तुला राशि

शनि की साढ़े साती कब खत्म होगी?- मिथुन और तुला राशि वालों पर 17 जनवरी 2023 तक शनि की ढैय्या रहेगी। जी हाँ और इन दोनों ही राशियों को शनि ढैय्या से पूर्ण रूप से मुक्ति 2023 में ही मिलेगी। दूसरी तरफ मकर राशि से कुंभ राशि में शनि का प्रवेश होते ही धनु राशि वालों को साढ़े साती से मुक्ति मिल जाएगी और मीन राशि पर साढ़े साती प्रारंभ हो जाएगी। आपको बता दें कि शनि मकर राशि में पंचांग की गणना के अनुसार 17 जनवरी 2023 तक रहेंगे और इसके बाद शनि देव का कुंभ राशि में गोचर होगा।

शनि की साढ़े साती सभी को परेशान करती है और शनि ढैय्या को भी कष्टकारी माना गया है। हालाँकि वर्तमान समय में ये 5 राशियों पर चल रही है और आज हम आपको इन्ही के बारे में बताने जा रहे हैं। जी दरअसल शनि को एक विशेष ग्रह माना गया है और इसका संबंध न्याय से है। कहा जाता है शनि देव ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या की थी ओट इसके बाद प्रसन्न होकर भगवान शिव ने शिव देव को

इस मंदिर से शुरू हुआ था यूपी का पहला गणेश महोत्सव

कानपुर के गणेश मंदिर की खासियत

हम आपको एक ऐसे गणेश मंदिर के दर्शन करवाने जा रहे हैं, जिसका स्वरूप एक तीन मंजिला मकान के जैसा है। इसके साथ ही यहां पर भगवान गणेश के 10 स्वरूप एक साथ मौजूद हैं। उत्तर प्रदेश का यह एक इकलौता मंदिर कानपुर के घंटाघर के पास स्थित है। इसे अंग्रेजी हुकूमत के दौरान मुंबई के लोगों ने बनवाया था।

स्थापना के साथ हुई थी महोत्सव की शुरुआत

सिद्धि विनायक मंदिर की देखरेख करने वाले खेमचंद्र गुप्ता का कहना है कि ब्रिटिश सरकार लोगों को धर्म, जाति और मजहब के नाम पर लोगों को बांट रही थी। उस वक्त छुआछूत को रोकने के लिए बालगंगाधर तिलक ने यहां पर गणेश मंदिर के निर्माण के साथ महोत्सव की शुरुआत की थी। मगर इसके लिए उन्हें अंग्रेजों से भिड़ना पड़ा था क्योंकि यहां भगवान गणेश का मंदिर बनने के लिए अंग्रेजों ने रोक लगा दी थी। कारण बताया गया था कि इस मंदिर के 50 मीटर की परिधि में एक मस्जिद मौजूद थी। इस पर अंग्रेज अधिकारियों का तर्क था कि मस्जिद और मंदिर एक साथ नहीं बन सकते। ऐसे में यहां मंदिर बनवाने के बजाय 3 खंड का मकान बनवाकर भगवान गणेश को स्थापित किया गया था।

1857 की क्रांति की ज्वाला जब अंग्रेजों के खिलाफ पूरे देश में फैल गई। क्रांतिकारी अंग्रेजों को देश से खदेड़ने के लिए लड़ाई लड़ रहे थे तो अंग्रेज भी हुकूमत बचाने के लिए

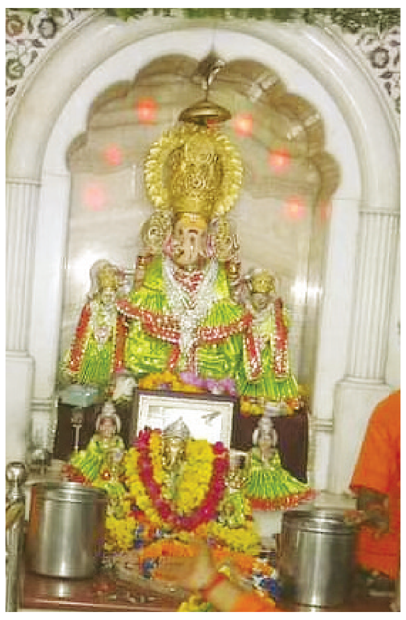

नए-नए हथकंडे आजमा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने जाति और मजहब के नाम पर लोगों को बांटना भी चाहा था लेकिन बालगंगाधर तिलक ने उनके मंसूबों में पानी फेर दिया।

1893 में हुई थी गणेशोत्सव की शुरुआत

सबसे पहले सन 1893 में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने सार्वजनिक तौर पर गणेशोत्सव की शुरुआत की थी। इसके बाद कानपुर में लोगों को जोड़ने के लिए घंटाघर चौराहे पर 1908 में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करवाई और महोत्सव मनाने का ऐलान कर दिया था। मंदिर के देखभाल करने वाले खेमचंद्र गुप्ता बताते हैं कि तिलक जी ने

यहां भूमि पूजन किया और गणपति के लिए एक पंडाल लगवाया था। पंडाल में सैकड़ों की संख्या में लोग आते और जिन्हें अंग्रेजों के साथ ही छुआछूत के खिलाफ लड़ने के लिए जागरूक भी किया गया।

खाली प्लॉट में हुआ था मंदिर का निर्माण

खेमचंद्र गुप्त बताते हैं, 'मेरे बाबा के कुछ व्यापारिक मित्र महाराष्ट्र के थे जो अधिकतर व्यापार के सिलसिले में गणेश उत्सव के समय कानपुर आया करते थे। इन लोगों की भगवान गणेश में अटूट आस्था थी और वो भी उस समय गणेश महोत्सव के समय घर में ही भगवान गणेश के प्रतिमा की स्थापना कर पूजन करते थे, और आखिरी दिन बड़े ही धूमधाम से विसर्जन करते थे।' उन दिनों पूरे कानपुर में यहां अकेले गणेश उत्सव मनाया जाता था। इनकी भक्ति को देख इनके महाराष्ट्र दोस्तों ने उस खाली प्लॉट में भगवान गणेश की प्रतिमा को स्थापित कर वहां मंदिर बनवाने का सुझाव दिया था। बाबा रामचरण के पास एक 90 स्क्वायर फिट का प्लाट घर के बगल में खाली पड़ा था। जहां इन्होंने मंदिर निर्माण करवाने के लिए 1908 में नींव रखी थी।

नींव रखने आये थे बालगंगाधर तिलक

सन 1921 में बाल गंगाधर तिलक ने इस मंदिर में गणेश प्रतिमा की स्थापना के लिए कानपुर आए थे। तिलक जी ने यहां भूमि पूजन तो कर दिया मगर मूर्ति स्थापना नहीं कर पाए क्योंकि पूजन के बाद किसी आवश्यक कार्य की वजह से उनको जाना पड़ा था। इसी दौरान अंग्रेज सैनिकों को यहां मंदिर निर्माण और गणेश जी की मूर्ति के स्थापना की जानकारी मिली तो उन्होंने मंदिर निर्माण पर रोक लगा दी थी।

ऋद्धि और सिद्धि विराजे

इस मंदिर में स्थापित भगवान गणेश की संगमरमर के पत्थर के मूर्ति के अलावा उनके सामने पीतल के गणेश भगवान के साथ उनके बगल में ऋद्धि और सिद्धि को भी स्थापित किया गया है। इस मंदिर की खासियत यह है कि यहां भगवान गणेश के दोनों बेटे शुभ-लाभ को भी स्थापित किया गया है। इसके अलावा दूसरे खंड पर भगवान गणेश के नौ रूप को पुजारियों के कहने पर स्थापित किया गया था। इसके साथ ही इस मंदिर में भगवान गणेश का एक मूर्ति ऐसा है जिसमे दशानन की तरह दस सिर लगे हुए हैं।

किस अंगुली से तिलक लगाना होता है शुभ

प्रत्येक अंगुली से तिलक लगाने का महत्व

हिंदू धर्म के अनुसार, किसी शुभ कार्य के लिए अगर कोई बाहर जाता है तो उसे बीच वाली अंगुली मध्यमिका अंगुली से तिलक लगाना शुभ माना जाता है। इससे उसका कार्य अच्छे से संपन्न होता है। मान्यता है कि मध्यमिका अंगुली शनि ग्रह से संबंध रखती है और शनि ग्रह सफलता का प्रतीक है।

इसी तरह रिंग फिंगर से माथे पर तिलक लगाने से मन को शांति मिलती है। रिंग फिंगर में सूर्य देव निवास करते है। भगवान की तस्वीर पर भी तिलक रिंग फिंगर से लगाया जाता है। हिंदू परंपराओं के अनुसार, अंगूठे से भी तिलक लगाना शुभ होता है। अंगूठे में शुक्र ग्रह का वास होता है।

अंगूठे से तिलक लगाने से व्यक्ति की सेहत अच्छी रहती है। घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। वहीं, मृत्यु के पश्चात व्यक्ति के माथे पर सबसे छोटी अंगुली से तिलक लगाया जाता है, जो उसके मोक्ष की प्राप्ति का प्रतीक माना जाता है।

इन बातों का रखें ध्यान

शास्त्रों में तिलक लगाने के कुछ नियम बताए गए हैं। उन नियमों के अनुसार ही तिलक लगाना शुभ माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, स्नान करने के बाद ही तिलक लगाना चाहिए। इसी तरह तिलक लगाते समय मुंह उत्तर दिशा की तरफ होना चाहिए और साफ हाथों से माथे पर तिलक लगाया चाहिए।

कपिल की वजह से नहीं चल रही अक्षय की फिल्में एक्टर बोले- ये आदमी मेरी सारी चीजों को नजर लगाता है

'द कपिल शर्मा शो' के तीसरे सीजन का नया प्रोमो रिलीज किया गया है। प्रोमो में पहले एपिसोड की कुछ झलक दिखाई दे रही है, जिसमें एक जगह अक्षय कुमार कपिल को ब्लैम करते हुए नजर आएंगे कि कैसे कॉमेडियन उनके हर काम को खराब कर देते हैं। साथ ही अक्षय ने अपनी फिल्मों के फ्लॉप होने का इल्जाम भी कपिल पर लगाते हुए नजर आएंगे।

प्रोमो में कपिल अपने शो पर अक्षय कुमार और रकुल प्रीत सिंह का स्वागत करते हुए पूछते हैं, 'पाजी हर बर्थडे पर आप एक साल छोटे कैसे हो जाते हो।' इस पर अक्षय ने चिढ़कर जवाब दिया, 'ये आदमी इतनी नजर लगाता है मेरी सब चीजों पर, मेरी फिल्मों पर, मेरे पैसे पर नजर डाल दी और अब मेरी कोई फिल्में नहीं चल रही हैं।' अक्षय, रकुल प्रीत सिंह के साथ द कपिल शर्मा शो के सेट पर अपनी फिल्म 'कटपुतली' का प्रमोशन करते नजर आएंगे।

अक्षय ने कुछ हफ्ते पहले अपनी ओटीटी फिल्म 'कटपुतली' का टीजर रिलीज कर फैंस को सरप्राइज कर दिया था। 'कटपुतली' उनकी इस साल की चौथी फिल्म है। यह फिल्म 2 सितंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की गई थी। अक्षय की आखिरी रिलीज रक्षा बंधन थी, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाई थी। रक्षा बंधन का लाइफटाइम डॉमेस्टिक कलेक्शन 44 करोड़ रुपए था। इस साल आई अक्षय की फिल्मों का प्रदर्शन कुछ खास अच्छा नहीं रहा है।

कपिल ने अपने शो से नंदिता दास की डायरेक्टोरियल फिल्म की शूटिंग के लिए ब्रेक लिया था। इस फिल्म में कपिल एक फूड डिलीवरी बॉय के रूप में नजर आएंगे। इस फिल्म का टाइटल 'ज्विगाटो' है। कपिल अब शो के तीसरे सीजन के साथ वापस लौट रहे हैं। द कपिल शर्मा शो 10 सितंबर से रात 9:30 पर ऑनएयर होगा।

विजय देवरकोंडा ने लाइगर की असफलता के बाद प्रोड्यूसर को लौटाएंगे 6 करोड़ रुपए

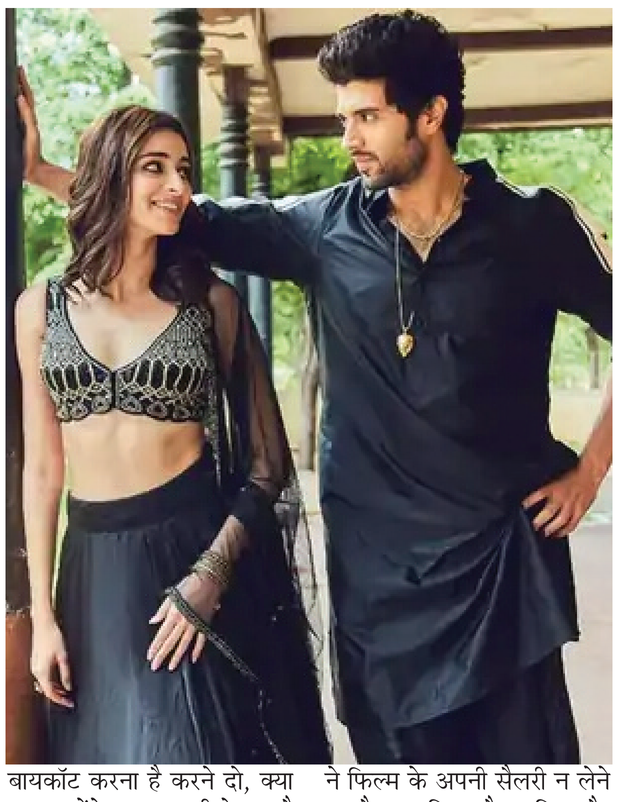

विजय देवरकोंडा स्टारर 'लाइगर' के बॉक्स-ऑफिस फेल्योर ने मेकर्स को शॉक कर दिया है। विजय भी फिल्म को लेकर काफी कॉन्फिडेंट थे, यहां तक कि उन्होंने फिल्म को बायकॉट करने वाले लोगों को भी चैलेंज दे दिया था। अब हाल ही में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, विजय ने मेकर्स को फाइनेंशियल सपोर्ट करने का फैसला लिया है।

100 करोड़ से ज्यादा के बजट में बनी फिल्म

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म 100 करोड़ से ज्यादा के बजट में बनी थी। हालांकि, लाइगर बॉक्स-ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन नहीं कर पाई है। न्यूज 18 की रिपोर्ट के मुताबिक, एक्टर ने मेकर्स को 6 करोड़ से ज्यादा पैसे देने का फैसला किया है। फिल्म के फ्लॉप होने के बाद विजय ने चार्मी कौर और दूसरे को-प्रोड्यूसर्स को सपोर्ट करने का फैसला लिया है। विजय देवरकोंडा अपना अगला प्रोजेक्ट जन गण मन डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ के साथ करने जा रहे हैं। लाइगर के बॉक्स-ऑफिस पर नाकाम रहने से उनकी अगली फिल्म पर भी असर पड़ सकता है।

विजय ने कहा था कि 'जिसे बायकॉट करना है करने दो, क्या उखाड़ लेंगे हमारा। मूवी देखना है तो देखो वरना मत देखो।'

अगली फिल्म के लिए विजय नहीं लेंगे फीस

रिपोर्ट्स के मुताबिक, जन गण मन का बजट लाइगर के फेल्योर को देखते हुए थोड़ा कम कर दिया गया है। विजय और पुरी जगन्नाथ ने फिल्म के अपनी सैलरी न लेने का फैसला किया है। कथित तौर पर यह फैसला दोनों ने बॉक्स ऑफिस पर लाइगर की फेल्योर से हुए नुकसान की भरपाई के लिए लिया है। अगर जन गण मन बॉक्स-ऑफिस पर सक्सेसफुल साबित होती है तो विजय प्रॉफिट को कुछ हिस्सा लेंगे।

विजय के कमेंट से असफल हुई फिल्म

फेमस मराठा मंदिर और गेयटी गैलेक्सी के डायरेक्टर मनोज देसाई ने कुछ दिन पहले विजय के विचारों और बायकॉट कल्चर को मॉक करने के लिए उनका मजाक उड़ाया था। उन्होंने एक्टर पर निशाना साधते हुए कहा था कि उनकी कमेंट की वजह से फिल्म की एडवांस बुकिंग में डेंट लग गया है। विजय इस गलतफहमी को दूर करने के लिए मनोज से मिले थे। मनोज ने इस बात को कंफर्म करते हुए कहा था, ₹हां वो गलतफहमी दूर करने के लिए मुझसे मिलने आए थे और अब सब क्लियर है।₹

मनोज देसाई ने विजय के कमेंट पर जताई थी नाराजगी

लाइगर की रिलीज के बाद देसाई ने विजय पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा था, ₹तुम्हें ये चर्बी आ गई है, कि देखना है तो देखो वरना ना देखो। तापसी पन्नू, आमिर खान और अक्षय कुमार की हालत देख लो क्या हो गई है। थिएटर छोड़ आप तमिल तेलुगु के ओटीटी में काम करो। आपकी कमेंट की वजह से ही लाइगर को इतना नुकसान झेलना पड़ा है।

सीमा सजदेह संग ब्लाइंड डेट पर पहुंचे बादशाह

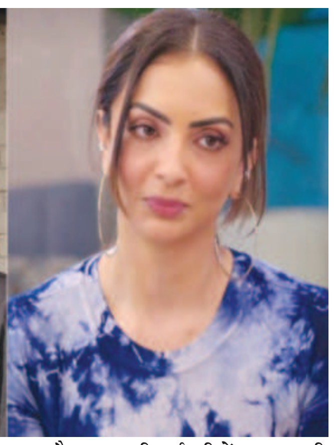

करण जौहर बॉलीवुड के मैचमेकर कहे जाते हैं। उनके शो के जरिए कई सेलेब कपल्स की मुलाकात हुई है। हाल ही में करण ने सोहेल खान की एक्स वाइफ सीमा सजदेह और रैपर बादशाह को मिलाने का काम किया है। दरअसल 2 सितंबर को नेटफ्लिक्स शो फैबुलस लाइफ्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स के दूसरे सीजन का ट्रेलर जारी किया। ट्रेलर में एक सीन है, जिसमें बादशाह सीमा सजदेह के साथ ब्लाइंड डेट पर जाते हैं। यह ब्लाइंड डेट करण जौहर प्लान करते हैं। सीन में बादशाह के आते ही सीमा ब्लश करने लगती हैं, जिस पर करण उन्हें कहते हैं- मैंने आपके लिए ब्लाइंड डेट प्लान की है।

बादशाह ने की सीमा की तारीफ

सीमा ब्लाइंड डेट के लिए तैयार होती हैं, मगर बादशाह के आते ही ब्लश करने लगती हैं और याद की हुई चीजें भूल जाती हैं। दोनों का यह रिएक्शन बेहद क्यूट लगता है। हालांकि, इसके बाद सीमा उन्हें अपना डिजाइन किया हुआ कलेक्शन बादशाह को दिखाती हैं, जिसे देखकर वो बेहद इम्प्रेस होते हैं। बादशाह सीमा की लाइफ में आए बदलाव के बारे में जानना चाहते हैं, जिनके बारे में करण उन्हें हिंट देते हैं कि सीमा और सोहेल के अलग हो चुकी हैं, यही वजह है कि सीमा आउटलुक में बदलाव आए हैं। बादशाह ने सीमा की तारीफ करते हुए कहा- उन्हें अपना पैशन ही फॉलो करना चाहिए।

फैबुलस लाइफ्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है। शो की कहानी बॉलीवुड स्टार्स की वाइव्स की लाइफ पर बेस्ड है। शो में सोहेल खान की एक्स वाइफ सीम सजदेह, संजय कपूर की वाइफ महीप कपूर, चंकी पांडे की वाइफ भावना पांडे और समीर सोनी की वाइफ नीलम कोठारी मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा अर्जुन कपूर, अनन्या पांडे, जैकी श्रॉफ, गौरी खान, संजय कपूर, बादशाह और करण जौहर गेस्ट अपीयरेंस में हैं।

सोहेल खान से अलग हो चुकी हैं सीमा

फैशन डिजाइनर सीमा सजदेह और बॉलीवुड एक्टर-डायरेक्टर सोहेल खान 24 साल बाद एक-दूसरे से अलग हो गए हैं। सीमा अपने बच्चों के साथ सोहेल से अलग रहने लगी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना नाम भी बदल दिया है। मूव ऑन करने के बाद ऐसा लगता है कि करण सीमा और बादशाह की केमिस्ट्री सेट करना चाहते हैं।

बॉक्स-ऑफिस पर पॉजिटिव ट्रेंड सेट कर सकती है ब्रह्मास्त्र

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट स्टारर 'ब्रह्मास्त्र' 9 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस बॉलीवुड फिल्म से लोगों को काफी उम्मीदें हैं। फिल्म की एडवांस बुकिंग शुक्रवार यानी की 2 सितंबर से शुरू हो गई है। बुकिंग शुरू होने के बाद से इस फिल्म ने थिएटरों में पॉजिटिव ट्रेंड सेट कर दिया है।

'ब्रह्मास्त्र' के रिलीज वीकेंड के लिए सिर्फ एक चेन में 10 हजार से ज्यादा टिकट की बुकिंग की गई। जबकि फिल्म की दूसरी चेन्स की बुकिंग थोड़ी लेट खुली थीं। प्रेजेंट ट्रेंड से पता चलता है कि 'केजीएफ 2' को छोड़कर 'ब्रह्मास्त्र' कोविड के बाद सबसे ज्यादा एडवांस बुकिंग नंबर्स रिकॉर्ड करेगी।

फिल्म की एक पॉजिटिव शुरुआत हो सकती है। अब यह देखना बाकी है कि इतने बड़े स्केल पर रिलीज हो रही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर क्या खास कमाल दिखा पाती है। 'ब्रह्मास्त्र' के आस-पास कोई फिल्म भी रिलीज नहीं हो रही है, ऐसे में उम्मीद है कि यह फिल्म बॉलीवुड के सूखे को खत्म कर देगी।

410 करोड़ के बिग बजट में बनी है फिल्म

ब्रह्मास्त्र अब तक की सबसे महंगी फिल्मों में से एक होगी। रिलीज के पहले से ही खबरें आ रही हैं कि इस फिल्म का बजट 410 करोड़ रुपए से ज्यादा का है। RRR,साहो, बाहुबली, 2.0 के अलावा अब तक की सबसे बिग बजट फिल्म साल 2018 में आई ठग्स ऑफ हिंदोस्तान थी। अब हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'ब्रह्मास्त्र' बॉलीवुड की सबसे महंगी फिल्म बन गई है।

'ब्रह्मास्त्र' वर्ल्ड वाइड 8000 स्क्रीन्स पर रिलीज होगी

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, बिग बजट फिल्म होने के कारण मेकर्स ने इसे वर्ल्ड वाइड 8000 स्क्रीन्स पर रिलीज करने का फैसला किया है। इसमें से 5000 स्क्रीन्स भारत में होंगी और बाकी 3000 ओवरसीज स्क्रीन अलॉट की गई हैं। मेकर्स ने इसके प्री-लॉन्च इवेंट और स्क्रीन के लिए भी काफी पैसा खर्च किया है।

बॉक्स-ऑफिस पर लगातार फिल्में फ्लॉप होने पर रकुल बोलीं- वक्त बदल गया है, अब खुद को इंवॉल्व करना जरूरी है

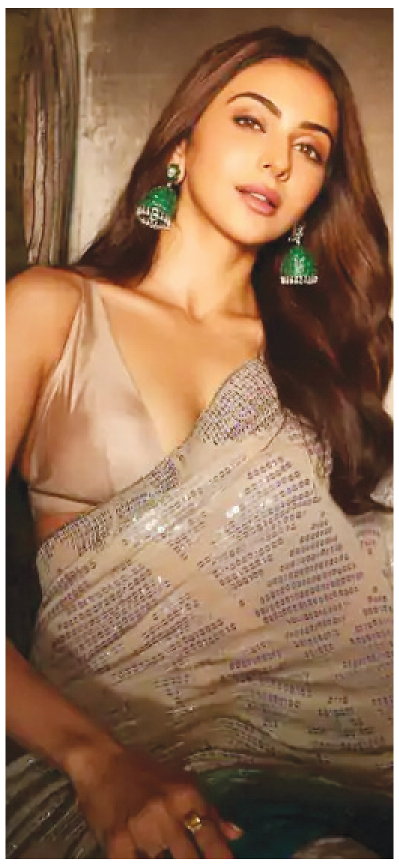

अब तक साल 2022 बॉलीवुड इंडस्ट्री के लिए अच्छा नहीं रहा है। साल खत्म होने में केवल कुछ ही महीने बाकी हैं और इंडस्ट्री से जुड़े लोग बस ये आस लगाकर बैठे हैं कि एक बार फिर से हिंदी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखाना शुरू कर दें। ऐसे में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह की फिल्म 'अटैक' और 'रनवे 34' भी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। गौर फरमाने वाली बात ये है कि इस साल एक्ट्रेस की कुल मिलाकर 7 फिल्में रिलीज होने वाली हैं।

रकुल कहती हैं, 'देखिए, इस बात में कोई दोराय नहीं है कि सभी की तरह हमें भी फिल्म की अच्छी परफॉर्मेंस की उम्मीद थी, लेकिन बॉलीवुड के लिए फिलहाल समय सही नहीं है। ये ऐसा समय है, जिसमें हमें भी नहीं पता कि सिनेमाघरों में क्या चलेगा और क्या नहीं। हर दिन कई फिल्में रिलीज होती हैं, जाहिर है कि इससे हर दिन उम्मीद भी रहती है। अब हमें इस बात को स्वीकार करना होगा कि वक्त बदल गया है और इसके साथ-साथ ऑडियंस का टेस्ट भी बदल गया है। इस इंडस्ट्री का हिस्सा होने के नाते, हमें इवॉल्व होना जरूरी है। अगर कोई फिल्म अच्छी होगी तो ऑडियंस थिएटर जरूर जाएगी।'

रकुल आगे कहती हैं, 'हमेशा एक वक्त ऐसा आता है, जब आपको ऑडियंस की टेस्ट समझ आती है और फिर आप उसी के इर्द-गिर्द फिल्में बनाते हैं। फिर एक वक्त आता है, जब उनका ये टेस्ट चेंज होता है और फिर मेकर्स को उसे समझने में थोड़ा वक्त लगता है। हम भी उसी दौर से गुजर रहे हैं। फिल्में नहीं चल रही हैं और ऐसे में हम सिर्फ और सिर्फ ज्यादा मेहनत करने का सोच सकते हैं। बतौर एक्टर अब मैं ऑडियंस और उनके पसंद के नजरिये से ही फिल्में साइन करने का सोचूंगी। उम्मीद यही है कि हम सभी मिलकर ज्यादा से ज्यादा मेहनत करें, जिससे लोग हमारी फिल्में एन्जॉय कर सकें।'

रकुल की अपकमिंग फिल्म 'कटपुतली' डिजिटल प्लेटफार्म पर रिलीज हो रही है। क्या बॉक्स-ऑफिस की हालिया स्थिति देखकर फिल्म थिएटर के बजाए ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज करने का फैसला लिया गया? इस पर रकुल कहती हैं, 'जी नहीं, ये फिल्म शुरूआत से ओटीटी प्लेटफार्म के लिए ही बनाई गई थी और मैं मेकर्स के इस फैसले से बहुत संतुष्ट हूं। साथ ही मुझे लगता है कि थ्रिलर एक ऐसी शैली है, जिसे ओटीटी पर एन्जॉय किया जाता है। हमारे लिए बस यही मायने रखता है कि लोग हमारी फिल्म एन्जॉय करें, फिर चाहे कोई भी प्लेटफार्म क्यों ना हो। पर्सनली, मैं इस प्लेटफार्म पर कंटेंट देखना बहुत पसंद करती हूं, मुझे उम्मीद है कि लोग भी हमारी फिल्म को प्यार देंगे।'

रकुल फिल्म में अपने कैरेक्टर के बारे में बात करते हुए कहती हैं, 'इसमें मेरा किरदार दिव्या एक स्कूल टीचर है। वो बहुत ही मेच्योर, स्मार्ट और इंटेलीजेंट है। इस किरदार की खासियत ये है कि इससे मुझे साइन लैंग्वेज सीखने को मिली। मैं अपने आपको बहुत खुशनसीब मानती हूं कि फिल्मों के जरिए मुझे नए-नए स्किल्स सीखने को मिलते हैं। मैं अब तक कि अपनी जर्नी से बहुत संतुष्ट हूं।'

रकुल ने बातचीत के दौरान, ये भी बताया कि वो भविष्य में किस तरह की फिल्में करना पसंद करेंगी। रकुल ने साझा किया कि उन्होंने साउथ में अलग-अलग शैलियों की फिल्में की हैं और अब वो इस इंडस्ट्री में एक्सपेरिमेंट करने के लिए तैयार हैं। इस बारे में बात करते हुए वो कहती हैं, 'मेरे हिसाब से हमारे देश में ऐसी कई महान कहानियां हैं, जिन्हें हम बायोपिक के जरिए लोगों को बता सकते हैं। अगर मौका मिला तो मैं स्पोर्ट्स बायोपिक का हिस्सा बनना चाहूंगी। इसके साथ ही मुझे लव स्टोरीज भी बहुत पसंद हैं। मैंने अब तक लव स्टोरीज में ज्यादा एक्स्प्लोर नहीं किया है। खेर, अभी तो शुरुआत है।' आपको बता दें, फिल्म 'कटपुतली' में रकुल एक्टर अक्षय कुमार के अपोजिट नजर आएंगी।

करियर पर श्वेता बासु प्रसाद बोलीं : जब लगने लगेगा कि सब कुछ हासिल कर लिया, तब ग्रोथ नहीं होगी

श्वेता बासु प्रसाद की हाल ही में सीरीज क्रिमिनल जस्टिस-3 रिलीज हुई है। इसमें उन्होंने पहली बार लॉयर की भूमिका निभाई है। सीरीज में मेरा लेखा का किरदार पंकज त्रिपाठी के कैरेक्टर माधव मिश्रा को टक्कर देता है। आदित्य गुप्ता द्वारा निभाए जाने वाले किरदार मुकुल को लेकर दोनों की कहानी लास्ट तक जाती है, इसे देखने में लोगों को जितना मजा आया, उतना मजा इसे करते हुए मुझे भी आ रहा था। मैं मानती हूं कि पहले दर्शक और बाद में अभिनेत्री हूं। मैं स्वयं इस सीरीज को करते समय देखने के लिए एक्साइटेड थी, क्योंकि स्क्रिप्ट पढ़ते समय बहुत मजेदार लगी थी। सच कहूं तो इसी स्क्रिप्ट एक बार में ही पढ़ा था और यह भाव तब आता है, जब कहानी काफी दिलचस्प हो। कहानी और मेरा किरदार, दोनों बहुत दिलचस्प है। इसमें ग्रे लाइन का एक नया पहलू देखने को और साथ में काफी कुछ जानने को भी मिला। इसमें इंफॉर्मेशन और मनोरंजन, दोनों है। शायद यही वजह है, जो दर्शकों को मजा आ रहा है।

पंकज जी मुझसे बहुत सीनियर हैं। मैं तो अभी भी सीख रही हूं। उनके साथ सीरीज में दोबारा काम किया। इससे पहले ताशकंद फाइल्स फिल्म की थी। बतौर ऑडियंस और को-स्टार, दोनों लिहाज से पकंज की बहुत बड़ी फैन रही हूं। इंडस्ट्री में ऐसे बहुत कम एक्टर हैं, जो इतने सुलझे, सिंपल होते हैं। ज्यादातर एक्टर सेट पर आते ही सारा अटेंशन अपनी तरफ कर लेते हैं। वहीं पंकज जी कब सेट पर आए और कब चले गए, पता नहीं चलता। सेम टाइम वे उतने ही पावरफुल अभिनेता हैं। उन्हें एक बार कुछ करते देख लिया तो उतने में ही चार-पांच चीजें सीख जाते हैं।

पहली बार मैंने क्रिमिनल जस्टिस-3 में लॉयर की भूमिका निभाई है। सच कहूं कि इसके लिए रियल लाइफ में किसी लॉयर से नहीं मिली और न ही किसी केस की स्टडी की। मेरे लिए किरदार को बनाना ज्यादा इंपॉर्टेंट है। फिर तो वह लॉयर, जर्नलिस्ट, हाउस वाइफ कुछ भी हो सकती है। वह तो उसका काम है, पर रोल और कैरेक्टर अलग होते हैं। मैं कैरेक्टर को निभाने से पहले उसकी बैक स्टोरी लिखती हूं। उसकी पैदाइश कहां हुई, कहां पढ़ी-लिखी और किस माहौल में बड़ी हुई है।

मुझे जब क्रिमिनल जस्टिस-3 की स्क्रिप्ट मिली, उसके बाद मेरे पास सिर्फ 20 से 25 दिन थे। आई थिंक, दिसंबर के आसपास मुझे स्क्रिप्ट मिली थी और जनवरी में शूट कर रहे थे। इसके डायलॉग काफी टेक्निकल थे। उस पर काफी ध्यान देना था। खैर, इस 20-25 दिन मैं रोजाना शाम 6 बजे से 8 बजे तक अपने सारे सीन सिर्फ पढ़ती थी। उसे याद नहीं करती थी। जब तक सेट पर नहीं गई, तब तक मैंने कुछ 100 से 150 बार अपने सीन पढ़ लिया था।

प्रेग्नेंसी के सवाल पर अंकिता लोखंडे का रिएक्शन : बोलीं-अभी तो मैं खुद हूं बच्ची

टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे की प्रेग्नेंसी की अफवाह सुर्खियों हैं। बीते दिनों खबरें आ रहीं थी कि एक्ट्रेस मां बनने वाली हैं। हालांकि अब इन खबरों पर अंकिता का रिएक्शन सामने आया है। दरअसल, एक्ट्रेस जी-टीवी के रियलिटी शो डीआईडी सुपर मॉम के स्पेशल एपिसोड में गई थी, जिसका प्रोमो सामने आया है। इस एपिसोड में अंकिता अपनी ऑन स्क्रीन सास उषा नाडकर्णी बतौर गेस्ट पहुंचे थे। शो में एक्ट्रेस से जब प्रेग्नेंसी पर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा- कि वो और विक्की बेहद खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं, हमारा अभी पेरेंट्स बनने का कोई भी इरादा नहीं है।

एक्ट्रेस ने रियलिटी शो का प्रोमो अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। जिसमें वो और शो की जज उर्मिला मातोंडकर के साथ फिल्म रंगीला के गाने पर डांस करती नजर आईं। शो पर मौजूद भाग्यश्री और उषा नाडकर्णी दोनों का डांस देखकर तालियां बजाते हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस खूबसूरत व्हाइट साड़ी में नजर आईं।

शो के दौरान होस्ट जय भानुशाली ने अंकिता से कहा- अब बता भी दो अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में- जिस पर अंकिता ने बच्चे की आवाज में उन्होंने कहा - मैं अभी खुद एक बेबी हूं।' अंकिता की इस बात पर उषा जी भी रिएक्ट करने से खुद को रोक नहीं पाईं। अंकिता के कहते ही उन्होंने अपनी गोद की तरफ इशारा करते हुए कहा- तो आजा। उषा जी के इस अंदाज पर अंकिता समेत शो के सभी जज हंस कर ठहाके लगाने लगे।

विक्की और अंकिता कुछ समय पहले गोवा वेकेशन पर गए थे। एक्ट्रेस ने ट्रिप की फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर की थीं, जिसमें विक्की उनके पेट पर हाथ रखे नजर आए। इन फोटोज के बाद से ही अंकिता की प्रेग्नेंसी के कयास लगाए जाने लगे। हालांकि एक्ट्रेस ने ऐसी खबरों से इनकार कर दिया है।

कैसे चुनें अच्छा कॉलेज ? ये टिप्स करेंगे मदद

12वीं की परीक्षा के बाद अगला मिशन होता है किसी अच्छे कॉलेज में एडमिशन। चूंकि पूरा करियर कॉलेज के सिलेक्शन पर डिपेंड करता है। इसलिए कॉलेज का सिलेक्शन करते समय पूरी सावधानी रखनी चाहिए। यहां हम आपको बता रहे हैं वे बातें जो कॉलेज चुनते समय ध्यान में रखेंगे तो भविष्य में प्रॉब्लम नहीं होंगी :

1. मान्यता प्राप्त है या नहीं?

किसी भी कॉलेज में एडमिशन लेने से पहले इस बात का जरूर पता लगा लेना चाहिए कि वह किसी यूनिवर्सिटी से मान्यतप्राप्त भी है या नहीं। इस दिनों ऐसे कई कॉलेज हैं जो ऊपर से काफी अच्छे नजर आते हैं, लेकिन उन्हें किसी की मान्यता ही प्राप्त नहीं होती।

2. कोर्स कितना रेपुटेटेड है?

कॉलेज का चुनाव करते समय यह भी ध्यान रखें कि आप वहां से जो कोर्स करना चाहते हैं, उसकी रेपुटेशन कैसी है। करियर में वह कोर्स काम आएगा या नहीं। कई बार ऐसा भी होता है कि अच्छे कॉलेज से किए गए कोर्स का भी कोई महत्व नहीं होता। इसका पता कोर्स से संबंधित एक्सपर्ट या उस कोर्स को करने वाले पूर्व स्टूडेंट्स से लगाया जा सकता है।

3. फेकल्टी कैसी है?

कॉलेज का चुनाव करते समय इस बात का भी विशेष ध्यान रखें कि वहां की फेकल्टी की इमेज कैसी है। इसका पता कॉलेज के पूर्व स्टूडेंट्स से आसानी से लगाया जा सकता है।

प्लेसमेंट रिकॉर्ड कैसा है?

अगर आप किसी प्रोफेशनल कोर्स में एडमिशन लेने की प्लानिंग कर रहे हैं तो यह भी जरूर देखना चाहिए कि कॉलेज का प्लेससमेंट रिकार्ड कैसा है। कैंपस प्लेसमेंट के बारे में अधिक जानकारी वहां से पास हो चुके स्टूडेंट्स से मिल सकती है। कॉलेज के टीचर्स से भी इसका पता लगाया जा सकता है।

5. लोकेशन कैसी है?

लोकेशन भी काफी मायने रखती है। कॉलेज आपके घर से कितना दूर है? किस लोकेलिटी में है? इसका भी ध्यान रखना चाहिए। अगर आप किसी दूसरे शहर में रहकर पढ़ाई करने की प्लानिंग कर रहे हैं तो यह देख लें कि जिस जगह पर कॉलेज है, उसके आसपास माहौल कैसा है।

आर्ट्स स्ट्रीम से 12वीं करने के बाद इन क्षेत्र में बनाएं करियर

10वीं के बाद करियर को लेकर अक्सर स्टूडेंट्स समझ नहीं पाते कि आगे क्या करें. साइंस, कॉमर्स और आर्ट्स में कंफ्यूज हो जाते हैं. हालांकि कुछ स्टूडेंट्स पहले से ही तय कर चुके होते हैं कि उन्हें आर्ट्स लेना है. लेकिन कई लोगों को ये भी लगता है कि आट्स के बाद करियर के लिए बहुत कम ऑप्शन है. लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें, कि आप आर्ट्स लेकर भी बेहतर करियर बना सकते हैं कई ऐसे फील्ड हैं जहां केवल आर्ट्स की डिमांड होती है. केवल यही नहीं आप आर्ट्स लेने के बाद कई वोकेशनल कोर्स कर सकते हैं, जिसके बाद आप प्रोफेशनल नौकरी कर सकते हैं. आर्ट्स स्ट्रीम से 12वीं की परीक्षा पास करने वाले छात्रों के पास सरकारी नौकरी पाने का सबसे ज्यादा मौका होता है.

बैचलर इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन

12वीं पास करने के बाद आप बैचलर इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन कर सकते हैं. ये फील्ड काफी शानदार और कमाल का है. मीडिया इंडस्ट्री या पत्रकारिता के क्षेत्र में जिन छात्रों का मन लगता है या वह छात्र जो एक क्रिएटिव राइटिंग, फिल्म मेकिंग और सिनेमैटोग्राफी जैसे चीजों में दिलचस्पी रखते हैं उनके लिए ये कोर्स काफी अच्छा है. वे ये कोर्स आसानी से कर सकते हैं. इस कोर्स कई जगहों से किया जा सकता है सरकारी कॉलेज सहित कई प्राइवेड संस्थान भी ये कोर्स करवाते हैं.

बैचलर इन फैशन डिजाइनिंग

डिजाइनिंग या आर्ट एंड क्राफ्ट जैसे चीजों में लगता इच्छा रखने वाले स्टूडेंट्स बैचलर इन फैशन डिजाइनिंग का कोर्स कर सकते हैं. ये क्षेत्र काफी पॉपुलर और अच्छा है दिन पर दिन इसकी डिमांड बढ़ती ही जा रही है. भारत में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी यह कोर्स काफी बड़े स्तर पर कराता है. फैशन इंडस्ट्री में इसकी डिमांड भी काफी बढ़ती ही जा रही है. आट्स के बाद आप ये कोर्स आसानी से कर सकते हैं. सरकारी कॉलेज सहित कई प्राइवेट कॉलेज ये कोर्स करवाते हैं.

बैचलर इन फाइन आर्ट्स

चित्रकारी, फोटोग्राफी या मूर्तिकला जैसे विषयों में अगर आपकी दिलचस्पी है तो आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं. 12वीं के बाद इन कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं. इस फील्ड में अपार संभावनाएं हैं. क्रिएटिव माइंड के छात्रों के लिए यह कोर्स कई क्षेत्र में कारगर साबित होता है. दिन पर दिन इसकी डिमांड भी काफी बढ़ती जा रही है. आट्स करने के बाद आपके लिए ये भी एक अच्छा करियर ऑप्शन है.

बीए एलएलबी

12वीं के बाद अगर आगे की कोर्स को लेकर समझ नहीं पा रहे हैं तो आप लॉ भी कर सकते हैं. लॉ क्षेत्र में जाकर भी बेहतरीन करियर बना सकते हैं. 3 साल की बी ए एलएलबी या 5 साल का इंटीग्रेटेड एलएलबी कोर्स के भी ऑप्शन है. लॉ करने के साथ केवल वकील ही नहीं कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां आप नौकरी कर सकते हैं, सरकारी नौकरी से लेकर प्राइवेट जॉब्स लेकर कई ऑप्शन हैं. मल्टीनेशनल कंपनियों में भी अच्छे पैकेज पर लीगल कंसल्टेंट्स की नौकरी हासिल कर सकते हैं. लॉ करने के बाद जज की भी तैयारी कर सकते हैं.

मेडिकल ऑफिसर सहित 132 पदों पर निकली भर्ती,

नेशनल हेल्थ मिशन, महाराष्ट्र ने जिला एकीकृत स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सोसायटी चंद्रपुर के तहत मेडिकल ऑफिसर, स्टाफ नर्स और MPW के पदों को भरने के लिए आवेदन मांगे हैं। योग्य उम्मीदवार जो इन पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे नेशनल हेल्थ मिशन, महाराष्ट्र की ऑफिशियल वेबसाइट zpchandrapur.co.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। इन पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इन पदों पर आवेदन की आखिरी तारीख 6 सितंबर है।

पदों की संख्या : 132

योग्यता : मेडिकल ऑफिसर – MBBS की डिग्री होनी चाहिए।

नर्स – बी.एससी. नर्सिंग / जीएनएम नर्सिंग काउंसिल रजिस्ट्रेशन के साथ रजिस्टर्ड होना चाहिए।

MPW पुरुष – उम्मीदवारों को साइंस विषय के साथ 12वीं पास होना चाहिए। साथ ही पैरामेडिकल बेसिक ट्रेनिंग कोर्स या सेनेटरी इंस्पेक्टर का कोर्स किया हुआ होना चाहिए।

आयु सीमा : 38 साल

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया में जूनियर असिस्टेंट सहित 156 पदों पर निकली भर्ती

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया में जूनियर असिस्टेंट और सीनियर असिस्टेंट के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे गए हैं। योग्य उम्मीदवार जो इन पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ऑफिशियल वेबसाइट aai.aero पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। इन पदों के लिए आवेदन 1 सितंबर से शुरू हो रहे हैं।

आवेदन की आखिरी तारीख : 30 सितंबर 2022

योग्यता : जूनियर असिस्टेंट (फायर सर्विस) – उम्मीदवारों को किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से कक्षा 10वीं के साथ 3 सालों का ऑटोमोबाइल या मैकेनिकल में डिप्लोमा होना चाहिए। या किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12वीं पास होने के साथ भारी वाहन चलाने का लाइसेंस होना जरूरी है। जूनियर असिस्टेंट (ऑफिस)- किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए।वरिष्ठ सहायक (लेखा)- किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से कॉमर्स में ग्रेजुएट होने के साथ 3 या 6 महीने का कंप्यूटर सर्टिफिकेट भी होना चाहिए। सीनियर असिस्टेंट (राजभाषा)- किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से हिंदी या अंग्रेजी में ग्रेजुएट होने के साथ पोस्ट ग्रेजुएट होना चाहिए।

इंटरव्यू जाने से पहले ध्यान रखें ये बातें

लाइफ में सफल होने के लिए हर व्यक्ति एक अच्छी जॉब चाहता है, लेकिन कई सारी क्वालिटी होने के बावजूद भी मनपसंद नौकरी पाने में असफल हो जाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि जॉब इंटरव्यू में हम खुद को सही तरीके से रिप्रजेंट नहीं कर पाते हैं। लिखित परीक्षा के बाद इंटरव्यू एक ऐसा प्रोसेस हैं, जहां कैंडिडेट की डिग्री से लेकर बातचीत के तरीके तक को जज किया जाता है। अगर वह इंटरव्यूवर के सभी पैमानों पर खरा उतरता है तो नौकरी उसके हाथ में हो जाती है।

नौकरी पाने की प्रक्रिया बिल्कुल एक शेयर मार्केट की तरह है, जहां हर शेयर की एक कीमत होती है। आसान भाषा में कहे तो इंटरव्यू में कैंडिडेट्स खुद को बेचने की पूरी कोशिश करते हैं और इंटरव्यूवर आपको खरीदने के लिए पर्याप्त कारण ढूंढते हैं। ऐसे में जॉब के लिए जब भी प्रयास करें तो कुछ बातों का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। जॉब इंटरव्यू के दौरान एचआर डिपार्टमेंट आपकी छोटी से छोटी बात को नोटिस करता है। उस जॉब के लिए आपकी सिर्फ एजुकेशन क्वालिफिकेशन होना ही काफी नहीं है और भी कई चीजें हैं, जिसे ध्यान में रखने से नौकरी पाने में आसानी होगी।

इंटरव्यू के लिए न करें देर

इंटरव्यू के लिए सबसे पहला पॉजिटिव इम्पैक्ट आपका वहां समय पर पहुँचना होगा। हालाँकि इन दिनों कोविड 19 की वजह से अधिकतर इंटरव्यू ऑनलाइन ही किए जा रहे हैं। ऐसे में आपका 15 मिनट पहले पहुंचना अच्छा सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

रिसर्च के हैं बहुत मायने

कभी भी किसी इंटरव्यू के लिए उस कंपनी के बारे में रिसर्च किए बिना न जाएं। जाने से पहले कंपनी की वेबसाइट को एक बार अच्छे से जरुर पढ़ लें, कि कहीं वो कंपनी किसी वजह से अगर खबरों में रही हो और इंटरव्यू के दौरान आपसे उसी खबर से जुड़ा कुछ पूछ लिया जाए, और आपको उसके बारे में कोई जानकारी ही नहीं है तो यह चीज आपके लिए बहुत नेगेटिव साबित हो सकती है।

अपने पहनावे का रखें खास ख्याल

कहते हैं कि आपका पहनावा आपके बारे में बहुत कुछ बयान करता है, और यह बात इंटरव्यू के दौरान भी ध्यान में रखी जाती है। कंपनी के अधिकारी भी कैंडिडेट के पहनावे को ओब्सर्व करते हैं कि कैंडिडेट इस इंटरव्यू को कितना सीरियस ले रहा है। इसीलिए इंटरव्यू में जाने के लिए हमेशा प्रोफेशनल ड्रेस कोड का ही चयन करें।

जल्दी-जल्दी न बोलें

उत्साही होना अच्छी बात है लेकिन इतना भी उत्साही होना नहीं चाहिए, कि आप बिजली की रफ्तार से बात करने लग जाएं। एक्सपर्ट्स की मानें तो इंटरव्यू के दौरान जल्दी-जल्दी बोलना एक बड़ी गलती साबित हो सकती है। इसलिए सहजता के साथ बात करें और अपना आत्मविश्वास दिखाएं।

रिज्यूमे को कैसे करें पेश

जिस तरह किसी भी कंपनी में अप्लाई करने से पहले आप कवर लैटर बनाते हैं, वैसे ही रिज्यूमे पर भी आपकी तैयारी होनी जरुरी है। जब आपसे आपके रिज्यूमे के बारे में बताने के लिए कहा जाए, तो ऐसे में बिना किसी हिचकिचाहट के आपको उसके बारे में बताना आना चाहिए। अपने जिस भी कंपनी में अब तक काम किया हो, उस जॉब की खास बात पॉइंटर्स में पेश करें। जाहिर है की आपका करियर एक या दो पन्नों में सिमट कर नही रह सकता। ऐसी बहुत सी बातें हैं जो आप रिज्यूमे में नही लिख पाए हों, तो ऐसे में रिज्यूमे के अलावा अपने करियर गोल्स बताना एक पॉजिटिव प्रभाव देता है।

खुद को कैसे दिखाएं खास

कभी भी यह नही भूलें कि किसी भी इंटरव्यू में आप अकेले कैंडिडेट नही हैं, वहां आपके जैसे दर्जन भर कैंडिडेट हो सकते हैं। इसीलिए खुद को बाकी लोगों से अलग दिखाने के लिए उदहारण के साथ बताएं कि आप क्यों उस पद के लिए एक परफेक्ट मैच हैं। और क्यों वे उस पद के लिए आपको चुनें जिससे उनकी कंपनी को फायदा मिले।

थ्री स्ट्रेंथ और वीकनेस

लगभग सभी इंटरव्यू में आपसे आपकी तीन स्ट्रेंथ और वीकनेस के बारे में पूछा जाता है। ऐसे में आपको तीन खास स्ट्रेंथ के बारे में उदहारण के साथ पेश करना भी आना चाहिए। वहीं बात करें आपकी वीकनेस कि तो, यह काफी पेचीदा सवाल है। क्योंकि इसे बताने पर इंटरव्यू लेने वाले के सामने आपका इम्प्रेशन खराब पड़ सकता है।

सवाल पूछने में हिचकिचाएं नहीं

ज्यादातर लोग सवाल पूछने में कतराते हैं, क्योंकि ऐसा किसी बात को समझने में रही हेर-फेर की वजह से होता है। लेकिन कैंडिडेट को कभी भी इंटरव्यू में सवाल पूछने में हिचकिचाना नहीं चाहिए। आप अपनी वर्क प्रोफाइल की डिटेल, कंपनी के बारे में और आने वाले समय में कंपनी की योजनाओं के बारे में पूछ सकते हैं।

क्या हर सवाल का जवाब देना जरूरी है

जी नहीं, ऐसा बिलकुल नही है। हम सभी जानते हैं की सबको सब कुछ नही आता, इसीलिए ऐसा न सोचें कि आपको हर सवाल का जवाब देना जरुरी है। इंटरव्यू के दौरान एक समय ऐसा जरुर आता है, जब आप ऐसी स्टेज पर होते हैं जिनके जवाब आपको नही मालूम। ऐसे में आप सहजता के साथ बोल सकते हैं कि आपको नही पता।

फीडबैक लेना न भूलें

लास्ट बट नॉट द लीस्ट, मान लीजिए इंटरव्यू के बाद यदि आपका सलेक्शन नही होता है, तो आप उनसे अपने बारे में फीडबैक लेना बिलकुल न भूलें। इससे आपको अपनी कमियों के बारे में पता लगेगा और आप उन कमियों को सही करने के लिए खुद पर काम कर पाएँगी।

शॉर्ट हो या लॉन्ग ड्रेस डेनिम जैकेट के साथ दें डिफरैंट लुक

मौसम कोई भी हो डैनिम का फैशन और क्रेज यंगस्टर में हमेशा बना रहता है। जींस के अलावा डैनिम ड्रैस, शॉर्ट्स, शर्ट्स और यहां तक की जैकेट्स भी गर्ल्स के वॉर्डरोब का जरूरी हिस्सा हैं। यहीं कारण है कि इनमें अब अनेक डिजाइन भी मार्कीट में उपलब्ध हैं। डेनिम जैकेट का फैशन हमेशा एवरग्रीन रहता है जिसे सर्दी-गर्मी दोनों मौसम में कैरी करके स्टाइलिश दिखा जा सकता है। अगर आप भी इस सर्दी डेनिम जैकेट को अपने फैशन स्टेटमेंट का हिस्सा बनाना चाहती है तो आज हम आपको कुछ डिफरैंट स्टाइल की डेनिम जैकेट्स दिखाएंगे जो विंटर सीजन में आपके वॉर्डरोब में जरूर होनी चाहिए।

बच्चों पर परीक्षा का प्रेशर न बनाएं...बात करें, समझें उनकी दिक्कतें

कॉम्पिटिटिव एग्जाम्स (प्रतियोगी परीक्षा) हो या स्कूल की परीक्षाएं, तैयारी करते समय बच्चों पर बहुत प्रेशर होता है, लेकिन पेरेंट्स के एटीट्यूड से बहुत कुछ हासिल हो सकता है। यदि आपका बच्चा/बच्ची स्कूल में परीक्षा देने वाला है या किसी कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी कर रहा है, तो ये जरूर पढ़िए।

बच्चे को समय दें, उससे बात करें

गपशप करना इंसानों के लिए अच्छा स्ट्रेस-बस्टर होता है। बच्चों से हमेशा पढ़ाई की ही बातें ना करते रहें। थोड़ी इधर-उधर की हल्की-फुल्की बातें करना बहुत अच्छे रिजल्ट दे सकता है। इससे बच्चे खुलकर आपको समस्या बता पाएंगे, जो वो अपने स्तर पर सुलझा नहीं पाते। ज्यादातर बच्चे पेरेंट्स से डरते हैं और उन्हें अपनी समस्या नहीं बताते, पर वो बताते हैं अपने दोस्तों को, जो उन समस्याओं का गलत सॉल्यूशन भी दे सकते हैं। आपको बस यह पता लगाना है कि आपके बच्चे की शिक्षा में क्या बाधा आ रही है और इसे कैसे हल करना है। अपने बच्चे की पसंद की किसी चीज को पूरी तरह से हटाने के बजाय उसे रेगुलेट करें।

सही फैसिलिटीज अवेलेबल करवाना

मैंने कई घरों में देखा है, जहां पढ़ने वाले बच्चों के लिए स्टडी टेबल तक ढंग की नहीं होती है। ये समझिए, सफलता केवल बच्चों के प्रति आपके इमोशंस से ही नहीं मिलने वाली है। सफलता के लिए तन और मन के साथ थोड़े बहुत धन की भी आवश्यकता है (बहुत ज्यादा नहीं), अर्थात आज के घोर कॉम्पिटिटिव वर्ल्ड में यदि पेरेंट्स बच्चों को सही रिसोर्सेस, सही फैसिलिटीज अवेलेबल नहीं करवा पा रहे हैं तो उन्हें बच्चों से उम्मीदें भी वैसी ही रखनी चाहिए। बच्चे को अलग कमरा दें, ताकि पढ़ते समय बच्चा डिस्टर्ब न हो। जसि जगह बच्चे पढ़ रहे हों, वहां आप प्लांट लगा सकते हैं इससे पॉजटिवि महसूस होता है।

डाइट, हेल्थ और हाईजीन

परीक्षा की तैयारी की धुन में बच्चे, खाने-पीने, कपड़ों और कभी-कभी हाईजीन (साफ-सफाई) पर भी ध्यान नहीं दे पाते। पेरेंट्स को ध्यान रखना चाहिए कि बच्चा तीन से चार वक्त पौष्टिक डाइट ले, रोज नहाए और धुले हुए कपड़े पहने। इन चीजों पर ध्यान रखने से बच्चे की हेल्थ ठीक रहेगी। सभी को दनि में कम से कम आठ गलिास पानी पीना चाहिए, सात घंटे की नींद और पूर्ण भोजन लेना चाहिए। फिजिकल और मेन्टल हेल्थ के लिए आप बच्चे को फजिकिली एक्टवि करने के लिए जिम, योग केंद्र भेज सकते हैं या साथ में कोई स्पोर्ट्स खेल सकते हैं या हलकी एक्सरसाइज करवा सकते हैं।

कंसंट्रेशन का माहौल देना

भारत एक धर्म और समाज (सोसायटी) प्रधान देश है। लगभग हर चौथे या पांचवे दिन कोई ना कोई धार्मिक या सोशल कार्यक्रम होता है। यदि बच्चे इन सब में पार्टिसिपेट करते हैं तो सोशल इंटरेक्शन के लिए तो अच्छा है, लेकिन इसका पढ़ाई पर बुरा असर पड़ता है। एकाग्रता का माहौल चाहिए। इसकी तुलना आप एकांत वनवास से कर सकते हैं। ये तपस्या, सफलता के लिए जरूरी है। हर सोशल गैदरिंग में बच्चों के होने की उम्मीद न करें। वहीं, पूर्ण सामाजिक अलगाव बच्चों के लिए हानिकारक हो सकता है, तो बैलेंस बनाए रखें।

रिक्रिएशन

रोज-रोज एक जैसा रूटीन, जिसमें अधिकतर समय टेबल कुर्सी पर बैठ कर जाता है, स्टूडेंट्स को फिजिकली थका और मेन्टली पका देता है। होमो सेपियंस (इंसानों का वैज्ञानिक नाम) का शरीर टेबल-कुर्सी पर बैठने के लिए नहीं बना है, बजाय इसके हमारे पूर्वज, मैदानों में दौड़ते/चलते थे, काफी अधिक फिजिकल एक्सरसाइज करते थे, लम्बी-लम्बी दूरी पैदल तय करते थे। उसके भी पहले हम पेड़ों पर कूदा-फांदी किया करते थे। इसलिए पेरेंट्स को पढ़ने वाले बच्चों को हर थोड़े दिनों में यात्रा, सैर, पिकनिक इत्यादि पर ले जाना चाहिए। रिक्रिएशन के लिए जो भी तरीका चुनें इस बात का ध्यान रखें कि फिजिकल एक्सरसाइस हो।

बच्चों को पॉजिटिवली इंस्पायर करें

अपने बच्चे को मोटिवेट करें और उसे सफल हो चुके लोगों के स्ट्रगल की कहानियां सुनाएं, लेकिन ऐसा उसे यह लगे बिना होना चाहिए कि आप उस पर प्रेशर डाल रहे हैं। बच्चों को महसूस करवाएं कि आपको उनकी सफलता पर पूरा यकीन है। इससे उनमें सकारात्मक मानसिकता विकसित होगी। कुल मिलाकर बात यह है कि बच्चे को उसकी कमजोरियों का एहसास कराने के बजाय उसकी क्षमताओं का अहसास कराएं।

बच्चों पर भरोसा करें और दूसरे बच्चों से कम्पेरिजन ना करें

कुछ पेरेंट्स हमेशा अपने बच्चों को किसी न किसी बात को लेकर टोकते रहते हैं। उन्हें लगता है कि बच्चे पढ़ाई और परीक्षा को लेकर सजग नहीं हैं। पर हर बच्चा अपनी कैलिबर और अंडरस्टैंडिंग के हिसाब से बढ़िया करने की कोशिश करता है। जरूरत है उन पर भरोसा करने की और उनका मनोबल बढ़ाने की। कुछ पेरेंट्स की आदत अक्सर दूसरों के बच्चों से अपने बच्चों के कम्पेरिजन करने की होती है, जिसका कोई ठोस आधार भी नहीं होता। बच्चों पर इसका बहुत नेगेटिव असर पड़ता है और उनका सेल्फ-कॉन्फिडेंस गड़बड़ा जाता है।

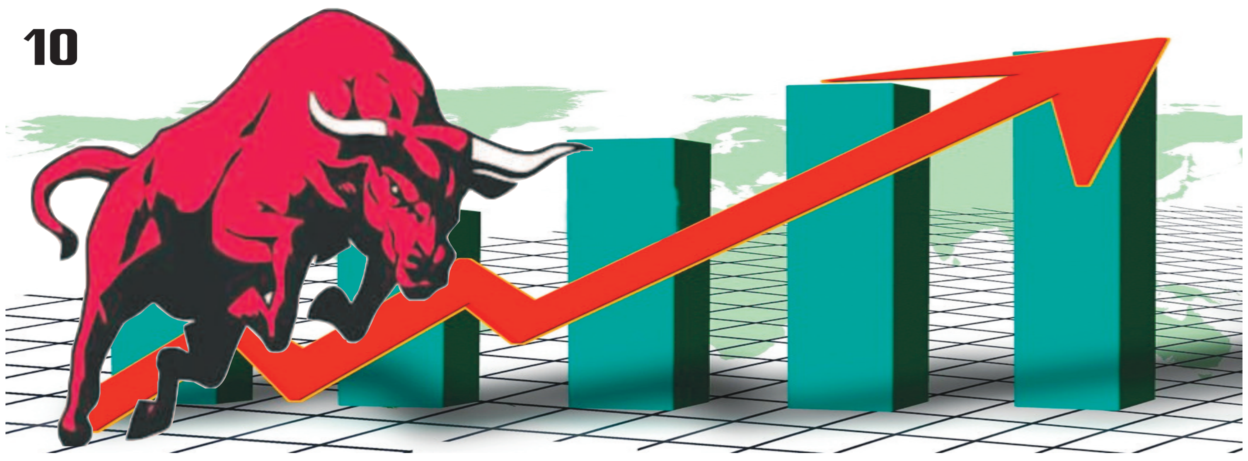

घर बैठे आधार में अपडेट कर सकते हैं नया एड्रेस:इसके लिए मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड होना जरूरी

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। आधार कार्ड एक महत्वपूर्ण डॉक्यूमेंट है। इसमें सभी जानकारियां जैसे आपका नाम, मोबाइल नंबर और पता सहित अन्य चीजें सही होना जरूरी है। कई बार देखा जाता है लोग शहर या पता बदलने पर आधार में इसे अपडेट नहीं करा पाते हैं। उन्हें ये झंझट का काम लगता है, जबकि ऐसा नहीं है। आपको आधार कार्ड में घर का पता बदलवाने के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप घर बैठे ऑनलाइन ही इसे अपडेट कर सकते हैं। इसके लिए आपको 50 रुपए शुल्क देना होगा। हम आपको इसकी पूरी प्रोसेस बता रहे हैं। सबसे पहले यूआईडीएआई की आधिकारिक साइट myaadhaar.uidai.gov.in/ पर जाएं। यहां लॉगिन करने के लिए आपको अपना 12 अंकों का आधार नंबर डालना होगा। इसके बाद कैप्चा कोड डालकर सेंड ओटीपी पर क्लिक करें। इसके बाद आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा। उसे डालकर लॉगिन करें।

अब आधार अपडेट ऑप्शन पर जाएं। इसके बाद प्रोसीड टू आधार अपडेट के ऑप्शन पर क्लिक करें। इसके बाद अगले पेज पर एड्रेस पर सिलेक्ट करके प्रोसीड टू आधार अपडेट के ऑप्शन पर क्लिक करें।

भारत मजबत स्थिति में है

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के इस बयान ने दी राहत

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के दहाई अंकों में बने रहने की उम्मीद जताते हुए शनिवार को कहा कि अन्य देशों की तुलना में भारत मजबूत स्थिति में है और जरूरतमंद वर्गों को मदद देने के लिहाज से जिम्मेदार भी है। सीतारमण ने बातचीत में जीडीपी वृद्धि को लेकर सकारात्मक रुख दर्शाया। इस दौरान उन्होंने उन खबरों का हवाला भी दिया जिनमें कहा गया था कि देश में मंदी का खतरा है। सीतारमण ने इस वर्ष जीडीपी वृद्धि के दहाई अंकों में रहने की उम्मीद के बारे में पूछे जाने पर कहा, कहा, "मुझे ऐसा होने की उम्मीद है। हम इसके लिए काम करेंगे। यदि आप मंदी की कगार पर नहीं खड़े हैं तो इससे भरोसा मिलता है। जरूरतमंद वर्गों की मदद करने और अर्थव्यवस्था को गति देने के लिहाज से आप लगातार कदम उठा रहे हैं..." कुछ दिन पहले जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था 13.5 फीसदी की दर से बढ़ी है। वित्त मंत्री ने कहा कि कुछ लोग इस उच्च वृद्धि के लिए पिछले साल के निम्न आधार को जिम्मेदार बताने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, "हम जिन अर्थव्यवस्थाओं की बात कर रहे हैं उनकी तुलना में हम मजबूत स्थिति में हैं। हम वास्तव में सबसे तेजी से वृद्धि करती हुई अर्थव्यवस्था हैं।" उन्होंने विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि भारत से कहीं अधिक विकसित मानी जाने वाली अर्थव्यवस्थाएं इस समय मंदी की कगार पर हैं। सरकारों की तरफ से बांटे जाने वाले मुफ्त उपहारों से जुड़े एक सवाल पर सीतारमण ने कहा, "हमें इस चर्चा में हिस्सा जरूर लेना चाहिए क्योंकि अगर आप किसी को कुछ निःशुल्क दे रहे हैं तो इसका मतलब है कि उसका बोझ कोई और उठा रहा है।" उन्होंने सुझाव दिया कि सत्ता में आने वाली किसी भी सरकार को अपनी वित्तीय स्थिति का आकलन करने के बाद मुफ्त उपहारों के लिए वित्तीय प्रावधान करना चाहिए।

लिंक्डइन पोस्ट पर सीईओ ने मांगी माफी

युवाओं को दिए थे 18 घंटे काम करने की सलाह

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे शेविंग कंपनी के फाउंडर सीईओ शांतनु देशपांडे को लिंक्डइन पर युवाओं को काम के सिलसिले में ज्ञान देना भारी पड़ गया। लिंक्डइन पोस्ट की वजह से लगातार उनकी आलोचना हो रही थी, जिसके बाद उन्होंने लिंक्डइन पर एक और पोस्ट शेयर करते हुए माफी मांग लिया है। बता दें, शांतनु देशपांडे ने अपने लिंक्डइन के पोस्ट में लिखा था कि युवाओं को अपने करियर की शुरुआत में 18 घंटे तक काम करना चाहिए। इसी पोस्ट के बाद उनकी काफी आलोचना हो रही थी। शांतनु देशपांडे लिंक्डइन के अपने पोस्ट में लिखते हैं,'अगर आप 22 साल के हैं और नौकरी में नए हैं तो अपने आपको उसमें पूरी तरह से समर्पित कर दो। अच्छा खाना खाओ और स्वस्थ रहो, कम से कम अगले 4 से 5 साल 18 घंटे काम करो। मैंने बहुत से युवाओं को देखा जो कोई भी कंटेट देखते हैं। अपने परिवार के साथ समय देते हैं। वर्क लाइफ बैलेंस के नाम पर अलग-अलग तर्क देते रहते हैं......... शुरुआती दिनों में काम ही तुम्हारी पूजा है। जैसा आप पहले 5 साल में करियर बनाते हैं जीवन भर फिर उसी आधार पर आगे बढ़ता है। इसलिए हर दूसरे दिन रोना-धोना से बचना चाहिए।' शांतनु के इसी पोस्ट के बाद उनको काफी आलोचना झेलनी पड़ी थी। लेकिन अब उनकी तरफ से एक नया पोस्ट आया है। उन्होंने इसे अपना 'फाइनल' पोस्ट बताते हुए माफी मांग लिया है। 'यह मेरा लिंक्डइन पर अंतिम पोस्ट है। जिस किसी को मेरे पोस्ट से दुख पहुंचा हो उनसे मैं माफी मांगता हूं।' इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक इंटरव्यू का वीडियो भी शेयर किया है। जिसमें वो कहते हैं कि मेरा 18 घंटे काम करने का मतलब था कि युवाओं के पास 22 से 27 साल तक कोई जिम्मेदारी नहीं रहती है।

ऐसे में उन्हें पूरा फोकस काम पर रखना चाहिए। क्योंकि यही काम ही है जिसके आधार पर सफलता मिल सकती है। शांतनु ने उन लोगों को शुक्रिया कहा कि जिन्होंने हो रही आलोचनाओं में उनका साथ दिया। साथ उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता को भी उनके इस पोस्ट के लिए मैसेज किए जा रहे थे।

पहली तिमाही में जीडीपी के आंकड़े को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर ने जताई चिंता

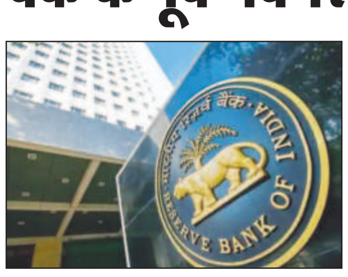

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने रविवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में वृद्धि दर उम्मीद से कम रही है, जो "निराशा और चिंता" का कारण है। चालू वित्त वर्ष 2022-23 की अप्रैल-जून तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 13.5 प्रतिशत रही है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में अर्थव्यवस्था कोविड-19 महामारी की वजह से बुरी तरह प्रभावित रही थी। सुब्बाराव ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में उन्हें वृद्धि दर के 13.5 प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान था। उन्होंने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा, "अर्थव्यवस्था ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो किसी अन्य परिस्थिति में बहुत खुशी की बात होती।" इसके साथ ही उन्होंने कहा, "मौजूदा हालात में यह निराशा और चिंता का कारण बन गया है।" उन्होंने कहा कि इस तिमाही में बड़ी छलांग की उम्मीद थी। सुब्बाराव ने कहा कि पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की यह वृद्धि दर चिंता का कारण बन गई है क्योंकि प्रमुख संकेतकों के विपरीत, वास्तविक वृद्धि दर कम रही है। इससे आगे की तिमाहियों में वृद्धि दर में और गिरावट की आशंका भी पैदा होती है। आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने कहा, 'यह निराशाजनक है क्योंकि पिछले साल की पहली तिमाही के महामारी के डेल्टा लहर के कारण बुरी तरह प्रभावित रहने से इस साल की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था के जोरदार वापसी की उम्मीद थी।' उन्होंने कहा कि अल्पावधि में देश में वृद्धि पूर्वानुमान उच्च जिंस कीमतों, वैश्विक मंदी की आशंका, आरबीआई द्वारा मौद्रिक सख्ती और एक असमान मानसून से प्रभावित हो सकते हैं।

मारुति चेयरमैन ने क्यों कह दिया- 'सरकार को बिजनेस नहीं करना चाहिए,पब्लिक सेक्टर की कंपनियां अक्षम'

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सरकार को व्यवसाय नहीं करना चाहिए, क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां अक्षम हैं। अपनी वृद्धि के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं जुटा सकती हैं। मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी भार्गव ने यह बात कही। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को वृद्धि के लिए हर समय समर्थन की जरूरत है। पूंजी निवेश के लिए सरकार से धन चाहिए होता है। उन्होंने कहा, ''मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकार को बिजनेस में नहीं होना चाहिए। किसी भी सूरत में नहीं। '' उनसे पूछा गया था कि तत्कालीन सरकारी स्वामित्व वाली मारुति उद्योग लिमिटेड के मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड में बदलने के उनके अनुभव के मद्देनजर क्या सरकार को व्यवसाय करना चाहिए। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड अब जापान के सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के स्वामित्व में है। उन्होंने आगे कहा, ''सच्चाई यह है कि सरकार द्वारा चलाई जाने वाली कंपनियां कुशल नहीं हैं। उनके पास उत्पादकता नहीं है। वे मुनाफा पैदा नहीं करती हैं। वे संसाधन नहीं जुटाती हैं। वे बढ़ती नहीं हैं। उन्हें वृद्धि के लिए हर वक्त सरकार के समर्थन की जरूरत रहती है। ''भार्गव ने जोर दिया, ''आप टैक्सेशन से औद्योगिक वृद्धि नहीं कर सकते। '' उन्होंने कहा कि औद्योगिक वृद्धि आंतरिक संसाधनों से होती है और किसी भी कंपनी को धन का सृजन करना चाहिए और धन का क्षरण नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों का समर्थन करने के लिए करदाताओं के धन का इस्तेमाल होता है। उन्होंने तत्कालीन मारुति उद्योग लिमिटेड का हवाला देते हुए कहा कि उस समय हमें कई गैर-मूल्य वर्धित गतिविधियां करनी होती थीं, जिन्होंने कंपनी को आगे बढ़ने से रोका।

भार्गव ने हालांकि कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की विफलता सिर्फ भारत में नहीं हुई, बल्कि रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और जापान में भी ऐसा देखने को मिला।

भार्गव ने कहा कि मारुति कई सारे बदलाव भी करने जा रही है। संगठनात्मक बदलाव भी होंगे। उन्होंने कहा कि मारुति के वैश्विक उत्पादन उत्पादन में मारुति इंडिया का योगदान 60 फीसदी से ज्यादा हो गया है।

खाने के तेल के भाव में आई गिरावट

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी के लिए राहत भरी खबर है। दरअसल, बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में कच्चा पामतेल , पामोलीन और सरसों तेल के दाम टूटने से देश भर के तेल-तिलहन बाजारों में लगभग सभी खाद्यतेल तिलहन कीमतों में चौतरफा गिरावट का रुख रहा। बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में खाद्यतेलों के भाव टूटने से खाद्य तेल उद्योग, आयातक और किसान काफी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन महीनों में जिस सीपीओ का आयात लगभग 2,060 डॉलर प्रति टन के भाव पर आयातकों ने किया हुआ था, अब उसका कांडला बंदरगाह पर मौजूदा भाव 990 डॉलर प्रति टन रह गया है। ऐसे में बाकी तेल तिलहन कीमतों पर भी भारी दबाव है और आयातकों और तेल उद्योग के सामने गहरा संकट खड़ा हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, थोड़ी बहुत पूंजी वाले कारोबारियों ने अब तेल कारोबार छोड़ने का मन बना लिया है।

बैंकों में अपना लेटर ऑफ क्रेडिट रखने वाले कारोबारी ही बस खाद्य तेल कारोबार में अटके हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस गिरावट के बावजूद उपभोक्ताओं को गिरावट का यथोचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। खुदरा कारोबार में एमआरपी थोक भाव के मुकाबले 40-50 रुपये अधिक रखे जाने से खुदरा व्यापारी ग्राहकों से अधिक कीमत वसूल रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि जब कांडला बंदरगाह पर सीपीओ 88 रुपये प्रति किलो पर बिकेगा तो उसके सामने अगले मार्च में आने वाली सरसों कहां खप पाएगी।

आगामी रबी फसल के लिए सरकार द्वारा सरसों की नई फसल के एमएसपी को बढ़ाने की संभावना को देखते हुए सरसों तेल का लागत मूल्य 125-130 रुपये प्रति लीटर रहने की उम्मीद है।

भारतीय इकोनॉमी में आगे भी जारी रहेगी तेजी

2029 तक भारत बनेगा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

भारत 2027 में जर्मनी और 2029 में जापान से आगे निकलकर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन को पीछे छोड़कर भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में पांचवें स्थान पर आ गई है। मौजूदा विकास दर पर भारत 2027 में जर्मनी और 2029 में जापान से आगे निकलकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारतीय स्टेट बैंक की रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार इस साल पहली तिमाही में विकास दर 13.5% रही है। इस दर से भारत के इस वित्त वर्ष में सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था रहने की संभावना है। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. अरविंद विरमानी का कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का सफर आगे भी जारी रहेगा और भारत आने वाले कुछ साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा-पिछले साल हम छठे स्थान पर थे।

तेजी से आगे बढ़ रहा भारत

2022 में उम्मीद थी कि हम पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। विरमानी ने आगे कहा कि भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और 2028-30 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। 2014 में भारतीय अर्थव्यवस्था, दुनिया में 10वीं सबसे बड़ी थी, इस लिहाज से 7 स्थान का बदलाव दिख सकता है।

हम अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी से ज्यादा पीछे नहीं

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुताबिक भारत अपनी अर्थव्यवस्था के आकार के मामले में अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी से बहुत पीछे नहीं है। आईएमएफ का कहना है कि लगभग 854 अरब डॉलर का अंतर है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कैशबैक कार्ड लॉन्च:ऑनलाइन खरीदारी पर 5% तक कैशबैक

2 लाख की स्पेंडिंग पर 999 रु. की रिनिवल फीस में छूट मिलेगी

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कार्ड ने 'कैशबैक कार्ड' लॉन्च किया है, जो भारत में अपनी तरह का पहला कैशबैक क्रेडिट कार्ड है। कंपनी का दावा है कि पहला कैशबैक-फोकस्ड क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को सभी ऑनलाइन खरीदारी पर 5% तक कैशबैक देगा। कैशबैक बेनिफिट के अलावा, कार्डधारकों को हर साल चार कॉम्प्लिमेंट्री डोमेस्टिक एयरपोर्ट लाउंज विजिट भी मिलेगी। कॉन्टैक्टलेस कैशबैक कार्ड पहले साल के लिए मार्च 2023 तक फ्री में दिया जा रहा है। कार्ड की एनुअल रिनिवल कॉस्ट 999 रुपए + टैक्स है। कार्ड मेंबरशिप ईयर के दौरान एनुअल स्पेंडिंग में 2 लाख रुपए का माइल स्टोन हासिल करने वाले ग्राहक रिनिवल फी रिइंबर्समेंट के लिए पात्र होंगे। कैशबैक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कार्ड प्रीमियम से लेकर सभी कैटेगरी के ग्राहकों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इस कार्ड को लेने के लिए ग्राहक डिजिटल एप्लिकेशन प्लेटफॉर्म 'एसबीआई कार्ड स्प्रिंट' पर अप्लाई कर सकते हैं। लॉन्च पर बोलते हुए एसबीआई कार्ड के एमडी और सीईओ राम मोहन राव अमारा ने कहा, कैशबैक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कार्ड हमारे कोर कार्ड पोर्टफोलियो को और मजबूत करेगा। यह प्रोडक्ट ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने की दिशा में हमारे निरंतर प्रयासों का एक अच्छा उदाहरण है। हमने ऑनलाइन शॉपिंग और कैशबैक को लेकर कार्डहोल्डर्स के बिहेवियर की रिसर्च करने के बाद इस कार्ड को तैयार किया है। कार्ड होल्डर्स को फ्यूल पर 1% सरचार्ज वेवर मिलेगा। ये छूट 500 रुपए से 3,000 रुपए तक की लेनदेन राशि के लिए मान्य है।

रेलवे का छात्रों को तोहफा, बहाल हुई स्काउट और कल्चरल कोटे की भर्ती

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। रेलवे में नौकरी करने का आपके पास शानदार मौका है। दरअसल, रेलवे में पिछले 2 साल से बंद पड़ी भारत स्काउट और कल्चरल कोटे की भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। रेलवे भर्ती बोर्ड यानी जल्द ही रेलवे में स्काउट और कल्चरल कोटे की भर्ती प्रक्रिया शुरू करेगा। बता दें कि रेलवे में भारत स्काउट और कल्चरल कोटे की सीधी भर्ती पिछले 2 साल से बंद पड़ी थी। भर्ती बोर्ड ने अब तत्काल प्रभाव से इन दोनों कोटे की भर्ती पर लगी को हटाने का आदेश दिया है। रेलवे बोर्ड की डिप्टी डायरेक्टर स्थापना ललिथा आर मेनन ने सभी जोन के जीएम, उत्पादन इकाईयों और रेलवे भर्ती सेल यानी आरआरसी के अध्यक्षों को आदेश जारी कर दिया है। रेलवे इसी वित्त वर्ष (2022-23) से स्पोर्टस कोटे की खाली पड़ी रिक्तियों को भरेगा। इस बारे में नोटिस जल्द जारी किया सकता है।

एनडीटीवी के शेयरों के अधिग्रहण पर अडानी समूह का बयान, अफसरों का मंजूरी जरूरी नहीं

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। अडानी समूह का मानना है कि एनडीटीवी में हिस्सेदारी हासिल करने के लिए कर अधिकारियों की मंजूरी जरूरी नहीं है और उसके ऐसा करने पर आयकर विभाग की तरफ से कोई प्रतिबंध नहीं है। इस संबंध में अडानी समूह ने एक बयान जारी किया और कर विशेषज्ञों ने इस बात का समर्थन भी किया है। अडानी समूह ने बीते दिनों एक कम चर्चित फर्म वीसीपीएल का अधिग्रहण किया, जिसने एक दशक से अधिक समय पहले एनडीटीवी के संस्थापकों को वारंट के बदले में 403 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण दिया था। कर्ज न चुकाने की सूरत में वीसीपीएल को समाचार समूह में 29.18 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने की अनुमति मिली थी। अडानी ने वीसीपीएल के इस अधिकार का प्रयोग किया है, लेकिन एनडीटीवी का कहना है कि इस तरह के अधिग्रहण पर आयकर अधिकारियों ने रोक लगा दी है। अडानी समूह ने एक बयान में कहा कि विश्वप्रधान कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड (वीसीपीएल) ने बताया कि आयकर विभाग के आदेश केवल एनडीटीवी में आरआरआरपी होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड (एनडीटीवी के एक प्रवर्तक) के शेयरों पर लागू होते हैं और इससे किसी भी तरह वीसीपीएल को इक्विटी शेयरों का आवंटन प्रतिबंधित नहीं होता है। समूह ने वीसीपीएल से मिले जवाब का हवाला देते हुए कहा कि आयकर विभाग के आदेश केवल आरआरपीआर के खिलाफ जारी किए गए हैं और ऐसा उक्त एनडीटीवी शेयरों पर आरआरपीआर के निरंतर स्वामित्व को सुरक्षित करने के लिए किया गया। आयकर विभाग के आदेश व्यक्तिगत रूप से प्रणय रॉय और राधिका रॉय के खिलाफ जारी नहीं किए गए हैं। इस मुद्दे पर कर विशेषज्ञों ने भी अडानी समूह का समर्थन किया है। नांगिया एंडरसन एलएलपी के पार्टनर विश्वास पंजियार ने कहा कि एनडीटीवी द्वारा अपनाई गई स्थिति आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 281 के प्रावधानों की त्रुटिपूर्ण व्याख्या पर आधारित लगती है। इसी तरह के विचार साझा करते हुए सुदित के पारेख एंड कंपनी एलएलपी की पार्टनर अनीता बसरूर ने कहा कि धारा 281 तब लागू होती है, जब किसी संपत्ति का हस्तांतरण होता है या जब किसी संपत्ति पर शुल्क लगाया जाता है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा मामले में वीसीपीएल द्वारा रखे गए वारंट को आरआरपीआरएच के इक्विटी शेयरों में परिवर्तित किया जा रहा है। यह कोई हस्तांतरण नहीं है, बल्कि लेकिन नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। ऐसे में धारा 281 के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं होता है।

हाईटिक्स में जारी नॉर्थ ईस्ट चिट फंड्स प्राइवेट लिमिटेड की तीन दिवसीय प्रदर्शनी में औद्योगिक और इंजीनियरिंग एक्सपो में एक स्टॉल लगाया गया। कई आगंतुकों ने इसमें भागीदारी कर उनकी रणनीति की सराहना की, तथा व्यापार का विस्तार करने का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि नॉर्थ ईस्ट चिट फंड्स प्राइवेट लिमिटेड एक नए युग की इकाई है जो सामान्य रूप से समाज के सभी वर्गों और विशेष रूप से एमएसएमई को व्यापक निवेश के अवसर प्रदान करती है। वे 5 लाख रुपये से लेकर 1.25 करोड़ रुपये तक के विभिन्न निवेश रेंज के साथ शॉर्ट टर्म के साथ-साथ लॉन्ग टर्म की चिट भी पेश करते हैं।

गहलोत बोले- गांधी परिवार की मोदी से ज्यादा क्रेडिबिलिटी

कहा- अन्ना-केजरीवाल का आंदोलन साजिश था, दिल्ली सीएम झूठे हैं

नई दिल्ली/जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पीएम और दिल्ली सीएम पर निशाना साधा। गहलोत ने यूपीए राज में अन्ना हजारे और अरविंद केजरीवाल के आंदोलन को साजिश बताते हुए केजरीवाल पर झूठ बोलने के आरोप लगाए। गहलोत रविवार को दिल्ली में महंगाई हटाओ रैली को संबोधित कर रहे थे।

गहलोत ने कहा- हमारी सरकार के वक्त दिल्ली में अन्ना हजारे और अरविंद केजरीवाल के आंदोलन करवाए गए थे। केजरीवाल आज जो राजनीति कर रहे हैं, वो भी झूठ बोलने की हदें पार कर रहे हैं। किस प्रकार देशवासियों को गुमराह कर रहे हैं, वो पूरा देश देख रहा है।

उस वक्त वो आंदोलन हमारी सरकार के खिलाफ षड्यंत्र था। यूपीए सरकार में शानदार काम हो रहा था। एक माहौल ऐसा बना दिया था देश में। 2जी, कोलगेट घोटाले के आरोप लगाए। एक लाख 76 हजार करोड़ के 2जी घोटाले का आरोप लगाया। उस समय के सीएजी कहां चले गए, अब वो गायब हो गए। षड्यंत्र करके सरकार को बदनाम करने का प्रयास किया। उसमें वे सफल हो गए, लेकिन सच्चाई कभी छिप नहीं सकती।

सीएम ने पीएम पर निशाना साधते हुए कहा- मोदी को कांग्रेस मुक्त भारत चाहिए। पीएम गांधी परिवार और वंशवाद की बात करते हैं। उनसे पूछो, गांधी परिवार से पिछले 30 साल में न कोई पीएम बना,न मंत्री बना। संगठन में उनकी भागीदारी है तो वह पूरा देश चाहता है, पूरे देश के कांग्रेसजन चाहते हैं। आपके पेट में दर्द क्यों हो रहा है, मैं ये पूछना चाहता हूं। इससे समझ जाइएगा कि इस परिवार की क्रेडिबिलिटी देश में हाईएस्ट है। मोदी से भी ज्यादा है। चुनाव जीतना एक और प्रधानमंत्री बनना अलग बात है। जो रेस्पेक्ट कमांड करती हैं सोनिया गांधी और इनका परिवार वह देश में हाईएस्ट है। उससे आपको तकलीफ क्या होती है?

मोदी के 2014 के भाषण जनता सुन ले तो हमें कुछ कहने की जरूरत ही नहीं

गहलोत ने कहा- 2014 के चुनाव कैंपेन में मोदी ने कितने वादे किए थे,आज वे सब वादे भुला दिए गए हैं। देश की जनता 2014 के चुनावों का मोदी का भाषण फिर से सुन ले तो हमें बोलने की जरूरत ही नहीं है। तमाम ये फासिस्ट लोग हैं, इनका लोकतंत्र में कोई यकीन नहीं हैं, ये केवल लोकतंत्र का मुखौटा पहनकर राज कर रहे हैं। देश आज महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहा है। आगे लड़ाई लंबी है। कांग्रेस नेताओं के त्याग और बलिदानों से देश एक और अखंड रहा है, लेकिन मोदी कांग्रेस मुक्त भारत की बात करते हैं।

केंद्र सरकार ने 2019 में बेरोजगारी के आंकड़े रुकवाए

गहलोत ने कहा- अब महंगाई की मार देशवासियों की कमर तोड़ चुकी है। बेरोजगारी से हाहाकार मचा हुआ है। नौकरियां भी जा रही हैं। यह सरकार इतनी झूठ आधारित है। भारत सरकार के संगठन नेशनल सैंपल सर्वे ऑर्गेनाइजेशन (एनएसएसओ) ने बेरोजगारी पर आंकड़े जारी करने का प्रयास किया तो 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्हें रुकवा दिया। इस मामले में एनएसएसओ के अध्यक्ष और मेंबर्स को इस्तीफे देने पड़े। बाद में जैसे ही चुनावों में वापस बीजेपी सरकार जीतकर आई तो बेरोजगारी के एनएसएसओ के आंकड़ों को जारी कर दिया, उसमें सामने आया कि देश में बेरोजगारी किस भयावह स्तर तक पहुंच गई है।

पायलट समर्थकों ने मंत्री को घेरा, जमकर नारेबाजी की

मेले के समापन में पहुंची थीं मिनिस्टर आधा किलोमीटर तक पीछा भी किया

दौसा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा के साथ ही राजस्थान में पायलट समर्थक एक बार फिर से एग्रेसिव हो रहे हैं। सचिन के समर्थक माने जाने वाले विधायकों के बयान हों या फिर एनएसयूआई की हार को लेकर आपस में ट्विटर पर जंग। बीते करीब 10 दिन इस राजनीतिक खींचातान में तेजी आई है।

अब नया मामला दौसा का है। यहां राजस्थान सरकार में महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री ममता भूपेश के सामने पायलट समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की। मंत्री के भाषण के दौरान वे लगातार पायलट जिंदाबाद के नारे लगाते रहे।

दरअसल, भूपेश शनिवार को दौसा के सिकराय में निहालपुरा-अचलपुरा गांव स्थित देवनारायण मंदिर पहुंची थीं। दो दिवसीय मेले का शनिवार को समापन था।

शाम करीब पांच बजे जब महिला बाल विकास मंत्री कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने भूपेश यहां पहुंचीं तो कुछ युवकों ने नारेबाजी शुरू कर दी। हालांकि, कुछ लोग उन्हें रोकने की कोशिश करते भी दिखे। लेकिन वे नहीं माने।

सिकराय मंत्री भूपेश का विधानसभा क्षेत्र भी है। यहां के किसी कार्यक्रम में पायलट के समर्थन में नारेबाजी ने राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। कार्यक्रम में जैसे ही भूपेश ने भाषण देना स्टार्ट किया फिर से नारेबाजी शुरू हो गई।

ये पूरा घटनाक्रम करीब एक घंटे तक चला। हालांकि, मंत्री लगातार भाषण देती रहीं और उन्होंने यहां के लिए कुछ विकास कार्यों की घोषणाएं भी की।

पीछा करते रहे युवक

भीड़ ज्यादा होने के कारण मंत्री को कार तक पहुंचने में परेशानी हुई तो वे मंदिर की ओर पैदल ही रवाना हो गईं। यहां भी युवकों ने करीब 500 मीटर तक मंत्री का पीछा करते हुए नारेबाजी की।

गुर्जर समाज के कुछ लोगों ने युवकों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन विफल रहे। इसके बाद मंत्री वहां से बिना प्रतिक्रिया दिए रवाना हो गईं।

सोमवार को पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट का निहालपुरा-अचलपुरा स्थित बाबा रामदेव मंदिर पर आयोजित मेले में शामिल होने का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

देवनारायण मंदिर के सामने स्थित रामदेव मंदिर पर बैरवा समाज द्वारा मेला व सभा का आयोजन किया जाएगा। यहां सचिन पायलट के साथ स्थानीय विधायक व महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश को भी बतौर अतिथि आमंत्रित किया गया है।

सोलंकी और बैरवा ने की थी मांग

राजनीति के जानकारों का कहना है बीते कुछ दिन से पायलट खेमा अचानक एक्टिव हो गया है। इसका प्रमुख कारण है कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव। दरअसल, इस चुनाव अशोक गहलोत के अध्यक्ष बनने की अटकलें हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री इशारों-इशारों में इसका खंडन करते रहे हैं।

वहीं, पायलट समर्थक सचिन को सीएम बनाने के लिए दबाव बना रहे हैं। इससे दोनों खेमों के बीच जुबानी जंग भी शुरू हो गई है। पायलट समर्थक विधायक सोलंकी के साथ गहलोत गुट के माने जाने वाले राज्य एससी आयोग के चेयरमैन खिलाड़ी बैरवा ने भी सचिन को लेकर पैरवी की है।

वहीं, विराटनगर विधायक इंद्राज गुर्जर ने तो पायलट का साथ नहीं देने वाले गुर्जर समुदाय से आने वाले विधायकों को गद्दार तक कह दिया है।

डीजीपी बोले- एनसीआरबी की रिपोर्ट में गफलत

दावा- रेप के मामलों में राजस्थान 1 नंबर पर नहीं, बल्कि 7वें नंबर पर

दौसा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की हाल ही में जारी रिपोर्ट में राजस्थान रेप के मामले में टॉप पर है। इसको लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पहले ही सवाल खड़े कर चुके हैं। अब डीजीपी एमएल लाठर ने इसको लेकर सफाई दी है। उन्होंने कहा- रेप के मामलों में राजस्थान 1 नंबर पर नहीं, बल्कि 7वें नंबर पर है।

सीएम अशोक गहलोत पहले ही एनसीआरबी की रिपोर्ट को राजस्थान को बदनाम करने का प्रयास बता चुके हैं। पुलिस विभाग के मुखिया एमएल लाठर ने शनिवार को दौसा में इस पर पहली बार आधिकारिक बयान दिया।

डीजीपी शनिवार को दौसा जिले के मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे थे। वहां मीडिया से बातचीत करते हुए कहा- इन आंकड़ों को समझने की जरूरत है। दो राज्यों के बीच अपराध की तुलना करना गलत है। अपराध कम होना ही चाहिए। हमारी जिम्मेदारी है कि हम समाज को अपराध मुक्त बनाएं। ओवरऑल क्राइम में 7वां स्थान

डीजीपी ने कहा- जनप्रतिनिधि, सरकारी कर्मचारी व आम नागरिक, सबकी जिम्मेदारी है कि राजस्थान की छवि सुधारी जाए। जहां तक एनसीआरबी के आंकड़ों का सवाल है, तो इन्हें समझने की समझ भी होनी चाहिए। महिला क्राइम में राजस्थान के नंबर 1 होने की बात कही जा रही है, हमारा ओवर ऑल क्राइम में पहला नहीं बल्कि 7वां नंबर है। पूरे आंकड़ों को समग्र रूप से देखेंगे तब भी देश में 7वां स्थान है।

डीजीपी ने कहा कि रेप के मामले में राजस्थान नंबर 1 नहीं है। एनसीआरबी ने राजस्थान के आंकड़ों में माइनर व मेजर बालिकाओं से जुड़े अपराध के आंकड़ों को क्लब कर दिया है, जबकि दूसरे राज्यों में माइनर व मेजर बालिकाओं से जुड़े अपराध के आंकड़े अलग-अलग हैं। इस वजह से एनसीआरबी की रिपोर्ट में यह गलती हुई है।

डीजीपी ने कहा कि क्लासिफिकेशन का अपना-अपना तरीका होता है। उस टेबल को देखेंगे तो राजस्थान को पॉक्सो मामलों में एक नंबर दिखा रहा है। क्योंकि हमने उनको एक जगह शामिल कर रखा है। दोनों को अगर मिलाते हैं तो हम दूसरे नंबर पर आते हैं और पहले नंबर पर मध्य प्रदेश आता है। अगर हम झूठे मुकदमों को वापस कर दें, तो हमारी पोजिशन 7वें नंबर पर आती है।

राजस्थान का 12वां स्थान

DGP ने कहा कि नाबालिगों के खिलाफ अपराध के आंकड़ों में राजस्थान का 12वां स्थान है। पहले स्थान पर मध्य प्रदेश, दूसरे पर महाराष्ट्र, तीसरे पर तमिलनाडु, चौथे पर उत्तर प्रदेश, पांचवें पर कर्नाटक है...राजस्थान तो एक से 10वें स्थान के बीच में भी नहीं है...बल्कि 12वें स्थान पर है।

जयपुर में परिचित ने किया महिला से रेप

होटल में मिलने बुलाकर किया दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग के बाद अश्लील फोटो किए वायरल

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर में परिचित युवक के महिला से रेप का मामला सामने आया है। होटल में मिलने बुलाकर आरोपी परिचित ने उसके साथ दुष्कर्म किया। खींचे गए अश्लील फोटो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। जालूपुरा थाने में पीड़िता ने मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने डाक के जरिए आई शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसएचओ अनिल कुमार जैमनी ने बताया कि पुराना जालूपुरा निवासी 32 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। करीब डेढ़ साल पहले उसकी आरोपी शाकिर कुरैशी से मुलाकात हुई थी। बातचीत के दौरान दोनों में दोस्त हो गई। आरोप है कि मेन जालूपुरा स्थित होटल में आरोपी शाकिर कुरैशी ने मिलने बुलाया। होटल में मिलने जाने पर आरोपी ने डरा-धमकाकर जान से मारने की धमकी देकर रेप किया। दुष्कर्म के दौरान अश्लील फोटो भी मोबाइल में खींच लिए। अश्लील फोटो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर लगाकर दुष्कर्म करता रहा। ब्लैकमेल कर उससे रुपए भी ऐंठ लिए। परेशान होकर बात नहीं मानने पर आरोपी शाकिर ने अश्लील फोटो वायरल कर दिए। सोशल मीडिया पर फोटो वायरल करने का पता चलने पर पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का 10 सितंबर को जोधपुर दौरा

जोधपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री व भाजपा के सीनियर नेता अमित शाह 10 सितंबर को जोधपुर दौरे पर रहेंगे। दौरे को लेकर भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। आगामी 8, 9 व 10 सितम्बर को तीन दिवसीय भाजपा ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्य समिति बैठक व संभाग बूथ सम्पर्क महा अधिवेशन होगा।

बूथ अधिवेशन में 20 हजार से ज्यादा कार्यकर्ताओं के शामिल होने का दावा है। शाह यहां रावण का चबूतरा मैदान में प्रस्तावित संभाग स्तरीय बूथ सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसकी तैयारियों को लेकर केंद्रीय मंत्री सहित सभी भाजपा के कार्यकर्ता पूरी तैयारियों में जुटे हैं।

आज रविवार सुबह 11.30 बजे 12वीं रोड़ स्थित दशहरा मैदान कार्यक्रम स्थल का विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण से भूमि पूजन हुआ। शाह इसी मैदान में कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र जोशी, भाजपा प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रसन्नचंद मेहता, पूर्व राज्यसभा सांसद नारायण पंचारिया, पूर्व जेडीए अध्यक्ष डा महेन्द्र सिंह राठौड़, राजसिको के पूर्व अध्यक्ष मेघराज लोहिया, ज़िला उपाध्यक्ष नरेश सुराणा मौजूद रहे।

शाह के कार्यक्रम को लेकर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शनिवार से ही एक्टिव नजर आ रहे हैं। शनिवार को शेखावत ने भाजपा के संभाग स्तरीय बूथ सम्पर्क महा अधिवेशन और ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को लेकर स्थानीय प्रमुख पदाधिकारियों और नेताओं से चर्चा विचार विमर्श किया। यह अलग अलग बैठक केन्द्रीय मंत्री शेखावत के निवास स्थान और स्थानीय सर्किट हाउस में हुई।

आगामी 8, 9 व 10 सितम्बर को तीन दिवसीय भाजपा ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक व संभाग बूथ सम्पर्क महा अधिवेशन होगा। ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्य समिति में देशभर से मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष और कार्य समिति सदस्य मौजूद रहेंगे। दोनों ही प्रमुख कार्यक्रमों को लेकर व्यवस्थाओं को अन्तिम रूप दिया जा रहा है।

कार्यक्रम को लेकर मंडल स्तर पर बैठकें हो रही हैं। 12वीं रोड चौराहा पर मसूरिया मण्डल कार्यालय में अध्यक्ष श्याम सुन्दर गौड़ की अध्यक्षता में बैठक हुई। जय नारायण व्यास पार्क में सूरसागर मण्डल की बैठक अध्यक्ष ताराचंद गहलोत की अध्यक्षता में हुई। सेक्टर 18 में चौपासनी मण्डल की बैठक अध्यक्ष हेमंत जायनानी की अध्यक्षता में हुई। निहारिका पार्क में प्रताप नगर मण्डल की बैठक मण्डल अध्यक्ष भैरूदास वैष्णव की अध्यक्षता में हुई। सिद्धेश्वर महादेव मन्दिर में शास्त्री नगर मण्डल की बैठक अध्यक्ष राकेश बागरेचा की अध्यक्षता में हुई।

जयपुर में 20 फीट गहरे नाले में गिरा युवक

धमाके की आवाज सुनकर लोगों को चला पता, सिविल डिफेंस ने रेस्क्यू कर बाहर निकाला

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर के सी-स्कीम में 20 फीट गहरे नाले में रविवार सुबह एक युवक गिर गया। नाले में युवक के गिरने की सूचना पर अशोक नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम की मदद से रेस्क्यू कर उसे बाहर निकाला। जिसे एम्बुलेंस की मदद से एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है।

पुलिस ने बताया कि सी-स्कीम स्थित ऑटी कैफे के पास नाले में सुबह करीब 7 बजे अचानक एक व्यक्ति गिर गया। 20 फीट गहरे नाले में गिरने से तेज धमाके की आवाज आई। धमाके की आवाज सुनकर नाले में देखा तो एक युवक गिरा दिखाई दिया। नाले में गिरने से वह बेहोश हो गया। नाले में बेहोश हालत में युवक के पड़े होने का पता चलने पर मौके पर लोगों की भीड़ लग गई।

अशोक नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम को सूचना देकर बुलाया। सिविल डिफेंस टीम ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद नाले से बाहर निकाला। जिसकी पहचान शांति नगर हटवाड़ा रोड निवासी गुरुशरण सिंह (40) के रूप में हुई। नाले में गिरने से चोटिल होने पर उसे एम्बुलेंस की मदद से एसएमएस हॉस्पिटल भिजवाया गया।

सेल्फी लेने के चक्कर में नाव पलटी, 4 लोग डूबे

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। नेवटा बांध में नाव पलटने चार युवक डूब गए। नाव चलाने वाला और एक अन्य तैर कर बाहर आ गए। फिर मदद के लिए चिल्लाने लगे। पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम ने डूबे दो दोस्तों में से एक का शव निकाल लिया। दूसरे की तलाश में जुटी हुई है। पानी के बीच सेल्फी लेने के चक्कर में नाव पलटी। हादसा जयपुर से 25 KM दूर सेज थाना इलाके में शनिवार देर शाम हुआ।

सेज थाना SHO सतपाल सिंह ने बताया कि शाम करीब 7 बजे सूचना मिली कि नेवटा बांध में दो युवक डूब गए हैं। युवकों के डूबने की सूचना उसके साथ मौजूद नाविक और उसके साथी ने दी थी। पुलिस ने मौके पर सिविल डिफेंस टीम को बुलाया। डूबने वाले दोनों युवक दोस्त है और घूमने के लिए नेवटा बांध आए थे। नेवटा बांध में नाव देखकर उसमें बैठ गए। नाव जब पानी के बीच पहुंची तो एक युवक सेल्फी लेने लग गया। ऐसे में नाव का संतुलन बिगड़ गया और अनियंत्रित होकर वह पलट गई। चिल्लाते हुए नाविक और लोकल युवक तैरते हुए बाहर निकल आए, जबकि साथ में मौजूद दोनों दोस्त तैरना नहीं जानने के कारण डूब गए। चिल्लाते हुए बांध से बाहर निकले नाविक और उसके साथी ने डूबे दो युवकों के बारे में बताया।

पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम की मदद से बांध में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। सिविल डिफेंस ने अंधेरे होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन बंद कर दिया। रविवार सुबह दोबारा रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया है। दोपहर 12 बजे एक युवक का शव डैम से बाहर निकाल लिया गया। मरने वाला सुरेश गुर्जर (26) नेवटा का रहने वाला है। उसके दोस्त की तलाश की जा रही है।

मां ने थप्पड़ मारा तो हथौड़े से किया मर्डर

डेड बॉडी बक्से में डाल दी; बर्थडे पर पार्टी मनाने के लिए पैसे नहीं दिए थे

झालावाड़, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बर्थडे पर मां ने पैसे नहीं दिए तो 17 साल के नाबालिग बेटे ने बकरी बेच दी। विवाद हुआ तो मां ने बेटे के थप्पड़ मार दिया। गुस्साए बेटे ने हथौड़े से सिर पर वार कर मां की हत्या कर दी। हत्या के बाद डेड बॉडी को बक्से में छिपा दी। मामला झालावाड़ जिले के सुनेल थाना इलाके का गुरुवार रात का है।

पुलिस ने बताया कि नाबालिग 12वीं क्लास में पढ़ता है और 1 सितंबर को बर्थडे था। वह अपने बर्थडे को यादगार बनाना चाहता था। उसने मां नोदियान (32) से पैसे मांगे। मां ने देने से मना कर दिया। इससे वह नाराज हो गया। मां जब खेत पर चली गई तो उसने पीछे से 5 हजार रुपए में बकरी बेच दी। पैसों से दोस्तों के साथ पार्टी की।

शाम को महिला घर लौटी तो उसे बकरी दिखाई नहीं दी। उसने बेटे से पूछा तो बोला मैंने 5 हजार रुपए में बेच दी। मां ने पैसे के लिए पूछा तो कहा- पार्टी में खर्च कर दिया। मां-बेटे में पैसे को लेकर बहस हुई। मां ने बेटे के थप्पड़ मार दिया। थप्पड़ से गुस्साए बेटे ने घर में रखे हथौड़े से मां के सिर पर वार कर दिया। महिला अचेत होकर गिर पड़ी और थोड़ी देर बाद मौत हो गई। मां की मौत से घबराए बेटे ने डेड बॉडी को घर में रखे बक्से में रख दी। घर में फैले खून को साफ कर दिया।

नाबालिग के मामा द्वारिका लाल ने बताया कि शाम 6.45 बजे किशोर के पिता बालचंद लौटे तो घर में पत्नी नहीं मिली। बकरी भी गायब थी। बेटे से पूछा तो उसने कहा कि मां बकरी लेकर अपने मायके हेमड़ा गांव गई है। पिता ने अपने ससुराल कॉल कर कंफर्म किया तो पता चला कि नोदियान यहां नहीं आई।

हर समय उपलब्ध रहकर लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाए : जिलाधीश

आसिफाबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर राहुल राज ने कहा कि लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए जिला के अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उपकेंद्रों में चिकित्सा अधिकारी और कर्मचारी हर समय उपलब्ध रहें। जिला केंद्र स्थित समाहरणालय भवन में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रभाकर रेड्डी के साथ जिले के चिकित्सा अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गयी। जिला कलेक्टर ने कहा कि अस्पतालों में आने वाले सभी लोगों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएं और सिफारिशों को कम करने और सभी प्रकार की चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जाएं. उन्होंने कहा कि लोगों को बीमारी के हिसाब से दवाएं मुहैया कराई जाएं और लोगों को जागरूक किया जाए कि वे उन दवाओं का इस्तेमाल न करें जो उनके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती हैं।

उन्होंने कहा कि 24 घंटे के अंदर टी हब में जांच कराकर मरीजों को रिजल्ट देना चाहिए, टी हब के कर्मचारियों को किश्तों में ड्यूटी देनी चाहिए और ड्यूटी इस तरह देनी चाहिए कि रविवार को भी उपलब्ध रहें. मातृ एवं शिशु देखभाल के हिस्से के रूप में, एक भी संकेतक को पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि ग्राम स्वास्थ्य पंजीकरण पूर्ण रूप से किया जाना चाहिए और उसके बाद ही डॉक्टर मरीजों को 100% उपचार प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मौसमी बीमारियों के नियंत्रण पर ध्यान देना चाहिए, सभी स्कूलों में समय पर स्वास्थ्य जांच की जानी चाहिए और दशहरा से पहले सभी आश्रम छात्रावासों का दौरा किया जाना चाहिए और छात्रों के लिए आवश्यक स्वास्थ्य जांच की जानी चाहिए. उन्होंने कहा कि जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु को रोकने के लिए चिकित्सा अधिकारी आवश्यक उपाय करें। इस कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य विभाग के उप चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुधाकर नाइक, डॉ. सीताराम, डी.पी. ओ धर्म सिंह, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रेम सागर, चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

एनएफआईआर का राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

डॉ. एम राघवैया

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन (एनएफआईआर) के महासचिव डॉ. एम राघवैया ने कहा कि नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन (एनएफआईआर) 5 से 7 सितंबर 2022 तक रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सिकंदराबाद में अपना 30 वां राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है। पूरे भारतीय रेलवे के लगभग 12000 ट्रेड यूनियन नेता और प्रतिनिधि इसमें भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय रेलवे के सामने आने वाले मुद्दों पर विचार-विमर्श करने, आगे का रोड मैप तैयार करने, भारतीय रेलवे के प्रदर्शन, कोविड महामारी की अवधि के दौरान चुनौतियों से निपटने, रेलवे कर्मचारियों के कैरियर के विकास से संबंधित मुद्दों, रिक्तियों को भरने, नौकरी की सुरक्षा, भारतीय रेल का चल रहा निजीकरण/निगमीकरणीकरण के मामले पर चर्चा होगी।

अग्र महिला मंच तेलंगाना का विनायक उत्सव संपन्न

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र महिला मंच तेलंगाना का लाडले गणेश उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि अग्रसेन हाल बाबूखान एस्टेट में महिलाओं द्वारा विनायक उत्सव बड़े ही उत्साह से मनाया गया। सर्वप्रथम कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा श्री अग्रसेन महाराज जी को माल्यार्पण कर पूजा की गई।

इसी क्रम में अध्यक्षा दीपा गर्ग एवं मंत्राणी अंजु गोयल ने प्रतियोगिताएं की मुख्य निर्णायिकाऐं रूबी जैन, संगीता बगेरिया का सम्मान दुपट्टा व मोमेंटो भेंट कर किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा गणेशजी से संबंधित लघु नाटक मंचित किया गया एवम पारंपरिक रूप से मेला लगाया गया। सपना अग्रवाल के नेतृत्व में गेम खिलाया गया एवं मंच द्वारा अर्ली बर्ड, नृत्य प्रतियोगिता गहने बनाना प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। निर्णायिकाएं रूबी जैन व संगीता बगेरिया ने विजेताओं में संगीता बगेरिया, कौशल्या सोनी, रश्मि अग्रवाल, सीमा पंसारी, सीमा अग्रवाल को मंच द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में मंजू केजरीवाल, संगीता देवरा, वंदना अग्रवाल, सरला जिंदल, मीता पंसारी, सीमा गर्ग, सीमा पंसारी ने मुख्य भूमिका प्रस्तुत कर कार्यक्रम को सफल बनाया। प्रभावती अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

सिकंदराबाद के दम्माईगुड़ा के अरूणा एब्रोड के बी ब्लाक में भव्य रूप से गणेश पूजन और अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर दम्माईगुड़ा नगरपालिका की चेयरमैन परिणिता श्रीकांत, कार्पोरेटर रमेश गौड़, समाजसेवी व तेरास नेता सतीश गौड़, बिहार सहयोग समिति, तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव का पूजा आयोजक राजेश, राजनरायन सिंह संतोष, श्रीनिवास आदि की ओर से सम्मान किया गया।

ज्योति रेसिडेंसी, दमाईगुड़ा में गणेश उत्सव के पांचवे दिन अन्नदानम का आयोजन किया गया। इसमे दमाईगुड़ा के मुन्सिपल चेयरमैन परिणीता श्रीकांत गौड एवं वार्ड काउंसलर 11 नंबर की यमुना बैंकट, बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव उपस्थित हुए। उन लोगों का शाल ओढ़ाकर के सम्मान किया गया। कार्यक्रम में रेसीडेंसी के सचिव मुरलीधरन, नवीन बिहारी, अजय कुमार सिंह, अमित गुप्ता, रमेश कुमार सिंह, शिव कुमार, गोविंद तिवारी, आशा सिंह, शोभा सिंह, सोनी सिंह, सुमन गुप्ता, रंगेश सिंह, आदित्य, कृति, आकृति सिंह, मधुरेश सिंह एवं अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

धम्माईगुडा में स्थापित मंगल मूर्ति गणेश प्रतिमा की पूजा-अर्चना, अभिषेक व अन्नमदानम कार्यक्रम में उपस्थित प्रबंधक ताराराम, करण, महेन्द्र गेहलोत, राजस्थानी मित्र मंडल अध्यक्ष सोहनसिंह बिरावास, मोटाराम बर्फा, शालुसिंह, आलोक सोलंकी, हितेश राजपुरोहित, राजुराम, पंडितजी व अन्य।

गणपति की पूजा कर राधाजी का जन्मोत्सव मनाते हुए राष्ट्रीय चेतना सेवा समिति तेलांगना प्रदेश अध्यक्षा अरुणा गुप्ता, श्रुति, यशवंत एवं अन्य।

पोलावरम परियोजना : मंत्री बुगना ने केंद्र से मदद मांगी

विजयवाड़ा, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार ने पोलावरम परियोजना को जल्द पूरा करने के लिए केंद्र से निरंतर समर्थन मांगा। इसने यह भी कहा कि केंद्र के समर्थन की जरूरत है क्योंकि इसे राज्य विभाजन अधिनियम में राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया था। वित्त मंत्री बुगना राजेंद्रनाथ और वन और खान मंत्री पेद्दीरेड्डी रामचंद्र रेड्डी ने अधिकारियों के साथ शनिवार को तिरुवनंतपुरम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक में भाग लिया।

गोशामहल संभाग में विभिन्न गणेश पंडाल में बतौर अतिथि भाग लेते हुए समाजसेवी नंदकिशोर व्यास बिलाल। साथ में हैं पूर्व पार्षद श्रीमती परमेश्वरी सिंह, ममता गुप्ता, वरिष्ठ नेता आर.वी. महेंद्र, धनराज, पी.शंकर, संतोष भाई, पनिता, आनंद सिंह, नरेंद्र यादव, सैलेश कुर्मा, क्रांति और अन्य।

आदर्श यूथ क्लब, चुड़ी बाज़ार में स्थापित गणेश पंडाल में पूजा-अर्चना करते हुए सुनील साहू, पी.पवन कुमार, पी.साईबाबा, अनिल कुमार, डी. राजेंद्र, गोपाल राव व अन्य।

बालाजी नगर में गनेश प्रतिमा पर पूजा अर्चना करते हुए बिहार समाज सेवा संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा, हैदराबाद अध्यक्ष पप्पू सिन्हा, उपाध्यक्ष प्रताप गौरव सिंह, कोषाध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति, समाज के प्रवक्ता विकास सिंह, वरिष्ठ सदस्य अरविंद भाई, धर्मेन्द्र कुमार सिंह राजेश गौड़ व अन्य।

लक्सर अपार्टमेंट, कोंडापुर में गणेश विसर्जन का आयोजन किया गया। सोसाइटी के अध्यक्ष बसंत साई, पी. सुधाकर, अभिजीत कुलकर्णी, दीपक सिंह, भैरव, एम. राजेश, भानु तेजा, सुधीर, सना, श्याम मोहन व अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

कीटनाशक दवा पीकर छात्रा ने की आत्महत्या

आसिफाबाद 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला केंद्र में तिरियानी मंडल में आश्रम पाठशाला के छात्रा ने कीटनाशक दवा पीकर आत्महत्या की। मृतक के परिजनों के अनुसार कोडापा विजयलक्ष्मी कक्षा 8 के आश्रम स्कूल वांकीडी में पढ़ती थी। ग्राम गोवेना मंडल तिरयानी की छात्रा फार्म फेस्टिवल के लिए घर आई थी। उसके माता-पिता ने उसे त्योहार के बाद भी स्कूल नहीं जाने के लिए डांटा। परिजनों ने बताया कि इससे वह परेशान हो गई और रविवार को घर में कीटनाशक दवा पी। उसे जैनूर और लिंगपुर सरकारी अस्पताल ले जाया गया। हालत बिगड़ने पर आदिलाबाद को रिम्स ले जाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शव को ले जाने के लिए परिवार के पास कोई आर्थिक साधन नहीं होने के कारण संयुक्त आदिलाबाद जिला शिक्षक संघ के नेता मेश्राम लिंगू और मेश्राम शेखर बाबू ने एंबुलेंस की व्यवस्था की और कहा कि शव को एंबुलेंस से घर भिजवा दिया गया है।

सिकंदराबाद के सैनिकपुरी में गणेण उत्सव के दौरान समाजसेवी वीरेन्द्र सिंह पप्पू द्वारा अन्नदान का आयोजन किया गया। भारी संख्या में लोगों ने अन्नदान कार्यक्रम में भाग लिया।

राणा प्रताप युवासेना द्वारा बोइनपल्ली प्ले ग्राउंड में स्थापित गणेशपंडाल में आयोजक जंपन्ना प्रताप का सम्मान करते हुए संचारपुरी कॉलोनी और वायु नगर कॉलोनी के निवासी शारदा, शैलजा, अन्नपूर्णा, पद्मा, अनुराधा, वरलक्ष्मी, लक्ष्मी, शेष लक्ष्मी, कल्याणी व अन्य।

बापूजीनगर बोइनपल्ली में स्थाथपत गणेश पंडाल में भाग लेते हुए जैनरत्न सुरेंद्र लूणिया, दिलीप धारीवाल, शीलकुमार जैन, गौतम जैन, गोपाल बंग, हरिकिशन बंग, मधुवाबू व अन्य।

सुलतान बाजार स्थित श्री मारवाड़ी गणेश उत्सव समिति द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा के दर्शन करते हुए अवसर पर सुमित राठी, रमेश तोषनीवाल, घनश्याम तोषनीवाल, बद्री प्रसाद मालानी, बेंकटलाल कलंत्री, श्याम सुंदर बंग, समाज सेवी राजेश करवा व अन्य।

शिवरामपल्ली विलेज नेताजी यूथ क्लब में भगवान गणेश महाराज की पूजा-अर्चना तथा अन्नकूट कार्यक्रम में राजेंद्रनगर पार्षद पी. अर्चना, नेताजी क्लब अध्यक्ष प्रभाकर रेड्डी, श्रीधर रेड्डी का तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका ने सम्मान किया।

अभिनव फ्रेंड्स गणेश रहीमपुरा द्वारा पूजा करते हुए राजू किशोर अभिनव नंदिनी व अन्य।

एसएसके समाज रहीमपुरा हाईड में आयोजित गणेशपूजा में भाग लेते हुए एसएसके समाज के उपाध्यक्ष नागरी लक्ष्मी नारायण, महासचिव कटिघर शंकर राव, एच. कुमार व अन्य।

दूसरे पृष्ठ का शेष भाग

टाटा ग्रुप के पूर्व...

हालांकि चार साल के अंदर ही 24 अक्टूबर 2016 को टाटा सन्स ने उन्हें चेयरमैन पद से हटा दिया था। उनकी जगह रतन टाटा को अंतरिम चेयरमैन बनाया गया था। इसके बाद 12 जनवरी 2017 को एन चंद्रशेखरन टाटा सन्स के चेयरमैन बनाए गए थे। इस विवाद को लेकर टाटा सन्स का कहना था कि मिस्त्री के कामकाज का तरीका टाटा सन्स के काम करने के तरीके से मेल नहीं खा रहा था। इसी वजह से बोर्ड के सदस्यों का मिस्त्री पर से भरोसा उठ गया था।

इसी साल 28 जून को साइरस के पिता और बिजनेस टाइकून पालोनजी मिस्त्री (93) का निधन हुआ था।

राहुल : हमारी यात्रा सच ...

हमें जनता के बीच जाना होगा। हमें उन्हें देश की सच्चाई बतानी होगी। जो भी मोदीजी के खिलाफ काम करना चाहता है, कोई भी हो, विपक्षी हो, एक्टिविस्ट हो, एनजीओ हो... उस पर ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स सब लगा दिए जाते हैं।

रैली में राहुल ईडी की पूछताछ पर भी बोले। राहुल ने कहा, 55 घंटे मुझे ईडी ने बैठाकर रखा। एक बात समझाना चाहता हूं मोदीजी मैं आपकी ईडी से नहीं डरता, मुझे फर्क नहीं पड़ता। आप 55 घंटे करो, 500 घंटे करो या 5 साल करो, मुझे फर्क नहीं पड़ता। संविधान देश की आत्मा है और आज इसको बचाने का काम हर हिंदुस्तानी नागरिक को करना पड़ेगा। अगर हमने यह नहीं किया, आज नहीं खड़े हुए तो फिर यह देश नहीं बचेगा। ये देश संविधान है, ये जनता की आवाज है, ये देश जनता का भविष्य है।

अधीर रंजन बोले, कांग्रेस में आना-जाना आसान, टिकना मुश्किल

लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन ने कहा, आज महंगाई का ये हालत है कि बाजार में खरीदारी करने जाओ तो जेब के सारे पैसे खत्म हो जाते हैं, लेकिन थैला खाली रह जाता है। उन्होंने हाल ही में पार्टी से अलग हुए गुलाम नबी आजाद पर भी तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस में आना बहुत आसान है, जाना और भी आसान है। लेकिन इसमें टिके रहना बहुत मुश्किल है। लोग दो कदम साथ चलते हैं, फिर रास्ते बदल लेते हैं।

एशिया कप 2022 में अफगानिस्तान की पहली हार

गुरबाज के 84 रन भी अफगान टीम को जीत नहीं दिला पाए

श्रीलंका ने 4 विकेट से दी मात

शारजाह, 4 सितंबर (एजेंसियां)। शारजाह के मैदान पर सुपर फोर के पहले मुकाबले में श्रीलंका ने अफगानिस्तान को 4 विकेट से हरा दिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 175 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन रहमनुल्लाह गुरबाज ने बनाए। उन्होंने 45 गेंदों में 84 रन की धमाकेदार पारी खेली। टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंका की टीम ने 5 गेंद बाकी रहते 6 विकेट पर 179 रन बनाकर मैच जीत लिया। श्रीलंका की ओर से धनुष्का गुणातिलका ने 33 जबकि भानुका रापजक्षे ने 31 रन की पारी खेली। आखिरी ओवरों मे वानिंदु हसरंगा ने 9 गेंदों पर 16 रन बनाकर मैच जीता दिया। नवीन उल हक और मुजीब उर रहमान ने अफगानिस्तान के लिए दो-दो विकेट चटकाए।

अफगानिस्तान ने शुरुआती 5 ओवर में 1 विकेट पर बनाए थे 46 रन

पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी रही थी। पहले 5 ओवर में अफगानिस्तान ने हजरतुल्लाह जजई का विकेट गंवाकर 46 रन बना दिए थे। हजरतुल्लाह को मधुशंका ने 13 रन के निजी स्कोर पर बोल्ड किया।

गुरबाज और इब्राहित के बीच 93 रन की साझेदारी

उसके बाद ओपनर रहमनुल्लाह गुरबाज ने इब्राहित जादरान के साथ पारी को संभाला। अफगानिस्तान ने दूसरा विकेट16वें की तीसरी गेंद पर गंवाया। उस समय टीम का स्कोर 139 रन था। गुरबाज 45 गेंदों पर 84 रन बनाकर असित फर्नांडो की गेंद पर कैच आउट हो गए। उन्होंने अपनी पारी में 6 छक्के और 4 चौके जड़े। वहीं, गुरबाज के बाद 17.2 ओवर में भी इब्राहित जादराम भी 151 के स्कोर पर आउट हो गए। उन्होंने 38 गेंदों का सामना कर 40 रन बनाया। गुरबाज और इब्राहित के पवेलियन लौटने के बाद नजीबुल्लाह जादरान ने तेज पारी खेलने की कोशिश की। ऐसा लगा कि अफगानिस्तान का स्कोर 190 के पार पहुंच जाएगा पर नजीबुल्लाह भी 18वें ओवर की चौथी गेंद पर रन आउट हो गए। उन्होंने 10 गेंदों पर 17 रन बनाए।

श्रीलंका की अच्छी शुरुआत

श्रीलंका ने 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की। कुसल मेंडिस और पथुम निसंका की ओपनिंग जोड़ी ने शुरुआती 5 ओवर में 40 रन जोड़े। श्रीलंका का पहला विकेट 6.3 ओवर में 62 रन पर गिरा। कुसल मेंडिस 19 गेंदों पर 36 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं, पथुम निसंका ने भी 28 गेंदों का सामना कर 35 रन बनाए। धनुष्का गुनातिलका ने 33 , भानुका राजपक्षे ने 31 रन की पारी खेली और अपनी टीम को जीत दिलाई। इससे पहले ग्रुप मैचों में इन दोनों टीमों का सामना हुआ था। जहां अफगानिस्तान की टीम ने श्रीलंका को हराया था।

श्रीलंका XI : 1. पथुम निसंका, 2. कुसल मेंडिस , 3. चरिथ असलंका, 4. दनुष्का गुनातिलका, 5. भानुका राजापक्षे, 6. वनिंदु हसरंगा, 7.असित फर्नांडो , 8. चमिका करुणारत्ना, 9. दासुन शनाका, 10. महीश तीक्ष्णा, 11. दिलशान मदुशंका

अफगानिस्तान XI : 1. हजरतउल्लाह जजई, 2. रहमानउल्लाह गुरबाज, 3. इब्राहिम जदरान, 4. मोहम्मद नबी, 5. नजीबउल्लाह जदरान, 6 शमीमुल्लाह शिनवारी, 7. करीम जनत, 8. राशिद खान, 9. फलहक फारुखी, 10. नवीन उल हक, 11. मुजीब उर रहमान।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में ऐतिहासिक जीत के बाद और बड़े देशों के साथ खेलना चाहती है जिम्बाब्वे

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में ऐतिहासिक जीत के एक दिन बाद जिम्बाब्वे के प्रमुख कोच डेव हॉटन ने कहा कि ये सफलता और मैचों में बदली जानी चाहिए और बड़े क्रिकेट खेलने वाले देशों के ज्यादा दौरे आयोजित होने चाहिए. वनडे सीरीज में लगातार दो पराजयों के बाद जिम्बाब्वे के स्पिनरों खास तौर पर रयान बर्ल ने 10 रन पर पांच विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को मात्र 141 रन पर ध्वस्त कर दिया और फिर 11 ओवर शेष रहते सात विकेट के नुकसान पर जीत के लक्ष्य को हासिल कर लिया. ये जिम्बाब्वे की ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली वनडे जीत थी. ये जिम्बाब्वे का 2003 के बाद द्विपक्षीय सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का पहला दौरा था.

जिम्बाब्वे का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में हाल में अच्छा प्रदर्शन रहा है. उसने पिछले महीने बांग्लादेश को वनडे और टी20 सीरीज में हराया था और हरारे में आखिरी वनडे में भारत को अपसेट करने के करीब पहुंच गए थे.

हॉटन ने यादगार जीत को लेकर कहा, "टीम का उत्साह सातवें आसमान को छू रहा है. हम बड़ी टीमों को इस तरह नहीं हरा पाते हैं और उन्हें उनके देश में हराना हमारे लिए बड़ी बात है."

जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान के हवाले से आईसीसी ने कहा, "मैं उम्मीद करता हूं कि इससे हमारे लिए ज्यादा मैचों का रास्ता खुलेगा. हमें अगले छह महीनों में काफी क्रिकेट खेलनी है लेकिन यह देखना अच्छा लगेगा कि हमें बड़ी टीमों के दौरे मिलें."

हॉटन का महसूस करना है कि दोनों टीमों के खिलाड़ियों के स्तर में अभी काफी फर्क है।

धोनी करेंगे चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी

पिछले सीजन में सुपर किंग्स ने दो बार कप्तान बदले थे अब सीईओ बोले- माही ही संभालेंगे कमान

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की कप्तानी महेंद्र सिंह धोनी ही करेंगे। फ्रेंचाइजी के सीईओ काशी विश्वनाथ ने इस बात की पुष्टि की है।

पिछले सीजन में सीएसके ने दो बार कप्तान बदले थे। पहले धोनी ने खुद कप्तानी छोड़ने का फैसला लिया था और फिर रवींद्र जडेजा को कप्तान बनाया गया था। खराब प्रदर्शन के चलते जडेजा ने कप्तानी छोड़ दी थी और आखिरी मैचों में धोनी ने जिम्मा संभाला था।

कहा जा रहा था कि चेन्नई अगले सीजन में नए कप्तान के साथ उतरेगी। सीईओ ने खुद बयान देकर इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है। विश्वनाथ ने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी ही अगले आईपीएल सीजन में चेन्नई टीम के कप्तान होंगे।

राइजिंग पुणे सुपर जाएंट्स की कप्तानी भी कर चुके धोनी

धोनी आईपीएल की शुरुआत से ही सीएसके के कप्तान हैं। उन्होंने टीम को 4 बार खिताब भी जिताए हैं। जब टीम पर 2 साल का बैन लगा, तब धोनी ने एक सीजन के लिए राइजिंग पुणे सुपर जाएंट्स की कप्तानी की थी। उसके बाद वे स्टीव स्मिथ की कप्तानी में खेले थे। इस सीजन में धोनी ने 232 रन ही बनाए थे।

आईपीएल टीम की कप्तानी में धोनी अब भी नंबर-1

किसी आईपीएल टीम की कप्तानी के मामले में एमएस धोनी अब भी नंबर-1 हैं। उन्होंने 2 टीमों (सीएसके और आरपीएस) की ओर से लीग के 210 मैचों में कप्तानी की है। इनमें से उन्हें 123 में जीत मिली है। जबकि टीम ने 86 मैच गंवाए थे। इस मामले में रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर हैं। रोहित ने 143 में से 79 मैच ही अपनी कप्तानी में जीते हैं।

पॉइंट टेबल में 9वें नंबर पर थी टीम

पिछले सीजन में टीम ने खराब प्रदर्शन किया। वह 14 में से महज 4 मुकाबले ही जीत सकी और दस मुकाबले गंवाए हैं। टीम के हिस्से में महज 8 अंक थे।

मुशफिकुर का टी 20 इंटरनेशनल से संन्यास

सबसे छोटे फॉर्मेट में उनका करियर सबसे लंबा, बोले- टेस्ट-वनडे पर फोकस करूंगा

दुबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने टी 20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है। उन्होंने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट के सबसे लंबे करियर को अलविदा कह दिया। रहीम ने रविवार को सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ यह जानकारी साझा की।

35 साल के इस दिग्गज खिलाड़ी ने इंटरनेशनल लेवल पर 15 साल 277 दिन टी-20 क्रिकेट खेला है। जो इस फॉर्मेट का आज तक का सबसे लंबा करियर है। दाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज ने 28 नवंबर 2006 को शाकिब अल हसन के साथ जिम्बाब्वे के खिलाफ डेब्यू किया था। उन्होंने अपना आखिरी मुकाबला एक सितंबर 2022 को एशिया कप में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। इस मैच में बांग्लादेश को 2 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

मैं अपना फोकस वनडे और टेस्ट पर करूंगा

रहीम ने अपनी पोस्ट में लिखा- 'मैं केवल टी 20 इंटरनेशनल से रिटायर हो रहा हूं और टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में फोकस करूंगा। मौका मिलने पर मैं फ्रेंचाइजी क्रिकेट के लिए उपलब्ध रहूंगा। टेस्ट-वनडे में मैं अभी भी अपनी टीम के लिए खेलता रहूंगा।'

कल शाकिब अल हसन तोड़ देंगे यह रिकॉर्ड

रहीम का यह वर्ल्ड रिकॉर्ड एक ही दिन में टूटने वाला है। दरअसल, रहीम-शाकिब का टी20 इंटरनेशनल करियर कुल 15 साल 277 दिन का रहा है। सोमवार को शाकिब का टी-20 इंटरनेशनल करियर 15 साल 278 दिनों का हो जाएगा।

काफी समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे थे रहीम

मुशफिकुर रहीम लंबे समय से अपने खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। करीब 15 इनिंग और 11 महीने से उनके बल्ले से बड़ी पारी नहीं आई है। इस फॉर्मेट में उनके बल्ले से आखिरी फिफ्टी 24 अक्टूबर 2021 को श्रीलंका के खिलाफ आई थी। तब उन्होंने नाबाद 57 रन बनाए थे। एशिया कप में रहीम ने महज 5 रन ही बना सके।

102 मैचों में 1500 रन बनाए हैं

रहीम ने टी20 क्रिकेट में कुल 102 मैच खेले और 19.23 की औसत से रहीम ने 1500 रन बनाए हैं।

टी20 वर्ल्ड कप 2022

जॉनी बेयरस्टो की जगह किसी विकल्प का ऐलान नहीं करेगा ईसीबी

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी ने कहा है कि मध्यक्रम बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को लेने की कोई जल्दी नहीं है, जिन्हें हाल ही में गोल्फ खेलते हुए निचले पैर में चोट लग गई थी. डेली मेल में रविवार को एक रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि करिश्माई बल्लेबाज अगले हफ्ते की शुरूआत में एक विशेषज्ञ से बातचीत करेंगे. वो चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट और अक्टूबर-नवंबर में ऑआस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप से बाहर हो चुके हैं.

रिपोर्ट में कहा गया है कि 32 साल के क्रिकेटर को इस बात की स्पष्ट जानकारी मिल जाएगी कि मंगलवार को विशेषज्ञ के पास जाने पर उनके ठीक होने में कितना समय लगेगा. बेयरस्टो को पिछले शुक्रवार को गोल्फ कोर्स में फिसल जाने पर उनके बाएं पैर के निचले हिस्से में चोट लग गई है, अनुमान लगाया जा रहा है कि पैर में फ्रैक्चर हो गया है.

ईसीबी के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को अपने 15 खिलाड़ियों की अंतिम सूची भेजने के लिए 16 सितंबर तक का समय है. अनुभवी एलेक्स हेल्स और अनकैप्ड विल जैक्स टीम में जगह बनाने के लिए सबसे आगे हैं.

इस साल टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बेयरस्टो ने 13 पारियों में 66.31 के औसत से 1,061 रन बनाए, जिसमें छह शतक और एक अर्धशतक शामिल है. उनके चोट लगने से न केवल विश्व कप में बल्कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 8 सितंबर से होने वाले निर्णायक टेस्ट में भी इंग्लैंड को बड़ा झटका लग सकता है।

राफेल नडाल यूएस ओपन 2022 के चौथे दौर में पहुंचे

फ्रांस के रिचर्ड गास्केत को सीधे सेटों में हराया

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। 22 ग्रैंड स्लैम जीत चुके राफेल नडाल ने एकतरफा मुकाबले में फ्रांस के रिचर्ड गास्केत को 6-0, 6-1, 7 -5 से हराकर अमेरिकी ओपन के चौथे दौर में प्रवेश कर लिया. दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी नडाल को दूसरे दौर में मिली जीत के दौरान उनका ही रैकेट नाक पर लग जाने से चोट आई थी.

चार बार के चैंपियन और 22 ग्रैंडस्लैम विजेता नडाल ने कहा कि अब उनकी चोट ठीक है .अब उनका सामना अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो से होगा.

वहीं आंद्रेइ रूबलेव ने चार घंटे से अधिक चले मैच में दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी डेनिस शापोवालोव को 6-4, 2-6, 7-6, 6 -4, 7-6 से हराया. अब उनका सामना सातवीं रैंकिंग वाले कैमरन नॉरी से होगा.

कार्लोस अलकारेज लगातार दूसरे अमेरिकी ओपन में चौथे दौर में पहुंचने वाले पीट सम्प्रास के बाद सबसे युवा खिलाड़ी बन गए. सम्प्रास ने 1989 और 1990 में यह कमाल किया था. 19 साल के अलकारेज ने जेंसन ब्रूक्सबी को 6-3, 6-3, 6-3 से हराया. अब उनका सामना मारिन सिलिच और डेनियल इवांस के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा.

महिला वर्ग में जेसिका पेगुला ने क्वालीफायर युआन यूइ को 6 . 2, 6 . 7, 6 . 0 से हराकर पहली बार अमेरिकी ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया. वहीं पेत्रा क्वितोवा ने गारबाइन मुगुरूजा को 5-7, 6-3, 7-6 से हराया।

यूएस ओपन 2022

पूर्व चैंपियन एंडी मरे बाहर, कोको गॉफ, किर्गियोस और दानिल मेदवेदेव चौथे दौर में पहुंचे

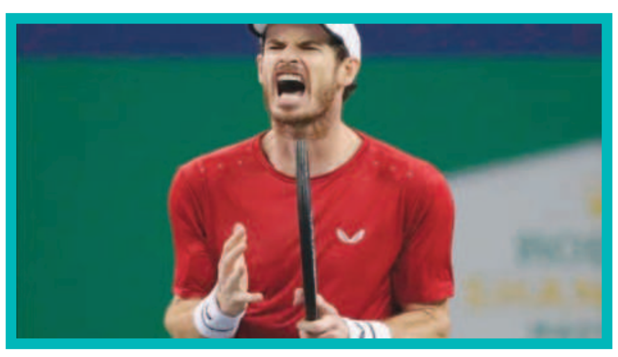

न्यूयॉर्क, 4 सितंबर (एजेंसियां)। 2012 के यूएस ओपन चैंपियन ब्रिटेन एंडी मरे तीसरे दौर में हारकर बाहर हो गए। पुरुष एकल में तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन मरे को साढ़े तीन घंटे तक चले मैच में इटली के माटेओ बेरेटिनी ने 6-4, 6-4, 6-7 (1), 6-3 से हरा दिया। वहीं, जून में फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचने वालीं 18 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ ने मेडिसन कीज को 6-2, 6-3 से हराकर पहली बार यूएस ओपन के चौथे दौर में जगह बनाई। गॉफ का सामना अब झांग शुआई से होगा, जिन्होंने रेबेका मैरिनो को 6-2, 6-4 से हराया।

पुरुष वर्ग में मौजूदा चैंपियन दानिल मेदवेदेव ने चीन के वू यिबिंग को 6-4, 6-2, 6-2 से हराया। उनका सामना अब विंबलडन उपविजेता निक किर्गियोस से होगा। ऑस्ट्रेलिया के 23वें वरीय किर्गियोस ने अमेरिका के जेजे वुल्फ को 6-4, 6-2, 6-3 से शिकस्त दी।

वू यिबिंग यूएस ओपन के तीसरे दौर में पहुंचने वाले पहले चीनी खिलाड़ी हैं। उनके पास मेदवेदेव की तीखी सर्विस का कोई जवाब नहीं था। रूसी खिलाड़ी ने कुल 12 ऐस जमाए।

पुरुषों के वर्ग में फ्रेंच ओपन के उपविजेता कैस्पर रूड ने 29वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल को पांच सेटों में हराया, जबकि 27 वें नंबर के करेन खाचानोव ने अपने प्रतिद्वंद्वी जैक ड्रेपर के चोटिल होने के कारण तीसरे सेट से हटने के बाद अगले दौर में जगह बनाई।

महिलाओं एक अन्य मैच में विंबलडन की फाइनलिस्ट ओंस जेबुअर ने 31वीं वरीयता प्राप्त शेल्बी रोजर्स को 4-6, 6-4, 6-3 से पराजित किया। उन्हें अब वेरोनिका कुडरमेतोवा का सामना करना है, जिन्होंने डालमा गल्फी को केवल 47 मिनट में 6-2, 6-0 से हराया।

हांगकांग को रौंदकर पाक सुपर-4 में पहुंचा

शारजाह, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने मोहम्मद रिजवान (78 नाबाद) की अर्द्धशतकीय पारी के बाद शादाब खान (चार विकेट) और मोहम्मद नवाज (तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत हांगकांग को एशिया कप 2022 में शुक्रवार को 155 रन से रौंदकर सुपर-4 में कदम रखा।

हांगकांग को 194 रन का लक्ष्य : पाकिस्तान ने हांगकांग को 20 ओवर में 194 रन का लक्ष्य दिया था, जिसके जवाब में हांगकांग महज 38 रन पर सिमट गई। पाकिस्तानी गेंदबाजी की अगुवाई करते हुए शादाब ने 2.4 ओवर में मात्र आठ रन देकर चार विकेट लिये, जबकि नवाज़ ने दो ओवर में पांच रन देकर तीन विकेट झटकें। हांगकांग ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को नौ रन पर पवेलियन लौटा दिया। इसके बाद रिजवान और फखर जमान की जोड़ी ने दूसरे विकेट के लिये 115 रन जोड़े और पाकिस्तान को मजबूत स्थिति में डाला। रिजवान ने 57 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की बदौलत 78 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि जमान ने 41 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्के जड़ते हुए 53 रन बनाये। पारी के 17वें ओवर में जमान का विकेट गिरने के बाद खुशदिल क्रीज पर आये जिन्होंने 15 गेंदों पर 233.33 के स्ट्राइक रेट से 35 रन बनाये।

रित्विका उलटफेर के साथ अंतिम चार में

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। गुलाबी नगर की रित्विका सिंह बुन्देला ने शनिवार को यहां एडिओरा राजस्थान क्लासिक स्क्वैश टूर्नामेंट में जोधपुर की दूसरी वरीयता की छवि सारण के खिलाफ उलटफेर भरी जीत के साथ अंडर-15 गर्ल्स के सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया।

5 से 8 वरीयता की रित्विका ने छवि को सीधे सेटों में 11-3, 11-6, 11-6 से शिकस्त दी। अंडर-17 बॉयज में जयपुर के द्रव्य जैन ने रिषि पवार को 11-7, 11-6, 8-11, 6-11, 11-9 से, अंडर-15 में सुभाष चौधरी ने अतीक यादव को 11-7, 11-8, 8-11, 3-11, 11-4 से, अंडर-11 में टॉप सीड फरीद अन्द्रावी ने ध्रुव जोहरी को 11-2, 11-4, 11-6 से, अंडर-17 में नम्बर वन अवलोकित सिंह ने उदित मिश्रा को 11-6, 11-8, 11-6 से और अंडर-11 गर्ल्स में दिव्यांशी जैन ने सुधांजली यादव को 11-8, 11-9, 11-5 से हरा सेमी फाइनल में प्रवेश किया। इस बीच जोधपुर के लक्ष्य ग्वाला ने अंडर-19 में हुनरपाल कोहली को 11-7, 9-11, 11-7, 11-5 से, अंडर-17 वर्ग में दिशांत मुर्जानी ने आरुष चटर्जी को 9-11, 11-5, 11-4, 11-6 से और अंडर-17 गर्ल्स में याशी जैन ने अनम मेहराज को 11-1, 11-0, 11-0 से हरा अंतिम चार में जगह बना ली। अजमेर के देव शर्मा ने भी वेदांत चेड्डा को 11-9, 11-1, 11-7 से हरा सेमी फाइनल में प्रवेश किया।

मंत्री केटीआर ने निर्मला सीतारमण पर किया कटाक्ष

कहा, भारत को 'डबल इम्पैक्ट' गवर्नेंस चाहिए, व्यर्थ डबल इंजन नहीं

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर पलटवार करते हुए उद्योग मंत्री केटी रामा राव ने वित्तीय विवेक पर तेलंगाना सरकार के खिलाफ उनकी कथित टिप्पणी को लेकर उन पर नए सिरे से निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश को डबल इम्पैक्ट शासन की आवश्यकता है, व्यर्थ "दोहरे इंजन" की नहीं।

'लोकसभा प्रवास योजना' के हिस्से के रूप में तेलंगाना की अपनी यात्रा के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री की टिप्पणी पर कटाक्ष करते हुए, टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन के दौरान देश का कर्ज दोगुना हो गया है। नतीजतन, प्रत्येक भारतीय पर 1.25 लाख रुपये का कर्ज है।

उन्होंने ट्वीट करते हुए बताया कि मैडम एफएम ने राजकोषीय विवेक पर वाक्पटुता व्यक्त की। 2014 तक, 67 वर्षों में भारत के 14 प्रधानमंत्रियों ने मिलकर 56 लाख करोड़ रुपये का कर्ज उठाया है। फिर आए पीएम मोदी जी, जिसने पिछले 8 वर्षों में अकेले भारत के कर्ज में 100 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि कर दी है। प्रत्येक भारतीय पर 1.25 लाख रुपये (एसआईसी) का कर्ज है। आरबीआई की अक्टूबर 2021 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए, रामा राव ने याद दिलाया कि 2.5 प्रतिशत भारतीय आबादी वाला तेलंगाना देश के सकल घरेलू उत्पाद में 5 प्रतिशत का योगदान देता है। यदि केवल भाजपा राज्यों ने तेलंगाना के बराबर प्रदर्शन किया, तो उन्होंने कहा कि भारत अब 4.6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होता। 2022 में तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 2.78 लाख रुपये है। राष्ट्रीय औसत प्रति व्यक्ति आय 1.49 लाख रुपये है। ऋण: तेलंगाना का जीएसडीपी अनुपात 23.5% है (28 भारतीय राज्यों में सबसे कम 23 वें स्थान पर)। देश का कर्ज: जीडीपी अनुपात 59 फीसदी है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में केसीआर सरकार ने मोदी सरकार को कई मील पीछे छोड़ दिया है।

हैदराबाद में एसआरडीपी के दूसरे चरण का काम जल्द शुरू होगा : मंत्री

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाल के वर्षों में बुनियादी ढांचे के मामले में एक बड़े कायापलट के दौर से गुजरते हुए, हैदराबाद राज्य सरकार के रणनीतिक सड़क विकास कार्यक्रम (एसआरडीपी) चरण II को जल्द ही लागू करने का निर्णय लेने के साथ एक विश्व स्तरीय शहर के रूप में आकार लेने के लिए तैयार है।

नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामाराव ने रविवार को एसआरडीपी चरण II के बारे में घोषणा की। मंत्री ने ट्विटर पर कहा कि एसआरडीपी के पहले चरण में काफी बदलाव आया है और दूसरे चरण का काम जल्द ही शुरू होगा।

मंत्री ने कहा कि एसआरडीपी हैदराबाद सड़क के बुनियादी ढांचे का चेहरा बदल रहा है। एसआरडीपी के चरण-1 में, 31 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 16 और चरण-2 पर काम किया जा रहा है, जल्द ही शुरू किया जाएगा। उन्होंने एसआरडीपी परियोजनाओं की तस्वीरें भी ट्वीट कीं।

एसआरडीपी के पहले चरण के तहत निर्मित फ्लाईओवर, अंडरपास, रोड ओवर ब्रिज, रोड अंडर ब्रिज और स्टील ब्रिज सहित परियोजनाओं की एक श्रृंखला के साथ शहर के बुनियादी ढांचे की रूपरेखा तेजी से बदल गई है। इन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं ने हैदराबाद की छोटी और संकरी सड़कों को फ्लाईओवर, केबल ब्रिज, अंडरपास आदि से लैस एक विशाल सड़क नेटवर्क में बदल दिया है। चंद्रयानगुट्टा एक्सटेंशन फ्लाईओवर, जुबली हिल्स रोड नंबर 45 फ्लाईओवर और दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज कुछ ऐसी परियोजनाएं हैं जिन्हें एसआरडीपी चरण I के तहत लोगों के लिए उपलब्ध कराया गया है और शहर का बुनियादी ढांचा एसआरडीपी चरण II के साथ एक और ऊंचाई पर जाने के लिए तैयार है।

रविवार को प्रसिद्ध खैरताबाद गणेश प्रतिमा के दर्शनार्थ जुटे भक्तों की भारी भीड़ तथा टैंकबंड पर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन भी शुरू हो गया है। गौरतलब है कि नगरद्वय में गणेश त्यौहार को लेकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ विसर्जन के लिए सभी प्रकार बंदोबस्त भी किये गये हैं।

तेलंगाना व आंध्र प्रदेश में अगले तीन दिनों में भारी बारिश की संभावना

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दो तेलुगु भाषी राज्यों-तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में अगले तीन दिनों के दौरान भारी बारिश होने की संभावना है। इस बात का खुलासा शहर स्थित हैदराबाद मौसम विज्ञान विभाग ने किया। मौसम केंद्र के अधिकारियों ने यह भी कहा कि तेलंगाना के कई हिस्सों में गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के कई अन्य हिस्सों में सामान्य से बहुत भारी बारिश होगी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश से कोमारिन क्षेत्र, मराठवाड़ा क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र और कर्नाटक तक बना उत्तर-दक्षिण निम्न दबाव 0.9 किमी की ऊंचाई पर स्थित है। दूसरी ओर, एपी स्थित अमरावती मौसम विज्ञान केंद्र के अधिकारियों ने कहा कि राज्य में विभिन्न हिस्सों में हल्की से भारी बारिश भी होगी।

राज्यपाल ने निम्स का दौरा किया, परिवार नियोजन सर्जरी पीड़ितों को दी वित्तीय सहायता

स्वास्थ्य अधिकारियों को दी भविष्य में सतर्क रहने की चेतावनी

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने आज शहर स्थित निम्स अस्पताल का दौरा किया और इब्राहिमपट्टनम क्षेत्र के अस्पताल में हाल ही में हुई परिवार नियोजन सर्जरी के पीड़ितों को वित्तीय सहायता के रूप में 10,000 रुपये वितरित किए। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि रोगी निम्स अधिकारियों द्वारा प्रदान किए जा रहे उपचार से संतुष्ट हैं। यह कहते हुए कि चार मरीजों की मौत कोई सामान्य मुद्दा नहीं है, उन्होंने कहा कि दुखद घटना की जांच चल रही है और कहा कि जांच रिपोर्ट में असफल परिवार नियोजन सर्जरी के पीछे के कारण सामने आएंगे। उन्होंने राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होने देने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि लक्ष्य हासिल करने के लिए लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि सर्जरी के बाद संक्रमण के कारण चारों महिलाओं की मौत हो गई।

विस अध्यक्ष व विप सभापति ने की अधिकारियों के साथ टेलीकांफ्रेस

दोनों सदनों की कार्यवाही के लिए व्यवस्था की समीक्षा की

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा और विधान परिषद के छह सितंबर से शुरू होने वाले सत्र से पहले विधानसभा अध्यक्ष पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी तथा विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने सभी विभागों के अधिकारियों को उनके द्वारा उठाए गए सभी सवालों के जवाब सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। गुत्ता और पोचारम दोनों ने रविवार को यहां के उच्चाधिकारियों के साथ टेलीकांफ्रेंसिंग की और दोनों सदनों की कार्यवाही की सफलता की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर बोलते हुए, विधानसभा अध्यक्ष पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों से मुद्दों पर गरिमा के साथ चर्चा करने और सत्र के सुचारू संचालन के लिए सदन की कार्यवाही का सम्मान करने की अपील की। उन्होंने अधिकारियों से विधानसभा और परिषद के सदस्यों द्वारा उठाए गए सभी सवालों के जवाब देने के लिए कहा और सुझाव दिया कि प्रत्येक विभाग इस उद्देश्य के लिए एक संपर्क अधिकारी नियुक्त करें। अधिकारियों को पिछले सत्रों के सभी लंबित उत्तर भेजने के लिए भी निर्देशित किया गया है और जानकारी तेलुगु, उर्दू और अंग्रेजी भाषाओं में होनी चाहिए। अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों से प्रोटोकॉल के नियमों का अक्षरश: पालन करने और सभी विधायकों को पूर्व सूचना उपलब्ध कराने को भी कहा। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि एहतियात के तौर पर स्वास्थ्य विभाग एक डिस्पेंसरी कोविड परीक्षण केंद्र स्थापित करे और विधानसभा भवन के परिसर में बूस्टर खुराक के टीके आसानी से उपलब्ध कराये। विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने भी पुलिस विभाग से सत्र के दौरान पुख्ता सुरक्षा इंतजाम करने की अपील की।

कुकटपल्ली में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली में रविवार सुबह करीब 25 साल के एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिमला। पुलिस के अनुसार, स्थानीय लोगों ने जींस की पैंट और काली शर्ट पहने हुए खून से लथपथ व्यक्ति का शव कुकटपल्ली के एक खेल के मैदान में पाया और इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गांधी अस्पताल के मोर्चरी में भेज दिया।

पुलिस को संदेह है कि पीड़ित के परिचित कुछ लोगों ने उसके सिर पर पत्थर से हमला किया होगा, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस को संदेह है कि कुछ व्यक्तिगत दुश्मनी या संपत्ति के विवाद के कारण हत्या हो सकती है। मामला दर्ज है।

संगारेड्डी में पेपर मिल में लड़के की मौत

सनाग्रेड्डी, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के गुम्मडिडाला स्थित कनिष्क पेपर मिल में रविवार को दुर्घटनावश सिर में चोट लगने से एक लड़के की मौत हो गयी। लड़के की पहचान सूरज कुमार (14) के रूप में हुई है, जो कनिष्क पेपर मिल के कर्मचारी राम काशी सदा का बेटा था। सूरज पेपर मिल में अपने पिता काशी से मिलने आया था। मशीन के पास चलते समय उनके सिर में गंभीर चोट आई और उनकी मृत्यु तत्काल हो गई।

सीएम केसीआर 5 सितंबर को करेंगे निजामाबाद में नए कलेक्ट्रेट परिसर का उद्घाटन

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद जिले में 25 एकड़ में निर्मित एक एकीकृत जिला कार्यालय परिसर (आईडीओसी) का उद्घाटन सोमवार को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव करेंगे। अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार ने 1,59,306 वर्ग फुट के निर्मित क्षेत्र के साथ 53.52 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से एक पूर्व मुखी सुविधा के साथ आईडीओसी का निर्माण किया। आईडीओसी में स्टाफ रूम और प्रतीक्षालय के साथ एक राज्य कक्ष, कलेक्टर कक्ष, दो अतिरिक्त कलेक्टर कक्ष, 20 से अधिक कर्मचारियों को समायोजित करने के लिए कलेक्टर स्टाफ हॉल, प्रत्येक मंजिल में 32 लोगों को समायोजित करने की क्षमता वाला दो प्रतीक्षालय और एक सम्मेलन कक्ष प्रदान किया गया है।

कर्मचारियों की सुविधा के लिए हेलीपैड, केंद्रीय प्रांगण और सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए लॉन क्षेत्र के अलावा अन्य सुविधाओं के साथ-साथ विशाल कार्य स्टेशनों के साथ अलग रिकॉर्ड और स्ट्रांग रूम भी उपलब्ध कराए गए हैं। उद्घाटन समारोह को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। मुख्यमंत्री के जिले के दौरे के मद्देनजर पुलिस ने सुरक्षा भी कड़ी कर दी है।

मंत्री प्रशांत रेड्डी ने मुख्यमंत्री के दौरे के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सड़क एवं भवन मंत्री वी. प्रशांत रेड्डी ने सोमवार को मुख्यमंत्री केसीआर के जिले के दौरे के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री के दौरे के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए मंत्री ने नवनिर्मित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट परिसर और जनसभा स्थल का दौरा किया। सीएम सोमवार को नवनिर्मित एकीकृत कलेक्ट्रेट परिसर का उद्घाटन करेंगे और जिले में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री पहले नवनिर्मित सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी के जिला पार्टी मुख्यालय का उद्घाटन करेंगे और बाद में जिला कलेक्ट्रेट परिसर का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गिरिराज कॉलेज मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के दौरे की सारी व्यवस्था उनके द्वारा की गई है और कहा कि इस जनसभा में जिले भर से लोग हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि जनसभा स्थल से पूरे जिले के लोग केसीआर के भाषण का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से जनसभा को भव्य रूप से सफल बनाने का आह्वान किया। टीएसआरटीसी के अध्यक्ष और पार्टी विधायक बाजीरेड्डी गोवर्धन, निजामाबाद के शहरी विधायक बिगला गणेश गुप्ता, एमएलसी वीजी गौड़, टीएसआईआईसी के अध्यक्ष ग्यादारी बालामल्लू, मार्कफेड के अध्यक्ष एम गंगा रेड्डी, जेडपी अध्यक्ष विट्ठल राव, जिला कलेक्टर नारायण रेड्डी और निजामाबाद सीपी नागराजू निरीक्षण कार्यक्रम में मंत्री के साथ थे।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रेलवे ट्रैक पर वीडियो बनाते समय ट्रेन ने युवक को मारी टक्कर

हनमकोंडा, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यहां काजीपेट रेलवे स्टेशन के पास वड्डेपल्ली टैंक पर रविवार को रेलवे ट्रैक पर एक वीडियो की शूटिंग के दौरान एक ट्रेन की चपेट में आने से एक वीडियो प्रेमी किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल शहर के वाडेपल्ली के इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष के छात्र रविंदर के बेटे च अक्षय राज (17) हैं।

घटना के बाद उन्हें एम्बुलेंस में रेलवे पुलिस द्वारा सरकारी एमजीएम अस्पताल ले जाया गया। बाद में, उन्हें बाद में उनके रिश्तेदारों द्वारा एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। डॉक्टरों ने कहा कि उनके पैर में फ्रैक्चर है और चेहरे पर भी चोटें आई हैं। वह खतरे से बाहर बताया जा रहा है। काजीपेट राजकीय रेलवे पुलिस ने कहा कि अक्षय अपने दो दोस्तों के साथ एक मोबाइल एप के लिए वीडियो बना रहे थे, तभी बल्हारशाह से वारंगल आ रही ट्रेन ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना के समय पटरियों पर काम करने वाले रेलवे के एक गैंगमैन ने कहा कि जब ट्रेन आ रही थी तब वह ट्रैक के साथ-साथ चल रहा था और वह ट्रेन के इंजन की चपेट में आ गया। गैंगमैन ने कहा कि हालांकि उसे उसके दोस्तों और अन्य गैंगमैन द्वारा ट्रेन से दूर जाने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसने उनकी चेतावनियों पर ध्यान नहीं दिया। रेलवे पुलिस युवाओं को सलाह दे रही है कि वे रेल की पटरियों पर वीडियो न बनाएं, क्योंकि हादसों में उनकी जान जा सकती है। रेलवे पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और इसकी जांच कर रही है।

नारायणा कॉलेज कांड : एकाउंटेंट की मौत

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अंबरपेट में नारायण कॉलेज के एकाउंटेंट, अशोक रेड्डी, जिन्होंने 17 अगस्त को कॉलेज के प्रिंसिपल को धमकी देने वाले एक छात्र नेता संदीप की कोशिश को नाकाम करने के चक्कर में गलती से आग की चपेट में आ गया था, की रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई।

घटना में अशोक, संदीप और एक अन्य व्यक्ति वेंकट झुलस गए थे और एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। एक छात्र नेता संदीप वेंकट के साथ और एक छात्र साई नारायण जो नारायणा कॉलेज में पढ़ रहे हैं, फीस संबंधी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए संस्थान गए थे। कॉलेज के प्रिंसिपल सुधाकर रेड्डी ने कथित तौर पर साई नारायण से स्थानांतरण प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए 20,000 रुपये मांगे थे और बाद में साई नारायण छात्रा नेता संदीप की मदद मांगी थी।

रामदेव ज्योतिष
मो. 8801305757
जन्म कुंडली, संतान प्राप्ति, विवाह-सगाई में देरी, व्यापार में घाटा, मोहिनी वशीकरण, किया-कराया, सास-बहू में असंतोष, सौतन समस्या, घर में अशांति, शत्रुनाश, प्रेम समस्या, लक्ष्मी बंधन, पति-पत्नी में अनबन, भूमि लाभ आदि सभी समस्याओं का समाधान।
विश्वसनीय राजस्थानी पंडित जी
घर पर आकर सेवाएँ देने और फ़ोन पर भी सुविधा उपलब्ध।
माँ-बहनें नि:संकोच अपना घर-मंदिर समझ कर पधार सकती हैं।
बात गुप्त रहेगी, फ़ीस केवल : 200/-
काचीगड़ा, हैदराबाद. समय : 10.00 से 6.00 बजे तक

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.